- लालू के बेटे की सरकार बनी तो अपहरण हत्या व रंगदारी के तीन नए मंत्रालय होंगे - 12

- कंपनियों के तिमाही नतीजे और वैश्विक रुख तय करेंगे शेयर बाजार की दशा - 12

- दक्षिण चीन सागर में चीनी गतिविधि का दृढ़तापूर्वक मुकाबला करे आसियान - 13

- वाशिंगटन की तूफानी पारी से भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराया- 14

आज का मौसम
29.0° अधिकतम तापमान
18.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.19 | सूर्यास्त 05.25

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष त्रयोदशी 02:06 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 3 नवंबर 2025, वर्ष 4, अंक 73, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के लॉन्च पैड से उड़ान भरता इसरो का प्रक्षेपण यान। • एजेंसी

इसरो ने रचा इतिहास, बाहुबली रॉकेट से सबसे भारी उपग्रह प्रक्षेपित

अपनी वांछित कक्षा जीटीओ में सफलतापूर्वक हुआ स्थापित, बड़े समुद्री क्षेत्र में प्रदान करेगा बेहतर दूरसंचार कवरेज

श्रीहरिकोटा, एजेंसी

नई पीढ़ी के स्वदेशी बाहुबली एलवीएम 3- एम- रॉकेट से रविवार को सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किए गए सबसे भारी संचार उपग्रह सीएमएस- 03 को सफलतापूर्वक वांछित भू समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में स्थापित कर दिया गया।

इसरो ने इसे दुर्लभ उपलब्धि बताते हुए कहा कि सीएमएस-03 एक बहु-बैंड संचार उपग्रह है जो भारतीय भूभाग सहित एक विस्तृत समुद्री क्षेत्र में सेवाएं प्रदान करेगा। इसरो के अनुसार यह उपग्रह 2013 में प्रक्षेपित की गई जीसैट 7 श्रृंखला का प्रतिस्थापन भी है। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने याद दिलाया कि रॉकेट का पिछला प्रक्षेपण सबसे प्रतिष्ठित चंद्रयान 3 था, जिसने राष्ट्र को गौरव दिलाया। रविवार को भारी उपग्रह के साथ सफलता प्राप्त करने के बाद इसने एक और गौरव प्राप्त किया। प्रायोगिक मिशन सहित एलवीएम 3 के सभी आठ प्रक्षेपण सफल रहे हैं, जो 100 प्रतिशत सफलता दर दर्शाते हैं। अंतरिक्ष विभाग के सचिव नारायणन ने इस प्रक्षेपण को आत्मनिर्भर भारत का एक और उदाहरण बताते हुए कहा, इस उपग्रह को कम से कम 15 वर्षों तक संचार सेवाएं प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने रविवार को भारतीय धरती से सबसे भारी संचार उपग्रह के सफल प्रक्षेपण पर इसरो के वैज्ञानिकों को बधाई दी।

पूरी तरह स्वदेशी

यह स्वदेशी रूप से डिजाइन एवं विकसित किया गया है। ये जटिल होती सुरक्षा चुनौतियों के बीच आत्मनिर्भरता के मार्ग पर चलते हुए उन्नत प्रौद्योगिकी का प्रभावी उपयोग कर राष्ट्र के समुद्री हितों की रक्षा करने के संकल्प का प्रतीक है।

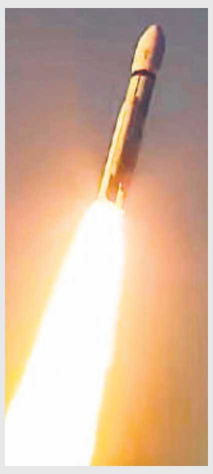

सबसे भारी उपग्रह

4410 किलोग्राम का यह उपग्रह अब तक का देश का सबसे भारी संचार उपग्रह होगा। इसमें कई उन्नत स्वदेशी तकनीकी घटक शामिल हैं, जिन्हें नौसेना की परिचालन और सामरिक जरूरतों को पूरा करने के लिए विकसित किया गया है।

देगा बेहतर कवरेज

जीसैट-7आर उपग्रह हिंद महासागर क्षेत्र में व्यापक और बेहतर दूरसंचार कवरेज प्रदान करेगा। इसके पेलोड में ऐसे उन्नत ट्रांसपोंडर लगाए गए हैं, जो विभिन्न संचार बैंडों पर ध्वनि, डेटा और वीडियो लिंक को सपोर्ट करने में सक्षम हैं।

नौसेना की दक्षता और क्षमता बढ़ाएगा जीसैट- 7 आर

श्रीहरिकोटा। इसरो की ओर से रविवार शाम प्रक्षेपित किया गया संचार उपग्रह जीसैट-7आर (सीएमएस-03) भारतीय नौसेना को अधिक दक्षता प्रदान करेगा।। यह उपग्रह भारतीय नौसेना का अब तक का सबसे उन्नत संचार प्लेटफॉर्म होगा जो इसकी अंतरिक्ष-आधारित संचार प्रणाली और समुद्री क्षेत्र जागरूकता क्षमताओं को अधिक बढ़ाएगा। उच्च क्षमता वाली बैंडविड्थ के साथ यह उपग्रह भारतीय नौसेना के जहाजों, विमानों, पनडुब्बियों और समुद्री संचालन केंद्रों के बीच सुरक्षित, निर्बाध तथा वास्तविक समय संचार को सुनिश्चित करेगा।

ब्रीफ न्यूज

प्रधानमंत्री 7 को दो दिवसीय दौरे पर पहुंचेंगे वाराणसी

वाराणसी। भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने रविवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने दो दिवसीय दौरे पर 7 नवंबर को सायंकाल बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री हवाई अड्डे पहुंचेंगे। वहां उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। वहां से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सड़क मार्ग से सीधे बरेका गेस्ट हाउस पहुंचेंगे। तत्पश्चात् प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी दिन वरिष्ठ भाजपा नेताओं एवं प्रमुख लोगों के साथ बैठक करेंगे। पटेल ने बताया कि 8 नवंबर को पूर्वाह्न प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बनारस रेलवे स्टेशन (मंडुआडीह) पर वाराणसी से खजुराहो तक चलने वाली वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

ट्रेन से गिरा राष्ट्रीय स्तर का तीरंदाज, मौत

कोटा। महाराष्ट्र के रहने वाले राष्ट्रीय स्तर के एक तीरंदाज की राजस्थान के कोटा जंक्शन पर ट्रेन से कथित तौर पर गिरने के कारण मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, नासिक निवासी अर्जुन सोनवाले (20) पंजाब के बठिंडा में एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद अपने साथियों और कोच के साथ घर लौट रहे थे। वह शकूर बस्ती-मुंबई सेंट्रल एसी स्पेशल ट्रेन से महाराष्ट्र जा रहे थे। रात करीब साढ़े आठ बजे कोटा जंक्शन पर ठहराव के लिए जब ट्रेन की गति धीमी हो रही थी, अर्जुन खाना खाने के लिए दूसरे डिब्बे में जाने के वास्ते बी4 डिब्बे के गेट पर खड़े थे, तभी गलती से फिसल गए तथा ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच के अंतराल में गिर गए।

46 से घटकर 38 रह गए नक्सल प्रभावित जिले

नई दिल्ली। भारत में नक्सल हिंसा से प्रभावित जिलों के वर्गीकरण की ताजा समीक्षा में पाया गया कि अप्रैल में नौ राज्यों में इनकी संख्या 46 थी जो अब घटकर 38 रह गई है और चिंताजनक जिलों की श्रेणी में केवल चार तथा सबसे अधिक प्रभावित जिलों की श्रेणी में महज तीन जिले रह गए हैं। यह समीक्षा 'वामपंथी उग्रवाद से निपटने के लिए राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना 2015' के एक हिस्से के रूप में की गई।

भारतीय महिला टीम बनी विश्व चैंपियन दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराया

बेटियों ने 47 साल बाद रचा इतिहास, प्रतिद्वंद्वी टीम को 246 पर किया ऑल आउट

- भारत ने 7 विकेट खोकर बनाए थे 298 रन, दीप्ति शर्मा ने झटके 5 विकेट

नवी मुंबई, एजेंसी

नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में विश्व कप का फाइनल मैच जीतने के बाद जश्न मनातीं भारतीय खिलाड़ी।

भारत की बेटियों ने आखिरकार 47 साल के लंबे इंतजार के बाद इतिहास रच ही दिया। हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने रविवार को यहां वनडे विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली आईसीसी ट्रॉफी जीती।

भारत ने शेफाली वर्मा (78 गेंद में 87 रन) और दीप्ति शर्मा (58 रन) के अर्धशतक की बदौलत सात विकेट पर 298 रन बनाए। इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम दीप्ति शर्मा के पांच झटकों के सामने कप्तान लौरा वोलवार्ट (101 रन) के शतक के बावजूद 45.3 ओवर में 246 रन पर सिमट गई। दीप्ति ने 39 रन देकर पांच विकेट झटके।

शेफाली वर्मा ने भी दो विकेट और श्री चरणी ने एक विकेट हासिल किया। इससे पहले शेफाली ने वनडे में अपनी सर्वश्रेष्ठ पारी के दौरान सात चौके और दो छक्के लगाये। दीप्ति ने 58 गेंद में तीन चौके और एक छक्का जड़ा।

सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने 45 रन और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने 34 रन का योगदान दिया। महिला वनडे वर्ल्ड कप की शुरुआत 52 साल पहले 1973 में हुई थी। तब भारत ने हिस्सा नहीं लिया था। 47 साल पहले 1978 में इंडिया विमेंस ने डायना एडल्जी की कप्तानी में पहली बार टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। 2005 में टीम इंडिया पहली बार फाइनल में पहुंची, लेकिन ऑस्ट्रेलिया से हार गई। 2017 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को ही सेमीफाइनल हराकर फाइनल में एंट्री की, लेकिन इंग्लैंड ने फाइनल हरा दिया। 2025 में टीम ने फिर एक बार ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल हराया, लेकिन इस बार फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर ट्रॉफी जीत ही ली।

इंडिया विमेंस सीनियर टीम की यह किसी भी फॉर्मेट में पहली आईसीसी ट्रॉफी रही। टीम एक बार टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में भी हार चुकी है।

जोधपुर में हुए भीषण सड़क हादसे में 15 लोगों की मौत

राजस्थान के जोधपुर जिले में हादसे के बाद टेंपो-ट्रैवलर से लोगों को निकालते लोग।

- धार्मिक कार्यक्रम से लौट रहे श्रद्धालुओं से भरा टेंपो ट्रैवलर सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकराया, दो लोग घायल

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान के जोधपुर जिले में फलोदी के पास रविवार रात एक भीषण सड़क हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार हादसे में मरने वालों में ज्यादातर महिलाएं हैं। ये सभी लोग एक धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद लौट रहे थे।

पुलिस के अनुसार, यह हादसा भारतमाला राजमार्ग पर मतोड़ा गांव के पास हुआ। यात्रियों को लेकर जोधपुर की ओर आ रहा एक टेंपो ट्रैवलर सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकरा गया। जोधपुर के पुलिस आयुक्त ओम प्रकाश ने इस हादसे में 15 यात्रियों की मौत और दो के गंभीर रूप से घायल होने की पुष्टि की। घायलों को पहले प्राथमिक उपचार के लिए ओसियां के अस्पताल ले जाया गया और बाद में जोधपुर रेफर कर दिया गया। पुलिस के अनुसार पीड़ित जोधपुर के सूरसागर इलाके के निवासी थे और बीकानेर के पास कोलायत में कपिल मुनि आश्रम में पूजा-अर्चना करने के बाद लौट रहे थे। सभी शवों को ओसियां के सरकारी अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसे पर शोक जताया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों का समुचित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक्स पर लिखा, फलोदी के मतोडा में सड़क हादसे में 18 लोगों की मृत्यु का समाचार मिला है। मैं ईश्वर से दिवंगतों की आत्मा की शांति और उनके परिजनों को हिम्मत देने की प्रार्थना करता हूं।

नेपाली हाथियों ने सो रहे बुजुर्ग की ली जान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- शारदा नदी पार इलाके में हाथियों के झुंड ने किया हमला, झोपड़ी में सो रहा था बुजुर्ग

अमृत विचारः नेपाल की ओर से आए हाथियों के झुंड ने शारदा नदी इलाके में धावा बोल दिया। इस दौरान झुंड में शामिल एक हाथी ने झोपड़ी में सो रहे एक बुजुर्ग को रौंदकर मार डाला। रविवार सुबह वन विभाग की टीम ने पुलिस के साथ मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिवार के सुपुर्द कर दिया।

घटना कलीनगर तहसील क्षेत्र में शारदा नदी पार गांव ढकिया ताल्लुके महाराजपुर में शनिवार रात हुई। नेपाल की ओर से जंगली हाथियों का एक बड़ा झुंड गांव में घुस आया। यहां हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया। इस दौरान हाथियों के झुंड में शामिल एक जंगली हाथी ने झोपड़ी में सो रहे पुन्नो (73) को रौंद डाला। हाथियों ने बुजुर्ग की झोपड़ी को भी तहस नहस कर दिया। घटना की जानकारी पर ग्रामीणों ने शोर-शराबा कर बमुश्किल हाथियों से पीछा छुड़ाया। घटना की जानकारी पर रविवार सुबह बराही रेंज की टीम पुलिस के साथ मौके पर पहुंची। जांच पड़ताल करने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में बराही रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी अरुण मोहन श्रीवास्तव ने बताया कि घटनास्थल पर जांच पड़ताल की गई है। हाथियों के पैरों के निशान मिले हैं। ग्रामीणों को सतर्क करने के साथ टीमों को निगरानी के लिए लगाया गया है।

हवा की रफ्तार थमने से दिल्ली में और दमघोंटू हुआ प्रदूषण

नई दिल्ली। हवा की धीमी गति के कारण प्रदूषकों का फैलाव कम होने के बीच दिल्ली की हवा और ज्यादा दमघोंटू हो गई। राष्ट्रीय राजधानी का एक्यूआई रविवार सुबह 386 रहा, जबकि शनिवार को एक्यूआई 303 ही था। दिल्ली के लिए वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के अनुसार शनिवार शाम और रात के दौरान उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की गति आठ किमी घंटे से कम हो गई, जिससे वायु प्रदूषण और सघन हो गया। एक्यूईडब्ल्यूएस के अनुसार, वायु गुणवत्ता के चार नवंबर तक बेहद खराब श्रेणी में रहने की संभावना है। दिल्ली में 17 निगरानी केंद्रों ने 400 से ऊपर के एएक्यूआई के साथ गंभीर श्रेणी की वायु गुणवत्ता दर्ज की। वजीरपुर में सबसे अधिक 439 एक्यूआई दर्ज किया गया। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, 20 अन्य केंद्रों पर 300 से ऊपर के एक्यूआई के साथ बेहद खराब गुणवत्ता रिकॉर्ड हुई है।

लोहे की रॉड से पीटकर पत्नी की हत्या

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

रोशनी (फाइल)

- मौदहा कोतवाली क्षेत्र के कम्हरिया गांव का मामला तीन वर्षीय बेटे को उसी कमरे में छोड़कर फरार

अमृत विचारः कोतवाली क्षेत्र के कम्हरिया गांव में शनिवार को पति-पत्नी के बीच हुए विवाद में कोटेदार पति ने पत्नी की लोहे की रॉड से पीट पीटकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी पति तीन वर्षीय बेटे को उसी कमरे में छोड़कर फरार हो गया। बच्चे के रोने की आवाज से लोगों को घटना की जानकारी हुई।

गांव निवासी कोटेदार मोइनुद्दीन पुत्र फखरुद्दीन का शनिवार देर रात पत्नी रोशनी (32) से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इस पर कोटेदार ने लोहे की रॉड से पीट पीटकर पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद उसने अपने तीन वर्षीय बच्चे को उसी कमरे में बंद कर फरार हो गया। रविवार को तड़के कमरे के अंदर बंद कमरे में बच्चे के रोने की आवाज सुनकर परिजनों ने दरवाजा खोला तो रोशनी लहूलुहान शव मिला। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया वहीं आरोपी को हिरासत में लिया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार गुप्ता ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि रोशनी की हत्या उसके पति मोइनुद्दीन ने ही की है।

चित्रकूट में भीषण सड़क हादसे में तीन की मौत, चार घायल

- गांव से एक ही परिवार के लोग किसी कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे और हादसे का शिकार हो गए

संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार : रविवार रात हाईवे पर एक बोलेरो और रोडवेज बस की टक्कर में तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई। चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनको जिला अस्पताल भेजा गया है। मरने वालों में दो सगे भाई शामिल हैं। इन बच्चों के पिता-मां और बहने भी गंभीर घायल हैं। ये सभी बोलेरो पर सवार थे। मिली जानकारी के अनुसार, रविवार रात लगभग साढ़े नौ बजे मानिकपुर की ओर से कर्वी आ रही एक बोलेरो की खोह के पास प्रयागराज की ओर जा रही बांदा डिपो की रोडवेज बस से भीषण भिड़ंत हो गई। इससे मौके पर ही बोलेरो सवार तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो बच्चे शामिल हैं। लगभग चार लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की खबर है। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस में चालक, परिचालक के साथ एक अन्य व्यक्ति था। सभी घायल और मृत लोग एक ही परिवार के थे। ये लोग किसी वाहन गढ़ीवा के किसी व्यक्ति की है। बताया जाता है कि गांव से एक ही परिवार के लोग किसी कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। दुर्घटना में बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। घायलों में लगभग पांच बच्चे भी शामिल हैं। मृतकों के नाम मोहित (14) पुत्र राजा भइया, सुभाष (6) पुत्र राजा भइया और रोहित (24) पुत्र अर्जुन प्रसाद सभी कैंप का पुरवा गढ़ीवा के निवासी हैं। इसके अलावा घायल शोभा (25) पत्नी राजा भइया, अभिलाषा (14) पुत्री राजा भइया, अर्जुन (14) पुत्र ओंकार, राजा भइया (35) पुत्र बैजनाथ और ओंकार (10) पुत्र राजा भइया, संध्या (6) पुत्री राजा भइया हैं। सभी जिला अस्पताल से प्रयागराज भेजे गए हैं।

समारोह मुख्यमंत्री ने डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में की शिरकत

सुदृढ़ न्यायिक व्यवस्था से ही पूरे होंगे सुशासन के लक्ष्य : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सुदृढ़ न्यायिक व्यवस्था ही सुशासन की आधारशिला है। न्याय जितना सशक्त होगा, समाज में व्यवस्था और विश्वास उतना ही गहरा होगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था की सफलता के लिए न्याय का सुदृढ़ तंत्र आवश्यक है।

मुख्यमंत्री रविवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (आरएमएलएनएलयू) लखनऊ के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सत्य बोलना और धर्म का आचरण करना केवल विश्वविद्यालय का दीक्षा मंत्र नहीं, बल्कि जीवन का सर्वोच्च मार्गदर्शन है। धर्म हमारे लिए केवल आस्था नहीं, बल्कि जीवन पद्धति का हिस्सा है। योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार न्यायिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। ई-कोर्ट प्रणाली, साइबर लॉ और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इस अवसर पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली, प्रदेश मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, विवि के कुलपति प्रो. अमर पाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

मेधावी छात्रा को उपाधि प्रदान करते मुख्यमंत्री योगी, सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और कुलपति अमरपाल सिंह।

केस जीतने से जरूरी न्याय मिलना : न्यायमूर्ति सूर्यकांत

देश के भावी प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि मैं जब लोकल कोर्ट में प्रैक्टिस करता था तब एक प्रापर्टी विवाद का केस अति आत्मविश्वास में हार गया था। उस दिन से मैं एक नोटबुक अपने पास रखने लगा। उसमें सबकुछ नोट करता हूं, ताकि रिव्यू कर सकूं। स्टेट में एडवोकेट जनरल रहने के दौरान भी मैंने बहुत कुछ सीखा। सेल्फ एग्जामिनेशन की आदत डाली। उन्होंने यह भी बताया कि मैंने ऐसे वकीलों को देखा है जो एक्सीलेंट थे। लेकिन खुद को अपग्रेड न करने की वजह से आउटडेटेड हो गए। डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विवि के बतौर मुख्य अतिथि उन्होंने विधि विद्यार्थियों से यह भी कहा कि केस जीतने से ज्यादा महत्वपूर्ण न्याय मिलना है।

न्यूज ब्रीफ

स्टार्टअप्स को मिलेगी 50 करोड़ की फंडिंग

अमृत विचार, लखनऊ : भारत की पहली एआई ऑगमेंटेड मल्टीडिसिप्लिनरी चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने युवाओं में नवाचार और उद्यमशीलता को प्रोत्साहन देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 'कैंपस टैंक' की शुरुआत की। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने इस अनूठे कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की। छह मिलियन यूएस डॉलर (लगभग 50 करोड़ रुपये) की फंडिंग के साथ शुरू हुई यह पहल युवाओं को अपने स्टार्टअप आइडिया को हकीकत में बदलने का अवसर देगी। कैंपस टैंक के साथ ही चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने 'सीयू एआई स्पेस' की भी शुरुआत की। यह मंच छात्रों, स्टार्टअप्स और उद्योग विशेषज्ञों के लिए एआई आधारित रिसर्च, डेवलपमेंट और इनोवेशन का एक कोलैबोरेटिव वातावरण तैयार करेगा। इसमें अत्याधुनिक तकनीक और एआई उपकरणों की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

बिजली विभाग में पुरानी सामग्री का होगा ऑडिट

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश का बिजली विभाग व्यवसायिक दृष्टिकोण से भी तमाम रणनीतियों पर क्रियाशील है। दरअसल, विद्युत वितरण व्यवस्था को सुधारने के लिए इसी व्यवसायिक योजना के तहत चल रहे ढांचागत विकास कार्य में निकलने वाली पुरानी सामग्री को जमा न करने पर कार्रवाई का निर्णय लिया गया है। पावर कारपोरेशन अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल ने बीते दिनों चेतावनी देते हुए कहा है कि निष्प्रयोज्य पुरानी सामग्री को विभागीय भंडार गृहों में वापस जमा कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसी सामाग्रियों का आडिट भी कराया जाए और जहां सामग्री मानक के अनुरूप वापस नहीं हुई हों, वहां जिम्मेदारी तय कर एक्शन लेने के साथ वसूली भी की जाए। चूंकि, विद्युत वितरण व्यवस्था के सुधार कार्यों में सामग्री बदल कर नयी लगाई जाती है, इसी क्रम में पुरानी सामग्री का अनुचित लाभ कोई न करे, इसी पर रोक लगाने के लिए ताजा हिदायत दी गई है।

भारत पर्व में बिखरी यूपी की संस्कृति

अमृत विचार, लखनऊ : गुजरात के एकता नगर में 1 से 15 नवंबर तक चल रहे भारत पर्व 2025 में उप्र. पर्यटन एवं संस्कृति विभाग उप्र. की सांस्कृतिक और लोक परंपराओं को प्रस्तुत कर रहा है। उप्र. पर्यटन के स्टॉल पर संगीत और पारंपरिक व्यंजनों का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। यह जानकारी उप्र. पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। पर्यटन मंत्री ने रविवार को जारी बयान में बताया कि सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित भारत पर्व 2025 में उप्र. स्टॉल पर आगंतुकों के लिए राज्य के विभिन्न गंतव्यों की सचित्र जानकारी उपलब्ध होगी, जो राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक विविधता और सामूहिक गौरव का संदेश देगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आए श्रेष्ठ लोक कलाकार अपने-अपने क्षेत्र की विशिष्ट लोक शैली का प्रदर्शन करेंगे।

अखिलेश ने गठबंधन के लिए मांगा वोट

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बिहार में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित रैलियों में वादों की बौछार करते हुए कहा कि तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनेंगे तो आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे की तरह सड़क बनायेंगे। सपा प्रमुख ने रविवार को सराय रंजन, सीतामढ़ी, छपरा विधानसभा क्षेत्रों में तीन चुनावी जनसभाओं को सम्बोधित किया।

देव दीपावली पर लाखों दीपों से जगमग हुई काशी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : देव दीपावली के अवसर पर काशी प्रकाश, आस्था और संस्कृति के संगम से प्रकाशित हुई है। घाटों पर देव दीपावली समितियों और कुंडों व तालाबों पर स्थानीय समितियों द्वारा एक साथ लाखों दीप जलाए गए। पर्यटन विभाग और महोत्सव समिति, वाराणसी ने मिलकर 10 लाख से अधिक मिट्टी के दीप प्रज्जवलित किए। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी।

पर्यटन मंत्री ने रविवार को बताया कि गंगा के घाटों और उसके पार के तटों को सम्मिलित कर कुल 20 सेक्टर बनाए गए थे। मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस मौके पर 25 मिनट का भव्य काशी-कथा 3-डी प्रोजेक्शन मैपिंग एवं लेजर शो का आयोजन किया गया। इस प्रस्तुति में काशी के प्राचीन गौरव, गंगा की महिमा और भगवान विश्वनाथ की नगरी की आस्था को आधुनिक तकनीक के माध्यम से दर्शाया गया। संयुक्त निदेशक दिनेश कुमार ने बताया कि इस दौरान 8 मिनट का विशेष लेजर शो हुआ, साथ ही श्री काशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार के सामने ग्रीन आतिशबाजी का आयोजन भी किया गया।

मानसिक रोगी बढ़ रहे, मगर मेडिकल कॉलेजों में सीटें नहीं

पद्माकर पाण्डेय, लखनऊ

- कॉलेजों में एमडी साइकेट्री की एक भी सीट नहीं बढ़ी
- प्रदेश में मानसिक रोग विशेषज्ञों की भारी कमी

अमृत विचार : भागदौड़ भरी जिंदगी, काम का दबाव और प्रतिस्पर्धा के इस दौर में मानसिक रोग चुनौती बनते जा रहे हैं। मानसिक रोग की दवाओं पर निर्भर रहने वालों की बड़ी संख्या है जो स्वयं को स्वस्थ मानते हैं। दफ्तरों से लेकर व्यापारिक जगत तक, तनाव से ग्रस्त लोगों की तादाद लगातार बढ़ रही है। रोगियों के सापेक्ष प्रदेश मानसिक रोग विशेषज्ञ तैयार करने के लिए मेडिकल कॉलेजों में एमडी (साइकेट्री) की नई सीट नहीं बढ़ाई गई हैं।

वर्तमान में प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में मानसिक रोग विशेषज्ञों की स्थिति बेहद चिंताजनक है। प्रदेश के 75 जिलों में महज 60 से 62 मानसिक रोग विशेषज्ञ ही कार्यरत हैं, जिनमें से 34 मनोरोग विशेषज्ञ नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के तहत संविदा पर कार्य कर रहे हैं। राज्य मानसिक स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.अरविंद श्रीवास्तव का कहना है कि अगर मेडिकल कॉलेजों में एमडी साइकेट्री की सीटें बढ़ाई जातीं, तो नियमानुसार हर नये मेडिकल कॉलेज को अनिवार्य सेवा बांड के तहत दो-दो साल के लिए विशेषज्ञ डॉक्टर मिल सकते थे। इससे प्रदेश में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होता। दूसरी तरफ जानकारी के अनुसार, प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों ने नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी), नई दिल्ली से मानसिक रोग विषय में पीजी सीटों की मांग ही नहीं की होगी, जबकि अन्य विषयों में सीटों में इजाफा किया गया है।

किस मेडिकल कॉलेज में कितनी सीटें

प्रदेश के छह पुराने मेडिकल कॉलेजों में ही साइकेट्री में एमडी की सीमित सीटें हैं, तमाम नए मेडिकल कॉलेजों में विभाग ही स्वीकृत नहीं हैं। इनमें केजीएमयू, लखनऊ में सबसे ज्यादा 12 सीटें हैं, इनमें छह राज्य कोटे और छह ऑल इंडिया कोटे की शामिल हैं। आगरा के आईएमएमएच में आठ सीटें और एसएनएमसी में पांच सीट हैं, दोनों मेडिकल कॉलेजों की कुल 13 सीटों में सात ऑल इंडिया कोटे की हैं। गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज की तीन सीटों में दो राज्य कोटे की हैं, मेरठ मेडिकल कॉलेज की तीन सीटों में मात्र एक राज्य की है, एमएलएन प्रयागराज मेडिकल कॉलेज की दो सीटों में एक-एक राज्य और ऑल इंडिया कोटे की हैं। इसके अलावा केन्द्रीय विश्वविद्यालय बीएचयू वाराणसी में छह सीटें, एएमयू अलीगढ़ में दो सीटें हैं, इन आठ सीटों में चार सीटें उत्तर प्रदेश कोटे में आती हैं।

निजी क्षेत्र में 75 सीटें

इस तरह सरकारी मेडिकल कॉलेजों से हर साल मात्र 41 मानसिक रोग विशेषज्ञ ही तैयार होते हैं। जबकि प्रदेश के कुल 23 निजी और अल्पसंख्यक मेडिकल कॉलेजों में क्रमशः 66 और 9 सीटें अल्पसंख्यक कोटे की हैं, यानी कुल 75 सीटों पर हर साल एमबीबीएस चिकित्सकों को दाखिला मिल रहा है।

> मंडल स्तर के अस्पतालों में विशेषज्ञों की तैनाती है, इसके अलावा हर जिला अस्पताल में मन कक्ष हैं, जहां चिकित्सक के अलावा एनएचएम के माध्यम से क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट की तैनाती है। अस्पताल आने वाले हर मानसिक रोगी को इलाज उपलब्ध हो रहा है।
>
> -डॉ.रतन पाल सिंह 'सुमन', स्वास्थ्य महानिदेशक, उप्र.

भरथापुर के पीड़ितों को बसाने के लिए योगी ने दिए 21.55 करोड़

बहराइच में नाव हादसे के पीड़ितों से की मुलाकात, 4-4 लाख की राहत राशि सौंपी

हादसे के प्रभावितों को चेक सौंपते मुख्यमंत्री योगी।

पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री वितरित करते मुख्यमंत्री, साथ में अन्य।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री ने एक माह के भीतर पीड़ित परिवारों के विस्थापन का दिया निर्देश

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को बहराइच पहुंचकर हाल ही में नाव हादसे में अपनों को खो चुके परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना दी और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इस दुख की घड़ी में आपके साथ खड़ी है, किसी को भी बेघर या बेसहारा नहीं रहने दिया जाएगा।

योगी ने मौके पर पीड़ित परिवारों को चार-चार लाख रुपये की राहत राशि के चेक सौंपे। उन्होंने कहा कि हादसे से प्रभावित सभी परिवारों को शीघ्र राहत और पुनर्वास मिल सके, इसके लिए शासन स्तर पर विशेष व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भरथापुर के सभी विस्थापित परिवारों को अब सुरक्षित और बेहतर जीवन मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने घटना स्थल का हवाई सर्वेक्षण कर हालात का जायजा लिया और अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। इसके बाद जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक में उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि एक माह के भीतर भरथापुर के सभी पीड़ित परिवारों का विस्थापन पूरा किया जाए। इसके लिए 21 करोड़ 55 लाख रुपये की धनराशि तत्काल स्वीकृत कर दी गई है। योगी ने कहा कि भरथापुर के सभी परिवारों को उनके गांव के नाम से कॉलोनी बनाकर पुनर्वासित किया जाएगा। कॉलोनी में बिजली, पानी, सड़क, शौचालय, स्कूल और स्वास्थ्य केंद्र जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि किसी भी पीड़ित परिवार को असुरक्षित या असुविधाजनक स्थिति में नहीं रहने दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि भरथापुर के साथ-साथ बहराइच के उन अन्य गांवों की भी सूची तैयार की जाए जो जंगलों या नदी क्षेत्र के बीच बसे हैं। ऐसे सभी परिवारों को चरणबद्ध तरीके से सुरक्षित स्थानों पर विस्थापित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि यदि इसके लिए अतिरिक्त बजट की आवश्यकता हो, तो प्रस्ताव तत्काल शासन को भेजा जाए। योगी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल मुआवजा देना नहीं, बल्कि स्थायी पुनर्वास और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करना है। उन्होंने अफसरों को चेताया कि राहत और आवास प्रक्रिया में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि जंगलों में रह रहे अन्य परिवारों को भी चरणबद्ध तरीके से सुरक्षित स्थानों पर बसाया जाएगा, ताकि ऐसी दुर्घटनाएं दोबारा न हों।

हर महिला में जगे विश्वास कि न्याय व्यवस्था उसके साथ खड़ी है : नामित सीजेआई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति ने की एआई चैटबॉट 'न्याय मार्ग' की शुरुआत
- महिलाओं की न्यायिक सुरक्षा और प्रजनन स्वायत्तता पर की गई चर्चा

अमृत विचार : उप्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (यूपीएसएलएसए) द्वारा रविवार को न्यायिक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (जेटीआरआई), लखनऊ में कानूनी सहायता के माध्यम से प्रजनन स्वायत्तता में बाधाओं को दूर करना, विषय पर एक संवेदनशीलता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम भारत के सर्वोच्च न्यायालय एवं इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्तियों की मौजूदगी में हुआ।

कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में नामित सीजेआई न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि परिस्थितियां कैसी भी हों, प्रत्येक महिला यह आत्मविश्वास पाने की अधिकारी है कि न्याय व्यवस्था उसके साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने उप्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की उपलब्धियों की सराहना करते हुए एआई चैटबॉट "न्याय मार्ग" की शुरुआत पर बधाई दी और कहा कि यह प्रयास लाभार्थियों और उनके अधिकारों के बीच की दूरी को पाटेगा।

लखनऊ : कार्यक्रम की दीप जलाकर शुरुआत करते न्यायमूर्ति सूर्यकांत।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने समाज में महिलाओं की स्थिति का उल्लेख किया और संकल्प कार्यक्रम जैसे प्रयासों की सराहना की, जो प्रजनन स्वायत्तता से जुड़े मुद्दों पर संवेदनशीलता को बढ़ावा देते हैं। न्यायमूर्ति अरुण भंसाली, मुख्य न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा कि यह कार्यक्रम तथा न्याय मार्ग चैटबॉट न्याय तक पहुंच को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता व न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी ने डिजिटल माध्यमों द्वारा विधिक सहायता को अधिक सुलभ एवं प्रभावी बनाने पर बल दिया।

कभी नरम तो कभी गरम रहेगा मौसम का मिजाज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नवंबर में रातें गर्म रहने का अनुमान, हो सकती है औसत से अधिक वर्षा

अमृत विचार : बीते दिनों उत्तर प्रदेश जहां मोंथा चक्रवात से प्रभावित रहा, वहीं अब आने वाले दिनों में मौसम का मिजाज कभी नरम तो कभी गरम रहेगा। मौसम विभाग का अनुमान है कि नवंबर में रातें गर्म रहेंगी और ऐसा सामान्य से औसत मासिक न्यूनतम तापमान अधिक रहने के कारण होगा। इस बीच प्रशांत महासागर में उत्पन्न कमजोर ला-निना की परिस्थितियां नवंबर व दिसंबर में भी जारी रहेंगी। इन परिस्थितियों के संयुक्त प्रभाव से नवंबर में औसत से अधिक वर्षा भी संभव है।

दरअसल, मोंथा चक्रवात का प्रभाव पूर्वी उप्र. के साथ लखनऊ और आसपास के जिलों में खूब दिखाई दिया था। राज्य में अब मौसम बदल रहा है, ऐसे में नवंबर में रातें गर्म रहने का अनुमान है। सामान्य से औसत मासिक न्यूनतम तापमान अधिक रहने के कारण से ऐसा होगा। वहीं, प्रशांत महासागर में उत्पन्न कमजोर ला-निना की परिस्थितियों से नवंबर व दिसंबर में भी जारी रहने और उसके नकारात्मक हिंद महासागरीय द्विध्रुव परिस्थितियों के संयुक्त प्रभाव से नवंबर में औसत से अधिक बारिश संभव है।

कतार लगाने के बजाय इकाइयों से खाद लें किसान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कृषि मंत्री बोले- प्रदेश में है पर्याप्त खाद, किसानों को उनकी जोत के अनुपात में उपलब्ध

अमृत विचार: राज्य सरकार ने किसानों को कतार लगाने के बजाय अपनी सुविधानुसार इकाइयों से खाद लेने का सुझाव दिया है। स्पष्ट किया कि बीते साल की उपलब्धता 24.32 लाख मीट्रिक टन के सापेक्ष इस 1.59 लाख मीट्रिक टन अधिक खाद इस अवधि में उपलब्ध है।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने रविवार को विभागीय अधिकारियों के साथ खाद की ताजा उपलब्धता की समीक्षा की और अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से किसानों को आश्वस्त किया कि राज्य में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है जिसे किसानों को उनकी जोत के अनुपात में उपलब्ध कराया जा रहा है।

कृषि मंत्री ने कहा कि एमएफएमएस पोर्टल के अनुसार 2 नवंबर तक कुल 35.68 लाख मीट्रिक टन उर्वरक प्राप्त हो चुका है, जिनमें से 9.77 लाख मीट्रिक टन की बिक्री की जा चुकी है। इस प्रकार राज्य में 25.91 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का स्टॉक किसानों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए उपलब्ध है। कृषि मंत्री ने कहा कि रबी सीजन के लिए उर्वरकों की उपलब्धता और वितरण पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है।

भाजपा को जिताने की कोशिश कर रहीं मायावती : उदितराज

अमृत विचार, लखनऊ : दलित, ओबीसी, अल्पसंख्यक और आदिवासी संगठनों का परिसंघ (डोमा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. उदित राज का आरोप है कि बसपा सुप्रीमो मायावती बिहार में भाजपा को जिताने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने तर्क दिया कि इसीलिए कांशीराम की पुण्यतिथि पर बसपा सुप्रीमो ने बिहार में भाजपा को जिताने के लिए लखनऊ में रैली की। रविवार को राजधानी के राज्य अतिथि गृह में उदितराज ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि एक ओर मायावती मुसलमानों को जोड़ने की बात करती हैं, लेकिन भाजपा के साथ सहानुभूति रखने के कारण ही वह वर्षों से जेल में बंद उमर खालिद, शरजील इमाम, मीरान हैदर और गुलफिशा फातिमा की जमानत पर प्रतिक्रिया नहीं देतीं।

माइक्रोप्लानिंग से तय होगी जीत : धर्मपाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- भाजपा ने शिक्षक-स्नातक एमएलसी चुनाव को लेकर बनाई रणनीति
- समीक्षा बैठक में मतदाता पुनरीक्षण पर खास जोर

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी ने आगामी शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के एमएलसी चुनाव को लेकर अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। रविवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में हुई बैठक में प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने इसे प्रबंधन का चुनाव बताते हुए कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर माइक्रो प्लानिंग का मंत्र दिया।

धर्मपाल सिंह ने कहा कि बूथ स्तर पर सटीक रणनीति और सक्रिय कार्यकर्ता ही जीत का आधार हैं। हर कार्यकर्ता को मतदाता बनाने, उनसे संपर्क और अधिकतम मतदान सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी मिलेगी। धर्मपाल सिंह ने कहा कि यह चुनाव केवल संख्या नहीं, बल्कि समन्वय और रणनीति की परीक्षा है। धर्मपाल सिंह ने कहा कि पार्टी को समन्वय बनाकर काम करना होगा। प्रत्येक कार्यकर्ता को उसकी योग्यता के अनुसार जिम्मेदारी सौंपी जाए, ताकि हर स्तर पर प्रभावी परिणाम मिल सकें। उन्होंने कहा कि शिक्षक एमएलसी चुनाव के लिए विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और विद्यालयों तक पहुंचकर मतदाता बनाने का काम किया जाए, वहीं स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में घर-घर संपर्क अभियान चलाकर मतदाता पंजीकरण बढ़ाया जाए।

लखनऊ में बैठक के दौरान उपस्थित प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह व अन्य।

उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे लक्ष्य तय कर टीम वर्क के जरिए काम करने से सफलता आसान होती है। कॉलेजों की सूची तैयार कर क्षेत्रवार समीक्षा और संवाद के फार्मूले पर काम करना जरूरी है। धर्मपाल ने कहा कि वर्तमान में पार्टी के आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान, सरदार पटेल 150वीं जयंती समारोह अभियान, वंदे भारत अभियान और बिरसा मुंडा जनजातीय गौरव अभियान के साथ-साथ मतदाता पुनरीक्षण अभियान चल रहे हैं। सभी अभियानों में सक्रिय सहभागिता के साथ एमएलसी चुनाव के लिए अधिक से अधिक मतदाता बनाना ही प्राथमिक लक्ष्य होना चाहिए।

बैठक में एमएलसी चुनाव के प्रदेश संयोजक एवं प्रदेश महामंत्री अमर पाल मौर्य ने अब तक हुए कार्यों का बिंदुवार ब्यौरा प्रस्तुत किया।

कर चोरी

राज्यकर विभाग के अधिकारियों की सुस्ती और मिलीभगत से फैल रहा फर्जी कंपनियों का जाल

तकनीक को हथियार बनाकर हो रही जीएसटी की जालसाजी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में 'एक टैक्स-एक राष्ट्र' की संकल्पना अब 'एक घोटाला-अनेक रूप' में बदलता दिख रहा है। मुरादाबाद, भदोही और महराजगंज सिर्फ बानगी है, जीएसटी लागू होने के आठ साल बाद भी कर चोरी का नेटवर्क पूरे प्रदेश में नई तकनीक और मिलीभगत से ज्यादा संगठित नजर आ रहा है।

प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर, लखनऊ, मेरठ, मुरादाबाद, भदोही और महराजगंज जैसे जिलों में लगातार ऐसे मामले उजागर हो रहे हैं, जो बताते हैं कि फर्जी कंपनियों और बोगस इनवॉइसिंग के जरिए सरकारी खजाने को करोड़ों का चूना लगाया जा रहा है, जबकि विभागीय स्तर पर कार्रवाई कागजी फाइलों में ही दम तोड़ देती है। नोएडा-ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में तीन वर्षों के दौरान जीएसटी फ्रॉड के मामले दोगुने हो गए हैं। वर्ष 2022-23 में अकेले 134 मामले सामने आए थे।

राज्य कर विभाग के सूत्रों के मुताबिक, पिछले कुछ महीनों में विभिन्न जिलों-शहरों में ऐसे मामलों का पूल बनता जा रहा है। उदाहरण के तौर पर, लखनऊ में दो कंपनियों के खिलाफ लगभग 7.35 करोड़ रुपये की कर चोरी की प्राथमिकी दर्ज की गई है। इन कंपनियों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराकर खुद को सक्रिय दिखाया, लेकिन चुनौतियों में पाया गया कि उनका वास्तविक व्यापार पता मौजूद नहीं था और फर्जी बिल जारी करके कर चोरी हुई थी।

केस - 1

मुरादाबाद क्षेत्र में हाल ही में एक थोक गद्दा विक्रेता के गोदामों पर छापे में पाया गया कि कई गोदामों में पुराने इनवॉइस व किए गए कारोबार का रिकार्ड नहीं था। विभागीय टीमें आठ स्थानों पर एक साथ कार्रवाई में जुटीं, तो भ्रष्टाचार का बड़ा नेटवर्क सामने आया।

केस - 2

भदोही जिले में एक ट्रेडिंग फर्म पर आरोप है कि उसने लगभग 55.49 रुपये करोड़ का घोटाला किया और अवैध इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के माध्यम से 7.29 करोड़ रुपये की राशि का लाभ उठाया गया।

केस - 3

महराजगंज में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया, जिसमें एक दिव्यांग व्यक्ति के नाम पर फर्जी फर्म बनाई गई और उसे 86 लाख रुपये का जीएसटी नोटिस मिला। इस घोटाले ने न सिर्फ कर प्रणाली की साख को चुनौती दी है, बल्कि डिजिटल पहचान व दस्तावेजों की विश्वसनीयता पर भी प्रश्न खड़े किए हैं।

फर्जी डेटा एंट्री के आगे फेल डिजिटल सिस्टम

- राज्य कर विभाग जीएसटी-टू ए, ई-वे बिल और डेटा एनालिटिक्स पर गर्व करता है, लेकिन यही डिजिटल सिस्टम फर्जी डेटा एंट्री के आगे पंगु साबित हो रहे हैं। कई व्यापारियों ने नाम बदलकर एक ही पते पर दर्जनों फर्में बना ली हैं। ईमेल और मोबाइल वेरिफिकेशन से आगे कोई भौतिक जांच नहीं होना, इसे और खतरनाक लूट में तब्दील करता जा रहा है। कई जिलों में स्थानीय कर अधिकारी, दलालों और सॉफ्टवेयर ऑपरेटरों का नेटवर्क सक्रिय है। विभाग ने कुछ फर्मों के पंजीकरण रद्द किए और विभागीय अधिकारीयों को निलंबित व जांच के घेरे में लाया गया है। मगर यह सवाल बना हुआ है कि व्यापक स्तर पर क्यों नियमों का उल्लंघन हो रहा है और निगरानी प्रणाली क्यों असमर्थ दिख रही

फर्जी इनवॉइस तैयार करने के लिए रेट तय

- फर्जी इनवॉइस तैयार करने के लिए 5 हजार से 10 हजार प्रति बिल तक का 'कट' तय होता है। कुछ मामलों में ऑडिट में मदद के नाम पर अनौपचारिक रेट तय कर दिए जाते हैं। प्रश्न यह है कि जब तकनीक और सिस्टम मौजूद हैं तो जिम्मेदारी तय क्यों नहीं होती? यह सिर्फ भ्रष्टाचार का मामला नहीं, बल्कि राजस्व और विश्वसनीयता दोनों की चोरी है। अगर तत्काल कदम नहीं उठाए गए तो डिफेंस कॉरिडोर, इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट और विकसित यूपी 2047 जैसे लक्ष्य साधना आसान नहीं होगा।

बागवानी में 390 घंटे का निःशुल्क प्रशिक्षण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रशिक्षण के लिए राज्य के विभिन्न मंडलों में केंद्र नामित

अमृत विचार : राज्य सरकार बागवानी क्षेत्र में रोजगार सृजन और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक योजना शुरू कर रही है। इसके लिए उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 में निःशुल्क माली प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि आवास, भोजन, प्रशिक्षण सामग्री एवं यात्रा व्यय भी सरकार वहन करेगी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण 390 घंटे (लगभग 50 दिन) का दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण के लिए राज्य के विभिन्न मंडलों में केंद्र नामित कर दिए गए हैं। नामित केन्द्रों में लखनऊ में मलिहाबाद केंद्र अंतर्गत अयोध्या, बरेली, देवीपाटन मंडल और आलमबाग केंद्र अंतर्गत लखनऊ, झांसी, वाराणसी मंडल, बस्ती केंद्र अंतर्गत बस्ती, गोरखपुर, आजमगढ़ मंडल, प्रयागराज केंद्र में प्रयागराज, मीरजापुर, चित्रकूट मंडल, सहारनपुर केंद्र अंतर्गत सहारनपुर, मुरादाबाद, मेरठ मंडल और कन्नौज केंद्र अंतर्गत कानपुर, आगरा, अलीगढ़ मंडल नामित किए गए हैं, इनमें किसी भी जिले का नागरिक अपने निकटतम प्रशिक्षण केंद्र पर पंजीकरण कर सकता है।

न्यूज ब्रीफ

पुलिस में दर्ज कराई हादसे में भाई के घायल होने की रिपोर्ट

रसूलाबाद। बिरहुन निवासी एक व्यक्ति ने गत 30 अक्टूबर को बाइक से माती जा रहे उसके दो चचेरे भाईयों के एक पिकअप द्वारा टक्कर मार दिए जाने पर उनके घायल हो जाने की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है। अखिलेश कुमार ने पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसका चचेरा भाई नरेश कुमार अपने भाई शिवसागर के साथ गत 30 अक्टूबर को बाइक से माती किसी कार्यवश जा रहा था। सुबह 7 :30 बजे बिरहुन असालतगंज मार्ग पर बालाजी आश्रम के पास एक पिकअप चालक ने उसके भाई की मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी जिससे दोनों ही भाई घायल हो गए। थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

करंट से युवती झुलसी

रसूलाबाद। थाना क्षेत्र के जोत ग्राम में विद्युत उपकरण का प्लग लगाते समय फूल सिंह की पुत्री सुमन 22 करंट की चपेट में आकर झुलस गई। घर के लोग उसे सीएचसी रसूलाबाद ले गए जहां डॉक्टर प्रणय वीर सिंह ने उसका उपचार किया है।

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत

मंगलपुर। मंगलपुर थाना क्षेत्र के खानपुर चैन गांव के पास ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। शव रेलवे लाइन पर पड़ा देखकर ग्रामीणों ने घटना की सूचना थाना पुलिस को दी। सूचना के बाद घटना स्थल पर पहुंचे उप निरीक्षक ब्रज मोहन सिंह ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त शुरू की। थाना मंगलपुर क्षेत्र के अकारू गांव निवासी कमलेश कुमार ने मृतक की शिनाख्त अपने 21 वर्षीय पुत्र विनय के रूप में की। फिलहाल घटना के कारणों को पता नहीं चल सका है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेजा है।

युवती को भगा ले जाने की रिपोर्ट दर्ज

रसूलाबाद। 7 दिसंबर 2022 को एक गांव निवासी एक लड़की को बहला फुसलाकर भगा ले जाने की रिपोर्ट उसके पिता ने रिपोर्ट दर्ज करायी है। एक गांव निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को रविवार को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि गत 7 दिसंबर 2022 को दिन में लगभग 2 बजे उसकी पुत्री को हवेलिया थाना अजीतमल जनपद औरैया निवासी ऋषि कपूर बहला फूसला कर भगा ले गया। जिसमें उसके भाई यशपाल और विजय सिंह का सहयोग रहा। थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की।

बैंक मैनेजर को दी विदाई

रसूलाबाद। नौहा नौगांव स्थित उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा प्रबंधक जोगेंद्र सिंह राजावत को मैनपुरी स्थानांतरण पर क्षेत्र वासियों ने भावभीनी विदाई दी। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय लोगों ने उन्हें सहयोग दिया है। विदाई समारोह में सभी कार्मिकों ग्राहकों द्वारा अपने-अपने विचार व्यक्त किए गए। कार्यक्रम के दौरान शाखा तिस्ती से अर्पण मिश्र, अनूप साहू ,अरविंद आर्य, धर्मेन्द्र कश्यप, शाखा शाहजहांपुर से किशन यादव , ब्लॉक से नीरज सोनकर, शिवाकांत द्विवेदी, शाखा स्टाफ पाल बाबू गिरी, कृष्णपाल, अवधेश जी, तेजराम ,गोविंद, प्रदीप, नितिन ,बालकराम ,राजेश आदि लोग मौजूद रहे ।

सूने घर में चोरों का धावा, लाखों का माल किया पार

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः शनिवार रात उसरी ग्राम में एक सूने घर में चोरों ने गेट का ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया और वहां रखे सोने चांदी के लाखों के जेवरात व 50 हजार रुपए पार कर ले गए। चोरों को जेवरातों के रखे होने की सटीक जानकारी थी। उन्होंने कमरे की टेरिस. पर रखे केवल जेवरात वाले डिब्बे को ही उठाया। शेष घर में रखी साड़ियां बर्तन भाड़े आदि को छुआ तक नहीं। इसकी सूचना पड़ोसी ने फोन करके गृह स्वामी को उसकी ससुराल बिधूना में दी। तब वह मौके पर आया और यूपी 112 डायलकर पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना पाकर थाना प्रभारी स्वयं पुलिस बल सहित मौके पर आए और मौके की छानबीन की है।

उसरी निवासी गोविंद चक्रवर्ती ने बताया कि उनकी पुत्री पलक अपनी ननिहाल बिधूना में मामा आशू के यहां रहकर पढ़ती है। उसका गत 31 अक्टूबर को बर्थडे था। इसमें वह अपनी पत्नी खुशबू व पुत्री नित्या सहित सम्मिलित होने के लिए गए थे। रविवार सुबह करीब पांच बजे उनके पड़ोसी श्याम पाल ने उन्हें फोन पर उनके गेट का ताला टूटा पड़ा होने की उन्हें जानकारी दी। इस पर वे तत्काल अपनी पत्नी बच्चों व साले आंसू के साथ मौके पर आए और यूपी 112 डायलकर पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना पाकर यूपी 112 डायल पुलिस व थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह पुलिस बल सहित मौके पर आए।

गोविंद चक्रवर्ती ने बताया कि उनके घर में उनके कमरे की दुछत्ती पर 6-7 डिब्बों के पीछे जेवरात वाला डिब्बा रखा था। इसमें सोने के लगभग तीन तोला के जेवरात झाले, टॉप्स, मंगलसूत्र एवं चांदी की दो पायलें 200 ग्राम की करधनी व तोड़िया 200 ग्राम एवं 50 हजार रुपए नगद रखे हुए थे। चोरों ने उसके जेवरात के डब्बे को ही उठाया और नगदी व जेवरात लेकर मौके से चले गए। घर में रखी महंगी साड़ियां बर्तन भाड़े आदि नहीं छुए। पुलिस ने उनके किसी निकट के व्यक्ति का इसमें हाथ होने की आशंका व्यक्त की है और उनसे संभावित व्यक्ति के नाम की जानकारी देने की बात कही है। थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया की चोरी में किसी घरेलू या पड़ोस के व्यक्ति का ही हाथ है। उसे घर में रखे सामान की पूरी-पूरी जानकारी थी। जांच की जा रही है।

शाहपुर गांव में भी चार घरों में चोरी की कोशिश

■ **रसूलाबाद :** गत रात्रि शाहपुर ग्राम में चोरों ने चार घरों को अपना निशाना बनाया किंतु वह केवल एक ही घर में चोरी करने में कामयाब रहे और उस घर से उन्होंने पिछवाड़े के रास्ते घुसकर सोने चांदी के जेवरात, साड़ियां व नगदी पार की। गृह स्वामी ने इसकी सूचना यूपी 112 डायल कर पुलिस को दी। सूचना पाकर यूपी 112 डायल पुलिस सहित अपराध निरीक्षक मौके पर गए और घटना की छानबीन की। शाहपुर निवासी चंद्रभान सिंह गौर के पुत्र सोनू सिंह गौर ने बताया कि शुक्रवार की रात चोर उनके घर के पिछवाड़े की बाउंड्री फांद कर घर के अंदर घुसे और घर में अलमारी व बक्सों के ताले तोड़कर सोने की चौन ,अंगूठी, बाला ,दो मंगलसूत्र, पायल, बिछिया आदि जेवरात, कीमती साड़ियां और 65 हजार रुपए नगद पार कर ले गए। घर वाले सोते ही रहे। सुबह 4 बजे उनकी पत्नी सुधा सिंह जब उठी तो उन्होंने खुली अलमारी व खुले बक्से देखें तब चोरी का पता लगा। इस पर पुलिस को इसकी सूचना दी गई। इस संबंध में मौके पर गए अपराध निरीक्षक वीरेन्द्र बहादुर सिंह ने बताया कि मौके की जांच की गई है।

गिरफ्तारी तो दूर, लुटेरे का सुराग भी नहीं लगा सकी रनियां पुलिस

संवाददाता, रनियां

अमृत विचारः रनियां थाना क्षेत्र के मंटोरा ओवरब्रिज के समीप अज्ञात लुटेरे ने दुकान पर बैठी एक महिला के गले से सोने की चेन झपट्टा मारकर पार कर दी थी। घटना में अगले दिन पीड़िता के पति की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया था। आठ दिन गुजर गए लेकिन लुटेरा अभी भी पुलिस की पकड़ से दूर है।

चिराना गांव निवासी संतोष मिश्रा के मंटोरा ओवरब्रिज के समीप सर्विस रोड पर स्थित घर के बाहर उनकी परचून की दुकान पर बैठी उसकी पत्नी आस्था उर्फ रुचि मिश्रा के गले में पहनी सोने की चेन झपट्टा मारकर एक युवक ने लूट ली थी। घटना के बाद अज्ञात के खिलाफ दर्ज मुकदमे में अगले दिन सीओ सदर संजय वर्मा इंस्पेक्टर शिवनारायण सिंह पीड़िता के घर भी गए थे। एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने घटना की गंभीरता के मद्देनजर पुलिस की तीन टीमें जिसमें क्राइम ब्रांच, सर्विलांस तथा रनियां थाने की पुलिस शामिल है को जल्द घटना के अनावरण में लगाया गया था।

इंस्पेक्टर ने बताया कि घटनास्थल के आस-पास के सीसीटीवी कैमरे की फुटेज के आधार पर लुटेरे की शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है, स्थानीय लोगों का हाथ लग रहा है, एक युवक को हिरासत में लिया गया है।

सड़क पर खेलते मासूम बच्चे को पिकअप ने रौंदा, थम गईं सांसें

डेरापुर थाना क्षेत्र के मुर्रा महोई गांव में हुई दुर्घटना, हंगामे के बाद ग्रामीणों ने जाम की सड़क

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः डेरापुर थाना क्षेत्र में मुर्रा महोई गांव के पास हादसा हुआ। यहां सड़क पर खेल रहा छह साल का बच्चा सड़क से गुजरी मिल्क पिक अप वैन की चपेट में आ गया। वह बुरी तरह घायल हुआ। मौके पर पहुंचे परिजनों और ग्रामीणों ने तुरंत उसे सीएचसी पहुंचाया। हालत नाजुक देखी तो डाक्टर ने मेडिकल कॉलेज के लिए रिफर कर दिया। रास्ते में बच्चे की मौत हो गई। इसकी सूचना मिलते ही मौके पर मौजूद लोगों में रोष दौड़ गया। सड़क पर जाम लगा दिया। इससे वाहनों का आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी पहुंचे। उनके समझाने-बुझाने पर शाम करीब साढ़े पांच बजे जाम खुल सका।

महोई गांव के रहने वाल पंकज संखवार का छह साल का बेटा सारतिक सुबह सड़क पर खेल रहा था। इसी दौरान एक मिल्क डेयरी का दूध लेकर पिकअप वैन सड़क से गुजरी। पिकअप चालक सड़क पर खेलते बच्चे को नहीं देख सका। बच्चा वाहन की चपेट में आ गया। सिर और सीने में काफी चोटें आई।

सारतिक का फाइल फोटो।

हादसे के बाद सड़क पर बैठी महिलाओं को समझाती पुलिस। अमृत विचार

वह बुरी तरह घायल हुआ। हादसे की जानकारी पर मौके पर सैकड़ों लोगों का मजमा लग गया। लोगों ने पिकअप को घेर लिया। चालक ने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई। सारतिक के परिजन और पड़ोस के लिए उसे लेकर तुरंत सामुदायिक अस्पताल को भागे। वहां डाक्टरों ने परीक्षण किया। हालत नाजुक देख उसे मेडिकल कॉलेज ले जाने की सलाह दी।

परिजन बच्चे को लेकर मेडिकल कॉलेज को निकले मगर रास्ते में ही करीब दो बजे सारतिक ने दम तोड़ दिया। बच्चे की मौत हो जाने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। महिलाओं का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। इधर, मौके पर जमा लोगों को सारतिक के नहीं रहने की जानकारी मिली तो लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। पिकअप वैन तथा अन्य अवरोध सड़क के बीच खड़ा कर रास्ता रोक दिया। इससे डेरापुर-मंगलपुर मार्ग का यातायात पूरी तरह अवरूद्ध हो गया। जाम की सूचना पाकर स्थानीय पुलिस के अलावा कई थानों का फोर्स मौके पर पहुंचा और जाम लगाए लोगों को हटाने की कोशिश की मगर लोग नहीं माने। लोग उच्चाधिकारियों को घटना स्थल पर बुलाने की मांग कर रहे थे। शाम को एसडीएम सुरभि शर्मा और सीओ राजीव सिरोही पहुंचे। उन्होंने लोगों को उचित कार्रवाई किए जाने का भरोसा दिया तो करीब साढ़े पांच बजे जाम खुला। सारतिक के पिता भूमिहीन हैं ।

ग्रामीणों की जिद पर चढ़ा सीओ का पारा

■ **कानपुर देहात।** जाम न हटने देने पर आमादा लोगों को अफसरों ने देर तक समझाया। लोग नहीं माने तो सीओ राजीव सिरोही का पारा गरम हो गया। हादसे के दोषी को मौके पर बुलाए जाने की जिद पर सीओ को कहना पड़ा कि वह नहीं आएगा। उसे बुलाने का कोई कानून नहीं है। कानून मुकदमा लिखाने का है और आरोपी को बंद करने का है, वह हम करेंगे।

घटना के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीण। अमृत विचार

पत्नी की मौत हुई तो पति ने निगला जहर, हालत गंभीर

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः छत से गिरने पर रीढ़ की हड्डी टूट जाने और फिर उठने बैठने को मोहताज महिला की संदेहजनक परिस्थितियों में मौत हो गई। पत्नी के निधन का समाचार सुनते ही पती ने भी जहरीला पदार्थ निगल लिया। अब उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

मंगलपुर थाना क्षेत्र के खानपुर गांव निवासी महेंद्र कुमार की पत्नी पिंकी देवी की रविवार सुबह अचानक तबीयत बिगड़ी। कोई कुछ समझ पाता है इसके पूर्व ही उसकी मौत हो गई। बताया गया कि भैया दूज के दिन पिंकी छत से नीचे गिर पड़ी थी। इसके चलते उसकी रीढ़ की हड्डी टूट गई थी। हालत खराब होने के चलते परिजन उसे लेकर कानपुर गए थे लेकिन धन की समस्या होने के चलते महानगर में उसका उपचार ज्यादा समय तक नहीं हो सका। नतीजन, परिजनों से वापस गांव लेकर आ गए थे। बताया गया कि हड्डी टूट जाने के कारण पिंकी उठने बैठने में समर्थ नहीं थी। इसके चलते वह मानसिक रूप से परेशान रहती थी।

रविवार की सुबह संदेह जनक परिस्थितियों में उसकी मौत हो गई। सूचना जैसे ही पति महेंद्र को हुई उसने भी तत्काल जहरीला पदार्थ निगल लिया। आनन-फानन में परिजन उसे लेकर हवासपुर स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे जहां प्राथमिक उपचार के उपरांत हॉट अत्यधिक खराब होने के चलते ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक द्वारा उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी लगने से मंगलपुर थाने के वरिष्ठ उप निरीक्षक कमलेश यादव ने महिला के शव को पीएम के लिए भेजा है।

कार पर पलटा ट्रक एक युवक की गई जान

कानपुर देहात : रविवार को दोपहर बाद कानपुर-झांसी हाईवे पर तेज रफ्तार ट्रक बेकाबू हो गया। कुछ देर सड़क पर लहराने के बाद वह पास से गुजरी कार पर पलट गया। इससे कार सवार युवक की मौत हो गई। हादसे के कारण काफी देर तक हाईवे का यातायात प्रभावित हुआ। मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेन मंगाकर क्षतिग्रस्त कार को सड़क के किनारे कराया। तब ट्रैकिफ सामान्य हो सका।

हादसा भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के गौराडाड़ा गांव के सामने हुआ। बताया गया कि कानपुर निवासी तीन लोग कार पर सवार होकर एक फैक्ट्री को जा रहे थे। इस बीच पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने कार को ओवर टेक करना चाहा। इसी दौरान ट्रक के आगे चल रहे ऑटो ने अचानक ऑटो मोड़ दी। इससे ट्रक चालक स्टियरिंग पर काबू नहीं रख सका और कार पर पलट गया। इससे कार पिछला हिस्सा पूरी तरह दब गया। पीछे की सीट पर बैठे शान मोहम्मद 20 वर्ष की दबकर मौत हो गई। हादसे में कार चालक अरमान तथा शान मोहम्मद का भाई पप्पू बुरी तरह घायल हो गया। पुलिस ने कार की खिड़की हटाकर सभी को बाहर निकालकर जिला अस्पताल पहुंचा। हादसे के बाद क्षतिग्रस्त कार सड़क के बीच में होने के कारण हाईवे पर जाम लग गया। क्रेन से कार हटवा कर जाम खुलवाया गया।

भगवान विष्णु को जगाने के लिए विधि-विधान के साथ हुई पूजा

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः रविवार को देवोत्थानी एकादशी पर घर घर मंत्र बोलकर भगवान विष्णु को उठाने के लिए विनती की गई। इस पर्व पर तुलसी का पूजन अर्चन कर उनका शालिग्राम से विवाह उत्सव भी मनाया गया ।

देवोत्थानी एकादशी को देव उठनी एकादशी , हरि प्रबोधिनी एकादशी और तुलसी विवाह का नाम से भी जाना जाता है। इस एकादशी का हिंदू धर्म में विशेष महात्व है। मान्यता के अनुसार सभी शुभ कर्मों की शुरुआत देवउठनी एकादशी से की जाती है। इस दिन भगवान विष्णु 4 महीने के शयन काल के बाद जागते हैं। इस बार रविवार को यह पर्व रविवार को भी धूमधाम के साथ मनाया गया। लोगों ने अपने घर भगवान के चरण चिन्ह व विविध प्रकार की चौक तैयार की । तुलसी का श्रृंगार किया गया। देवउठनी एकादशी पर महिलाओं व पुरुषों ने व्रत रखा तथा देवी देवताओं व तुलसी पौधे की पूजा की। आज ही तुलसी विवाह भी आयोजित किया गया ।

चार सौ की पायल, दो सौ के झुमके!

सोने और चांदी के दाम आसमान पर है। मनचाहे जेवर खरीदना निम्न और मध्यम वर्ग के वश की बात नहीं रही। ऐसे में आर्टीफिशियल आर्नामेंट लोगों, खासकर महिलाओं का शौक पूरे कर रहे। देशी भाषा में मुलम्मा कहे जाने वाले जेवरात की काफी मांग है। दुकानदारों के यहां इन आभूषणों के खरीदारों की खासी भीड़ जुट रही। सर्राफे की दुकानों पर तीन से पांच हजार रुपये में मिलने वाली चांदी की पायल फुटपाथ पर लगने वाली दुकानों में महज तीन से चार सौ रुपये में आसानी से खरीदी जा सकती है। कारीगरी और चमक ऐसी कि असली-नकली की पहचान मुश्किल है। यही हाल मुलम्मा से बने झुमकों, बालियों, मंगलसूत्र का भी है। किसी भी आभूषण की कीमत पांच सौ रुपये से अधिक नहीं है। दुकानदार आनंद कुमार, संतोष सिंह, विशाल गुप्ता ने बताया कि कृत्रिम आभूषण महिलाओं के सामान्य बजट में आकर शान बढ़ रहे हैं। अमृत विचार

समारोह में उपस्थित लोग। अमृत विचार

देश को एक करने में लौह पुरुष का अहम योगदान

संवाददाता, सिकंदरा

अमृत विचारः सिकंदरा कस्बे के एक गेस्ट हाउस में रविवार को सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम मे मुख्यअतिथि के रूप मे लखीमपुर के सासंद पटेल उत्कर्ष व इटावा लोक सभा के सासंद जितेन्द्र दोहरे का कार्यकर्ताओ ने फूल माला पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सुलेमान ने सभी अतिथियो कि अभिवादन किया। सासंद पटेल उत्कर्ष ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सरदार पटेल ने आजादी के बाद देश को एक करने में बेहद महत्वपूर्ण योगदान दिया था। सरदार पटेल को ही भारत के भोगौलिक और राजनीतिक एकीकरण का श्रेय दिया जाता है।

देश के एकजुट करने में बेहद अहम योगदान के चलते सरदार पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के तौर पर मनाया जाता है। अन्य वक्ताओं में पूर्व विधायक मिथिलेश कटियार, पूर्व सासंद प्रेमदास कठेरिया, पूर्व विधायक शशांक यादव ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालक पवन कटियार ने किया। इस मौके पर डा शिवनाथ कटियार, विश्राम स्वरूप कटियार, पूर्व चेयरमैन सुरेश बाबू कटियार, मुन्ना खां, मनोज कटियार, अजय कटियार, मनोज यादव, रामू कटियार आदि रहे।

कुश्ती

हर साल होता है दंगल का आयोजन, कई प्रदेशों से आते पहलवान

बनीपारा के दंगल में पहलवानों ने दिखाए दांवपेच

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः रूरा थाना क्षेत्र बनीपारा महाराज में हर वर्ष की तरह इस साल भी दंगल का आयोजन किया गया। इसमें कई अच्छी कुश्तियां देखने को मिलीं। दंगल दो दिवसीय है।

रविवार को राजस्थान, एटा, मधुरा अयोध्या, आगरा, इटावा, मैनपुरी, कन्नौज, कानपुर नगर, झांसी, अलीगढ़ पंजाब व दूर -दूर से पहलवान आए। भाजपा नेता बब्बन शर्मा ने फीता काटकर दंगल का शुभारंभ किया। उन्होंने पहलवानों और आयोजकों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि कुश्ती कला को संजोकर रखने की आवश्यकता है, इससे शारीरिक व मानसिक दोनों विकास होते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की कलाओं से कम पढ़े लिखे लोग भी देश व विदेशों में अपना परचम लहरा सकते हैं।

एक दूसरे पर जोर आजमाइश करते पहलवान। अमृत विचार

दोपहर बाद प्रारंभ हुए दंगल में 11 हजार रुपए की श्याम सुंदर बनारस और सचिन मधुरा के बीच हुई। यह मुकाबला बराबरी पर छूटा। इसी तरह, बजरंगी पांडेय व गोरखपुर के सागर के बीच कुश्ती हुई। इसमें अयोध्यागढ़ी के पहलवान ने जीत हासिल की। पिटबुल पहलवान ने मंशा पहलवान तीर्थपुर पंजाब को चितकर जीत हासिल की। शिवा पहलवान एटा,धर्मवीर पहलवान मधुरा के बीच जमकर मुकाबला हुआ। हालांकि यह बराबरी पर छूटा। लक्ष्मण दास बाबा जी हनुमान गढ़ी अयोध्या ने दो कुश्ती लड़कर एक में जीत हासिल की। बादल पहलवान, चवन्नी पहलवान, किंग कोबरा, रवि, पिटबुल पहलवान अमला बुल्ला, रॉकी गौरव, जिला पंचायत सदस्य बउआ त्रिवेदी सहित पवन दुबे, शिवम पांडेय आदि रहे।

महिला को आत्महत्या के लिए उकसाने पर हुई गिरफ्तारी

कानपुर देहातः थाना राजपुर पुलिस ने महिला को प्रताड़ित कर उसे आत्महत्या के लिए उकसाए जाने के मामले में कार्रवाई की है। घटना के संबन्ध में कायम मुकदमे के आरोपियों को पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा पकड़े जाने के बाद भी आरोपी की अकड़ दिखाई दी।

राजपुर के गांव दमनपुर निवासी अंकित सिंह पुत्र स्व0 गुड्डू सिंह 29 अक्टूबर को मुकदमा कायम कराया था। बताया कि वीर सिंह पुत्र पर्वत सिंह, सुखविंदर सिंह पुत्र वीर सिंह, त्रिवेणी सिंह पुत्र स्व0 रामजी सिंह व एक महिला द्वारा उसे और उसकी मां के साथ मारपीट की गई। साथ ही मां को जहरीला पदार्थ खिला दिया। मुकदमे की विवेचना में प्राप्त तथ्यों/साक्ष्यों से पता लगा कि आरोपियों द्वारा अंकित सिंह की मां को प्रताड़ित किया गया। इससे आहत होकर वादी की मां द्वारा जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली गई।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी ।

प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर मुकदमे में धारा 123 बीएनएस का लोप करते हुए धारा 108 बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई। इसके बाद पुलिस ने सुखविंदर सिंह उर्फ उदय प्रताप सिंह पुत्र वीर सिंह उम्र करीब 23 वर्ष निवासी ग्राम दमनपुर थाना राजपुर को रविवार को छोलापुर से खोजा बिजहरा जाने वाले चौराहे से गिरफ्तार किया गया। पकड़े जाने के बाद भी आरोपी के चेहरे पर न अपराध और न ही गिरफ्तारी की कोई शिकन नजर आई।

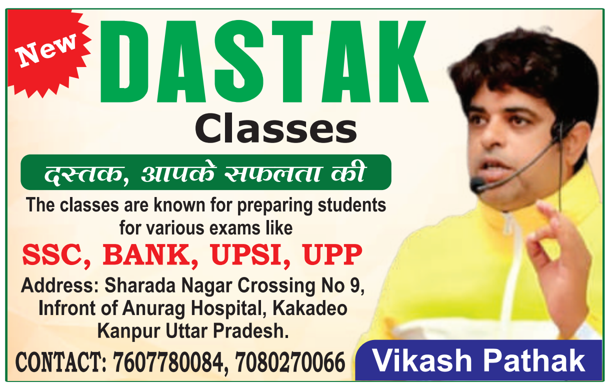

न्यूज ब्रीफ

जनसत्ता दल की जिला कार्यकारिणी घोषित

हमीरपुर। लोकतांत्रिक जनसत्ता दल के राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश पर जिलाध्यक्ष संजय सिंह बंडा ने जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए बेरी निवासी सतीश सविता को युवा विंग का जिलाध्यक्ष बनाया है। जिलाध्यक्ष ने बताया कि लक्ष्मीकांत बीड़ी को प्रधान महासचिव, शशि प्रताप सिंह को मीडिया प्रभारी, शिवाकांत पांडे, युगल मिश्रा को उपाध्यक्ष, सुनील सिंह को कोषाध्यक्ष, रितेश सचान, रोमित सिंह को महासचिव बनाया है। सात लोगों को जिला सचिव तथा चार लोगों को उपसचिव 6 लोगों को जिला कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है। इसके अलावा हमीरपुर, राठ, कुरारा, सरीला, सुमेरपुर के नगर एवं ब्लाक अध्यक्ष घोषित किए गए हैं। इसके अलावा व्यापार प्रकोष्ठ, किसान प्रकोष्ठ, महिला प्रकोष्ठ, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ, विधि प्रकोष्ठ, पदाधिकारी बनाकर कार्यकारिणी अनुमोदन के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष को भेजी गई है।

चार पहिया वाहन की टक्कर से वृद्ध घायल

मौदहा (हमीरपुर)। सब्जी बेचकर घर लौट रहे साइकिल सवार को फोर व्हीलर ने टक्कर मार दी जिससे फोर व्हीलर सवार गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे प्राथमिक उपचार के लिए कस्बे के सरकारी अस्पताल लाया गया जहां से गंभीर चोटों के चलते सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है। कस्बे के मोहल्ला दुर्गापुरी निवासी राम सनेही (65) पुत्र रघुनंदन क्षेत्र के पिपरौंदा गांव से साइकिल में सब्जी बेचकर घर लौट रहा था। जैसे ही रामसनेही नेशनल हाईवे पर बीएसएनएल टावर के निकट तो तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने टक्कर मार दी। जिसे गंभीर हालत में इलाज के लिए कस्बे के सरकारी अस्पताल लाया गया।

महिला ने फांसी लगाकर दी जान

पौथिया (हमीरपुर)। ललपुरा थानाक्षेत्र के स्वासा खुर्द गांव में विवाहिता ने फांसी लगाकर जान दे दी। घटना से परिजनों में कोहराम मचा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ललपुरा थानाक्षेत्र के स्वासा खुर्द गांव निवासी रुबी (30) पति महेंद्र प्रसाद शनिवार रात संदिग्ध परिस्थितियों में घर में फांसी के फंदे से लटकी मिली। इस घटना को लेकर परिजन कुछ भी कहने से बच रहे हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। साथ ही मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

हत्यारोपी महिला को पुलिस ने भेजा जेल

कुरारा (हमीरपुर)। कस्बे के वार्ड नंबर 5 में प्लाट के विवाद में दो आरोपी महिलाओं ने 56 वर्षीय अधेड़ को लाठी डंडों से पीट-पीटकर लहूलुहान कर दिया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने हत्यारोपी एक महिला को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं दूसरी महिला की तलाश में जुटी है। कस्बे के वार्ड नंबर 5 के निवासी कांशीराम (56) पुत्र स्वर्गीय बल्दी ने बीते शुक्रवार को थाने में तहरीर देकर बताया था कि राजेश कुमारी व अनीता के खिलाफ प्लाट के विवाद के चलते लाठी डंडों से पीट-पीटकर लहूलुहान कर दिया था। वहीं घायल कांशीराम की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई थी। कांशीराम की मौत के बाद पुलिस हरकत में आई और आरोपी महिला राजेश कुमारी पत्नी राम प्रकाश को घर से गिरफ्तार कर रविवार को जेल भेज दिया है। वहीं दूसरी आरोपी महिला अनीता पुलिस की पकड़ से अभी भी दूर है।

बाइकों की भिड़ंत में एक की मौत और एक गंभीर

निवादा मधई गांव के पास दो बाइकों की आमने-सामने हुई टक्कर

संवाददाता, शिवराजपुर

- गंभीर रूप से घायल युवक को कानपुर रेफर किया गया
- पुलिस ने तहरीर मिलने के बाद कार्रवाई करने की बात कही

अमृत विचार। निवादा मधई गांव के पास दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इसमें दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गये। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को सीएचसी पहुंचाया। वहां पर मौजूद डॉक्टरों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे बाइक सवार की प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उसे कानपुर के लिए रेफर कर दिया।

रविवार को दोपहर बाद निवादा मधई गांव के पास जबरदस्त हादसा हो गया। यहां पर शिवराजपुर की तरफ से बाइक से शिवली के संबलपुर बिठूर निवासी अनिकेत व उनके साथ उनका भांजा उम्र 3 वर्ष जा रहे थे। वहीं शिवली की तरफ से बाइक से कस्बा निवासी अजय आ रहे थे। तभी दोनों बाइकों की जोरदार टक्कर हो गई। दोनों बाइकों की टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक सवार उछलकर दूर जा गिरे। इसमें अजय और दूसरा बाइक सवार भी गंभीर रूप से घायल हो गये। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस के द्वारा सभी को शिवराजपुर सीएचसी पहुंचाया। वहां पर मौजूद डॉक्टरों ने अजय को मृत घोषित कर दिया। वहीं दूसरी बाइक सवार की गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद कानपुर के के लिए रेफर कर दिया। जानकारी होने पर मृतक अजय के परिजन रोते बिलखते शिवराजपुर सीएचसी पहुंचे। वहीं थाना पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जायेगी।

रोते-बिलखते परिजन। अमृत विचार

इटर्रा में कच्ची छत ढहने से दब कर महिला की गई जान

घाटमपुर। तहसील क्षेत्र के इटर्रा के मजरा कल्याणपुर में शनिवार रात कच्ची छत ढहने से एक महिला की मौत हो गई। इससे परिजनों में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार 50 वर्षीय राजरानी अपने पति शिवदास कोरी के साथ शनिवार रात खाना खाकर सोई थीं। उनके चार बेटे अलग सो रहे थे। अचानक छत ढहने से राजरानी मलबे में दब गईं। सुबह जब परिवार के अन्य सदस्य जागे तो उन्होंने राजरानी को मलबे में दबा पाया। पड़ोसियों की मदद से उन्हें बाहर निकाला गया लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। ग्राम प्रधान राधेश्याम तिवारी की सूचना पर हल्का इंचार्ज राम शिरोमणि मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

उपजिलाधिकारी अविचल प्रताप सिंह ने लेखपाल को मौके पर भेजकर रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने बताया कि दैवीय आपदा के तहत शासन द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। लेखपाल ने अपनी जांच रिपोर्ट तहसीलदार अंकिता पाठक को सौंप दी है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

भक्तों ने हर्षोल्लास से मनाया खाटू श्याम का जन्मोत्सव

संवाददाता घाटमपुर

- श्रद्धालुओं ने आरती कर जगह-जगह बांटा प्रसाद
- रात में जागरण का भी किया गया आयोजन

अमृत विचार। घाटमपुर में खाटू श्याम के भक्तों ने खाटू श्याम जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया। इस दौरान यहां पर सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे। भक्तों ने जन्मोत्सव के लिये जबरदस्त तैयारियां कर रखी थीं।

श्रद्धालुओं ने बाबा खाटू श्याम के चित्र को फूल मालाओं से सजाया कर उनका अद्भुत श्रृंगार किया। साथ ही भजन कीर्तन कर बाबा खाटू श्याम का जन्मोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया। भक्तों ने जगह-जगह प्रसाद वितरण किया। आरती का भी आयोजन किया गया। आरती के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे और श्याम बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया। साथ ही रात्रि में जागरण का आयोजन भी किया गया।

भक्त सुनील दीक्षित ने बताया कि बाबा खाटू श्याम का जन्मदिन कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को मनाया जाता है। मान्यता है कि देवोत्थान एकादशी के दिन बाबा खाटू श्याम के दर्शन और आराधना से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। कथाओं के अनुसार खाटू श्याम की भक्ति और बलिदान से प्रसन्न होकर श्रीकृष्ण ने उन्हें कलियुग में पूजे जाने का वरदान दिया था। श्रीकृष्ण ने कहा था कि वे 'हारे का सहारा' बनेंगे और उनके दरबार से कोई खाली हाथ नहीं लौटेगा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सुनील दीक्षित, सना सिंह, उमा दीक्षित, राहुल दीक्षित, काजल, बबली दीक्षित, राहुल, पार्थ दीक्षित, शिवम दीक्षित सहित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

खाटू श्याम का जन्मोत्सव मनाते श्रद्धालु। अमृत विचार

15 जून तक खुला रहेगा रानीपुर टाइगर रिजर्व

संवाददाता, मानिकपुर चित्रकूट

अमृत विचार। ईको टूरिज्म से पाठा क्षेत्र में पर्यटक गतिविधियों को बढ़ाने की मंशा से रानीपुर टाइगर रिजर्व में ईको पर्यटन सत्र की विधिवत शुरुआत की गई। फील्ड डायरेक्टर रानीपुर टाइगर रिजर्व डॉ. मनोज कुमार शुक्ला ने चीतल वन विश्राम भवन प्रथम के प्रवेश द्वार पर पूजा की। टाइगर रिजर्व 15 जून तक पर्यटकों के लिए खुला रहेगा। तुलसी जलप्रपात और ग्लास ब्रिज बारिश के समय भी खुले रहेंगे।

इस दौरान वनाधिकारी राजीव रंजन, टाइगर रिजर्व के क्षेत्रीय वनाधिकारी सुशील श्रीवास्तव, राजेश सोनकर, बरगढ़ रेंज से राजेंद्र नेगी, कर्वी रेंज से नफीस खान, रैपुरा रेंज से अपूर्व श्रीवास्तव और वन दरोगा, वन रक्षक, छात्र-छात्राएं मौजूद रहीं। कार्यक्रम का संचालन मारकुंडी रेंज द्वितीय क्षेत्रीय वनाधिकारी मो. नदीम ने किया। फील्ड डायरेक्टर ने इस दौरान सफारी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

उन्होंने आशा जताई कि इससे यहां के लोगों को पर्यटन का लाभ मिलेगा। बताया कि रानीपुर टाइगर सफारी के अलावा यहां परमहंस आश्रम धारकुंडी, अमरावती आश्रम, मार्कंडेय आश्रम, वीराद कुंड, शबरी जल प्रपात, ग्लास ब्रिज आदि दार्शनिक और धार्मिक स्थलों पर पर्यटकों के घूमने की सुविधा शुरू की गई है। शुक्ला ने बताया कि टाइगर रिजर्व क्षेत्र में चार नए काटेज बनाए गए हैं। इनमें पर्यटक रुककर जंगल की प्राकृतिक छटा का अनुभव कर सकेंगे। इसके अलावा सफारी वाहनों की व्यवस्था की गई है।

पंचवटी घाट का हुआ लोकार्पण

संवाददाता बिल्हौर

अमृत विचार। बिल्हौर के विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने पंचवटी मंदिर और आकिन के पास पंचवटी नवनिर्मित स्नान घाट का लोकार्पण किया। इस दौरान पांच हजार दीप प्रज्ज्वलित कर मां की गंगा आरती का भी आयोजन किया गया। गंगा आरती के समय सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

आकिन के पास गंगा घाट पर स्नान के लिए दूर-दराज से श्रद्धालु और भक्त आते हैं। यहां पर श्रद्धालुओं के स्नान के लिए कोई उचित स्थान नहीं था। जनता की सुविधा और धार्मिक आस्था को देखते हुए क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने अपनी निधि से लगभग 37.13 लाख की लागत से पक्के स्नान घाट का निर्माण करवाया है। साथ ही वहां पर मौजूद पंचवटी मंदिर का भी जीर्णोद्धार कराया है। पंचवटी मंदिर के कारण वहां पर मौजूद लोगों ने इस घाट का नाम पंचवटी घाट रख दिया है। इस घाट के बन जाने से आस पास के दर्जनों गांवों और दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को गंगा स्नान करने में काफी आसानी होगी।

गंगा आरती के दौरान मौजूद श्रद्धालु। अमृत विचार

5000 दीपों से जगमगाया घाट

- पंचवटी घाट पर लगभग 5000 दीप प्रज्ज्वलित कर दीपावली और छठ पर्व की खुशियां मनाई गईं। इसके साथ ही साधु संतों ने मां गंगा की आरती करते हुए उनकी पूजा अर्चना की। इस अवसर पर महंत मधुराम, सुशील कटियार, शैलेश कटियार, मोहित शुक्ला, नंदलाल पाल, मुन्ना सिंह, दिलीप प्रकाश, अनुराग दूबे, सुरेन्द्र दीक्षित, और ललित बच्चा सोनकर सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हमीरपुर में रिमझिम इस्पात के 45 गार्ड बर्खास्त, हंगामा

संवाददाता, सुमेरपुर (हमीरपुर)

अमृत विचार। रिमझिम इस्पात लिमिटेड ने 45 सुरक्षा गार्डों पर चोरी का आरोप लगाकर नौकरी से बर्खास्त कर दिया और दो माह का वेतन भी नहीं दिया। इससे नाराज गार्डों ने फैक्टरी गेट पर जमकर हंगामा काटा।

बीते दिनों कंपनी में कई क्विंटल बेशकीमती माल चोरी हो गया था। जिसकी शिकायत कंपनी ने सिक्योरिटी मुहैया कराने वाली कंपनी से की थी। कंपनी ने ड्यूटी में तैनात रहे 45 गार्डों को चिन्हित करके नौकरी से निकाल दिया। इसकी जानकारी गार्डों को शनिवार को दी गई। रविवार को नौकरी से निकाले गए गार्ड विदेश्वर प्रसाद, संजय कुमार, राम बहादुर, वीरबहादुर, प्रदीप तिवारी, जयप्रकाश, अवधेश पांडे, वीरेंद्र सिंह हाड़वा, गणेश कुमार, सुनील कुमार, कुलदीप, केशव प्रसाद, सुखदेव, दिलीप कुमार, बबलू, जयप्रकाश द्विवेदी, शिवनारायण पांडे, सुंदरलाल आदि गेट पर आ धमके। नौकरी से निकाले जाने पर जमकर हंगामा काटा। गार्डों का कहना है कि चोरी का आरोप निराधार है।

उन्होंने कोई चोरी नहीं की है। चोरी करने वाले सिक्योरिटी अफसर ड्यूटी कर रहे हैं। उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। गार्डों का आरोप है उनका दो माह का वेतन भी नहीं दिया गया और उन्हें नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है। रिमझिम इस्पात लिमिटेड के मैनेजर मनोज कुमार ने बताया कि कंपनी से माल चोरी होने की शिकायत सुरक्षा एजेंसी कृष्णा सिक्योरिटी सर्विस से की गई थी। एजेंसी ने गार्डों पर कार्रवाई की है।

पहाड़ से गिरकर मजदूर की मौत

संवाददाता, राठ हमीरपुर

अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के टूंका गांव में पहाड़ की खुदाई करते समय एक मजदूर की गिरकर मौत हो गई। परिजन उसे लेकर सीएचसी पहुंचे। हालत खराब होने पर मेडिकल कालेज उरई ले जाते समय रास्ते में मजदूर ने दम तोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार टूंका गांव निवासी सुदर्शन नागर (40) मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। रविवार सुबह सुदर्शन पहाड़ पर ड्रिल मशीन से काम कर रहा था। अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और सुदर्शन 15 फीट नीचे पहाड़ से गिर गया। वहां मौजूद अन्य मजदूरों ने देखा तो आनन फानन में सीएचसी ले गए। जहां पर चिकित्सकों ने नाजुक हालत देख उरई रेफर कर दिया। रास्ते में मजदूर ने दम तोड़ दिया। सुदर्शन के बड़े भाई सोहनलाल ने बताया कि वह मजदूरी करके अपने परिवार का भरण पोषण करता था। परिवार में पत्नी नीरज, मां बड़ी बाई, पुत्र रवि और ऋषि तथा पुत्री अंजना हैं। सीओ ने बताया उन्हें घटना की जानकारी नहीं है। परिजनों ने बिना पोस्टमार्टम कराए शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

करंट की चपेट में आकर किसान की गई जान

हमीरपुर। शनिवार को देर रात राम जानकी मंदिर से भजन कीर्तन के बाद वापस घर लौट रहे किसान की बिजली के सपोर्टिंग वायर में उतरे करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। जबकि उपखण्ड अधिकारी ने ऐसे किसी मामले की जानकारी होने से इनकार किया है। कोतवाली क्षेत्र के गुरदाहा गांव निवासी राजू सिंह (45) पुत्र विजय बहादुर शनिवार की रात देवउठनी एकादशी के अवसर पर रामजानकी मंदिर में आयोजित भजन कीर्तन कार्यक्रम से लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में बिजली के पोल के सर्पोटिंग वायर में उतरे करंट की चपेट में आ गए। ग्रामीणों ने आनन-फानन में राजू को कस्बे के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। राजू अपने पीछे पत्नी, तीन बेटियों और एक बेटे को रोता-बिलखता छोड़ गए। ग्रामीणों ने बताया कि विद्युत विभाग की लापरवाही के चलते यह हादसा हुआ है। इस संबंध में हल्का प्रभारी दिशांक खोखर ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

राजू सिंह।

लेखपाल को पीटने वाली शिक्षामित्र पर केस दर्ज

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। बीएलओ की ड्यूटी के मामले में लेखपाल (सुपरवाइजर) को अपशब्द व धमकी देने व तहसील जाकर पीटने वाली महिला शिक्षामित्र के खिलाफ पांच धाराओं में केस दर्ज हो गया है। एसडीएम ने कार्रवाई के लिए बेसिक शिक्षा विभाग को पत्र भी लिखा है।

तहसील तिर्वा इलाके की ग्राम पंचायत किनौरा के लेखपाल अमित राजपूत ने कोतवाली तिर्वा में बीएलओ कंचन तोमर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। इसमें कहा है कि वर्तमान में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का काम चल रहा है। जिसमें कंचन तोमर से 29 अक्टूबर को सुबह 8:40 बजे ड्यूटी व सूची लेने के लिए फोन पर बात हुई जिसमें अभद्र भाषा का प्रयोग किया। अधिकारियों के निर्देश पर 01 नवंबर को सुबह सवा 11 बजे लेखपाल ने फिर से कंचन तोमर से फोन पर संपर्क किया तो उसने गालियां दीं। दोपहर ढाई बजे के करीब कंचन तहसील सभागार आईं इस दौरान वह शासकीय कार्य निपटा रहा था। कंचन ने उससे नाम पूछा और हमलावर हो गई। आरोप है कि वह गालियां देने लगी। साथ ही मारपीट कर धमकी दी। कहा, अगर रिपोर्ट दर्ज कराई तो छेड़खानी का मुकदमा लगवा देगी। रिपोर्ट में सरकारी दस्तावेज छीनकर फाड़ने का भी जिक्र है।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मैने अपना नाम KM KAVITA RANI से बदलकर KAVITA WADHWANI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-DILIP MOTANI ADD-37A, NEW SHUBHAM CITY PANDIT KHERA, ALI NAGAR SUNHARA PO-SADRAUNA DIST-LUCKNOW-226008(U.P.)

सूचना
सूचित किया जाता है कि मैने अपना नाम PURTI SETIA से POORTI SETIA कर लिया है। भविष्य में मैं इसी नाम से जानी व पहचानी जाऊंगी। POORTI SETIA H.NO-22/1, GOKHALE MARG LUCKNOW

सूचना
सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम MANISH KUMAR VERMA से MANISH VERMA कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। MANISH VERMA, H·NO-19, PARIS HUDDHANI REAL EART CITY DEVSTHAN ANAURA KALAN LUCKNOW

कार्यक्रम | मुशायरा सुनने को मौजूद रहे सैकड़ों लोग, हुसैनगंज के निजामीपुरा में हुआ आयोजन

खुदा को वो मना पाएगा कैसे, जो रूठी मां को मना नहीं सकता

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। कस्बे के मोहल्ला हुसैनगंज निजामीपुरा स्थित मास्टर फखरुद्दीन यावर मौध्वी के मकान पर बज्मे करीम के बैनर तले महाना तरही मुशायरा संपन्न हुआ। जिसकी सदारत साहिल मौध्वी व संचालन मसीह निज़ामी ने किया। इस मुशायरे के मुख्य अतिथि कर्नल डॉ.जाहिद सिद्दीकी रहे। मुशायरे का आगाज यावर ने नात पढ़ कर किया। दिए गए मिसरा क्या गम है समंदर को बता भी नहीं सकता ' पर सभी शायरों ने अपने अपने कलाम पेश किए।

शायर बदरुद्दीन तायब ने शेर पढ़ा ' तायब कभी भी ख्वाहिशे दुनिया की तलब में, किरदार को मैं नीचे गिरा भी नहीं सकता। इकबाल एडवोकेट ने पढ़ा ' तू खौफ जदा कर ले हमें जितना भी चाहे, हम झुक नहीं सकते, तू झुका भी नहीं सकता। संचालन कर रहे मसीह निजामी ने शेर पढ़ा ' करता है वही बस मेरी हर वक्त बुराई, जो कद के बराबर मेरे आ भी नहीं सकता। यावर मौध्वी ने शेर सुनाया महशर में खुदा को वो मना पाएगा कैसे, जो रूठी अभी मां को मना भी नहीं सकता। साहिल मौध्वी ने पढ़ा मां बाप को देखे न जो उल्फत की नजर से, वो शख़्स कभी खुल्द में जा भी नहीं सकता। सफीर माचवी का शेर था ' क्या अपनी सुनाऊं मैं मोहब्बत की कहानी, दिल में है जो अब बात सुना भी नहीं सकता।

इसके साथ ही मूलचंद वारसी, क़मर निज़ामी, बॉर्डर मौध्वी, इनायत मोईन चिश्ती, शहर हमीरपुरी, निज़ाम मौध्वी, फैज़ फतेहपुरी, तकी मास्टर, फ़रीद परछवी, आकिल बिजनौर, कुदरत उल्लाह, कलंदर निजामी, अब्दुल कादिर, नजमुद्दीन आदि ने भी अपने कलाम पेश किए। अंत में यावर मौध्वी ने सभी श्रोताओं व शायरों का शुक्रिया अदा किया।

मुशायरे में अपना कलाम पेश करते शायर। अमृत विचार

रामलीला मेला हुआ संपन्न

राठ (हमीरपुर)। कस्बे में पिछले एक महीने से रामलीला मैदान में चल रहीं भगवान राम और कृष्ण की लीलाओं का समापन हो गया। शनिवार की रात रामलीला मंच पर कानपुर से आए कलाकारों द्वारा भजन संध्या के साथ मेला का समापन हो गया। मेले की शुरूआत बीते 6 अक्टूबर को भगवान शंकर की छोटी बारात एवं मुकुट पूजन के साथ शुरू हुई थी। 6 से 19 तक भगवान राम की लीलाओं का मंचन हुआ था।

कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी छिबरामऊ, जनपद-कन्नौज

पत्रांक/बेसिक/ 560-61 /2025-26, दिनांक:-30.10.2025

कार्यालय जिलाधिकारी महोदय जनपद कन्नौज के आदेश पत्रांक एस0एस0ए0 /4554-59/2025-26 दिनांक 09.10.2025 के द्वारा विकास खण्ड छिबरामऊ में संचालित विद्यालयों में जर्जर (कुल विद्यालय 74) विद्यालयों की नीलामी अधोहस्ताक्षरित की अध्यक्षता में सहायक एवं वित्त लेखाधिकारी बेसिक शिक्षा जनपद कन्नौज एवं सहायक विकास अधिकारी छिबरामऊ की समिति द्वारा स्थान कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी विकास खण्ड छिबरामऊ में दिनांक 10.11.2025 को नीलामी की जानी है अत: संलग्न सूची अनुसार जर्जर कुल 74 विद्यालयों की नीलामी समिति द्वारा दिनांक 10.11.2025 को खण्ड शिक्षा अधिकारी वि0ख0 छिबरामऊ में की जायेगी। नीलामी से सम्बन्धित जानकारी निविदादाता/ ठेकेदार ब्लॉक संसाधन केन्द्र छिबरामऊ से नीलामी दिनांक 10.11.2025 तक प्राप्त कर सकते है।

आनन्द द्विवेदी
खण्ड शिक्षा अधिकारी
वि0ख0 छिबरामऊ,कन्नौज।

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS • MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

शहर में आज

- **शुभारंभ** : यातायात माह नवंबर का शुभारंभ यातायात पुलिस लाइन में सुबह 10 बजे।
- **उद्घाटन** : जयपुरिया पुल का निर्माण होने पर सांसद रमेश अवस्थी द्वारा उद्घाटन दोपहर 12 बजे।
- **उद्घाटन** : कानपुर उद्योग व्यापार मंडल दक्षिण के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन दोपहर तीन बजे।

सिटी ब्रीफ

सुबह की धुंध शुरू
कानपुर। शहर में सुबह की धुंध शुरू हो गई है। मौसम विशेषज्ञों ने गुरुवार तक धुंध को और अधिक बढ़ने की संभावना जताई है। सीएसए विवि के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एसएन सुनील पाण्डेय ने बताया कि रविवार को शहर का अधिकतम तापमान 30 .4 डिग्री सेल्सियस रहा। न्यूनतम तापमान 19 .6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है।

बिजली न आने से लोग हुए परेशान
कानपुर। शहर के रैना मार्केट में दोपहर 12 बजे से ढ़ाई बजे तक, गुजैनी में सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक, जूटमिल व जरीब चौकी में दोपहर 12 बजे से शाम पांच बजे तक, कैनाल में सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक बिजली नहीं रही। भूमिगत केबिल में फॉल्ट होने से केडीए मार्केट में सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक बिजली गुल रही। लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

यहां नहीं आएगी बिजली
कानपुर। शहर के सैय्यद नगर, म्योर मिल, रतनलाल नगर, दबौली, श्याम नगर, डी-ब्लॉक, सिंचाई विभाग, हेमंत विहार कॉलोनी, लवकुशपुरम, मोहन गेस्ट हाउस, शिवली रोड ओर ओल्ड व न्यू गुजैनी में बिजली सुबह 10 बजे से शाम को पांच बजे तक नहीं रहेगी। केस्को मीडिया प्रभारी देवेंद्र वर्मा के मुताबिक इस क्षेत्रों में जरूरी कार्य किए जाएंगे।

दो रोमांचक मुकाबले खेले गए
कानपुर। आईएमए कानपुर शाखा द्वारा आयोजित आईएमए क्रिकेट टूर्नामेंट के अंतर्गत दो रोमांचक मुकाबले खेले गए। पहले मैच में आईएमए वॉरियर्स व आईडीए कानपुर देहात के बीच मुकाबला हुआ। वॉरियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 168 रन बनाए। जबकि देहात टीम 166 रन ही बना सकी। दूसरा मुकाबला आईएमए एवेंजर्स और रॉयल्स के बीच हुआ, जिसमे एवेंजर्स ने 188 रन बनाए। जबकि आईएमए रॉयल्स ने बिना कोई विकेट गंवाए 190 रन बनाकर जीत पाई।

विकसित भारत के लिए शोध और नवाचार बहुत जरूरी

आईआईटी के स्थापना दिवस पर आरबीआई गवर्नर, मुख्य चुनाव आयुक्त समेत 21 विशेषज्ञों का सम्मान

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को सम्मानित करते आईआईटी रोपड़ और आईआईटी गोवा के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष आदिल जैनुलभाई। मौजूद अन्य अतिथि। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर (आईआईटी कानपुर) का रविवार को स्थापना दिवस समारोह आयोजित हुआ। इस दौरान 21 विशेषज्ञों, पूर्व छात्रों व प्रोफेसर को संस्थान की ओर से सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार, भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी भी शामिल रहे। समारोह के दौरान आईआईटी कानपुर को तकनीक व शोध का नेतृत्व करने वाला संस्थान बताया गया। इस दौरान विकसित भारत के लिए शोध व नवाचार को जरूरी बताया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में आईआईटी रोपड़ और आईआईटी गोवा के चेयरपर्सन, बोर्ड ऑफ गवर्नस आदिल जैनुलभाई मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने कहा कि आईआईटी कानपुर लंबे समय से तकनीकी और वैज्ञानिक उत्कृष्टता का एक प्रतीक रहा है। दशकों से, इसके पूर्व छात्रों, विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों ने भारत की विकास गाथा में निर्णायक योगदान दिया है। आईआईटी कानपुर अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों जश्न स्थापना दिवस के रूप में मना रहा है। आईआईटी कानपुर को विकसित भारत के लक्ष्यों के अनुरूप एक नवाचार और आर्थिक इंजन बनना होगा।

विकसित भारत के लिए तकनीक और नवाचार मुख्य भूमिका निभाएंगे। संस्थान के निदेशक प्रो मणींद्र अग्रवाल ने सम्मानित होने वाले विशेषज्ञों को बधाई दी। इसके अलावा उन्होंने संस्थान की कई उपलब्धियों पर भी चर्चा की। प्रो. मणींद्र अग्रवाल ने कहा कि यह दिन न केवल एक संस्थान की स्थापना का, बल्कि ज्ञान, नवाचार और युवा पीढ़ी के मार्गदर्शन की एक सतत यात्रा की शुरुआत का भी प्रतीक है। सम्मानित होने के दौरान कई पूर्व छात्र मंच पर ही भावुक हो उठे। समारोह के दौरान संस्थान के उपनिदेशक प्रो. ब्रज भूषण, डीन, रिसोर्सेज एंड एलुमनाई प्रो. अमेय करकरे व डीन, फैकल्टी अफेयर्स प्रो. जितेंद्र के. बेरा प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

ये हुए सम्मानित
- प्रो वेंकटेश सुदर्शन, प्रो अजीत बोस, डॉ. रीमा पदमन, डॉ. दीपक नरूला, ज्ञानेश कुमार, अवनीश कुमार अवस्थी, प्रो रिषिकेश टी कृष्णन, मनीष चंद्रा, डॉ. नरेश चंद्र गुप्ता, रिषी कपूर, संजय मल्होत्रा, प्रो अमित अग्रवाल, अंबुज कुमार, शिरीष जोशी, असीम शुक्ला, निषित मोहन, अभिनव जैन, प्रो दिनेश भरडिया, डॉ. एहसान चट्टोपाध्याय, भावेश मित्तल व प्रो टीवी प्रभाकर।

भावुक हुए अवनीश अवस्थी
- जब आईआईटी कानपुर के पूर्व छात्र व प्रदेश के मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी को सम्मानित किया गया तो वे भावुक हो गए। कहा कि आज उनके साथ यहां पर पूरा परिवार है। इस मंच पर खड़े होकर आज उन्हें अपने पिता की बहुत याद आ रही है। उन्होंने कोविड के दौरान आईआईटी कानपुर की ओर से की गई सहायता के लिए आभार भी जताया। कहा कि इस सहायता से उन्हें आम लोगों के लिए कार्य करने में सहूलियत हुई।

तेज चलने पर हवा विपरीत होती
- आईआईटी कानपुर में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भी सम्मानित किया गया। इस दौरान उन्होंने संस्थान में गुजारे अपने छात्र जीवन के पलों को याद किया। कहा कि उस दौर में वे लोग बड़े सपने देखते थे। अपने अनुभवों पर कहा कि जब आप तेज चलते हैं तो हवा विपरीत चलने लगती है। इसलिए हवा के रुख को देख धीमा नहीं होना चाहिए। अपनी चाल चलते रहना चाहिए। उन्होंने सीख दी कि सदैव लक्ष्य तय करके ही सही दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने अपनी पत्नी को होम मिनिस्टर का दर्जा दिया। कहा कि उन्होंने मेरे लिए तमिल तक सीख ली।

नेतृत्व क्षमता सिखाई
- सम्मानित होने के बाद रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने संस्थान का आभार जताया। कहा कि वे संस्थान के हमेशा कृतज्ञ रहेंगे कि संस्थान ने उन्हें नेतृत्व क्षमता सिखाई। कहा कि यह सीख उन्हें हर क्षेत्र में काम आती है। उन्होंने कहा कि संस्थान की यह सीख सभी छात्रों को दी जाती है। यही वजह है कि आज संस्थान के छात्र जिस भी जगह है वहां पर अपना व संस्थान का नाम रौशन कर रहे हैं।

चुनाव आयोग के लिए कोई पक्ष न विपक्ष

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चुनाव आयोग पूरी तरह से निष्पक्ष होता है। उसके लिए न कोई पक्ष होता है और न ही कोई विपक्ष। इस वक्त बिहार का चुनाव चल रहा है। सभी मतदाता स्वतंत्र रूप से मतदान करेंगे। इसके लिए आयोग पूरी तरह तैयार है। यह कहना है मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का। वे रविवार को द स्पोर्टस हब में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करने आए थे।

कार्यक्रम में पत्रकारों से वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि देश में मतदाता सूची का शुद्धिकरण होने जा रहा है। इस कार्य में लगभग 51 करोड़ मतदाता जद में आएंगे। मैं भरोसा दिलाता हूं कि इस प्रक्रिया के बाद यह एक ऐतिहासिक निर्णय के रूप में भविष्य में जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि मैं यह भरोसा दिलाता हूं कि इस प्रक्रिया के पूरी होने के बाद न सिर्फ चुनाव आयोग पर बल्कि मुख्य चुनाव आयुक्त पर भी समाज को गर्व होगा। उन्होंने कहा कि भारत का मुख्य चुनाव आयुक्त होने के नाते मेरी जिम्मेदारी है कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण हो, हर नागरिक को मतदान का अधिकार मिले और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में पारदर्शी चुनाव कराए जाएं। भारत में करीब सौ करोड़ मतदाता हैं, यह संख्या अमेरिका, कनाडा, यूरोप, आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के मतदाताओं के शामिल करने के बाद भी आठ करोड़ अधिक है। ऐसे में हर राज्य का चुनाव एक विश्वस्तरीय प्रक्रिया बन जाता है। अभी बिहार में जो चुनाव चल रहे हैं, वह दुनिया के दस सबसे बड़े चुनावों में एक है। बिहार में इस बार मतदाता सूची के शुद्धिकरण के दौरान साढ़े सात करोड़ मतदाताओं में से किसी ने भी शिकायत नहीं की, यानी जीरो अपील रही। यह अपने आप में विश्व की सबसे बड़ी उपलब्धि है। इस अभियान की सफलता ने साबित किया है कि भारतीय मतदाता और चुनाव आयोग दोनों लोकतंत्र के प्रति कितने सजग हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त का सम्मान
कानपुर। दि स्पोर्ट्स हब में माथुर वैश्य समाज कानपुर ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का सम्मान किया। मुख्य चुनाव आयुक्त की माता सत्यवती गुप्ता, पिता डॉ .सुबोध गुप्ता व पत्नी अनुराधा कुमार को मंच पर स्थान ग्रहण कराया गया। राजेन्द्र गुप्ता, इं .एसके गुप्ता, अजय गुप्ता, सीए राम कुमार गुप्ता व आशू गुप्ता द्वारा उनको स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इस दौरान ई .एसके गुप्ता व राजेन्द्र गुप्ता राधिका गुप्ता, गीतिका गुप्ता, सत्यप्रकाश गुप्ता, अनिल गुप्ता, डॉ. आरसी गुप्ता, सीए हरेन्द्र गुप्ता, डॉ. राम मोहन गुप्ता समेत प्रशासनिक अधिकारी व अन्य लोग मौजूद रहे।

श्याम बाबा की जय

खाटू श्याम जन्मोत्सव शोभायात्रा का आयोजन श्री नर्मदेश्वर मंदिर सेवा समिति द्वारा साकेत नगर में किया गया। हनुमान जी, श्याम प्रभु की झांकियों ने सभी का मन मोह लिया।

वायु सेना मैराथन आयोजित की

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- फ्लाइंग आफिसर निर्मल जीत सिंह सेखों की स्मृति में आयोजन

अमृत विचार। परमवीर चक्र से सम्मानित भारतीय वायु सेना अधिकारी फ्लाइंग ऑफिसर निर्मल जीत सिंह सेखों की स्मृति में रविवार को मैराथन आयोजित हुई। वायु सेना स्टेशन कानपुर की ओर से हुई सेखों भारतीय वायु सेना मैराथन में देशभक्ति का जज्बा रहा। रन-सॉर-इंस्पायर थीम पर आधारित इस दौड़ को सुबह 5:30 बजे एयर कमोडोर प्रशांत कुमार नरेंद्र, वायु सेना स्टेशन कानपुर के एयर ऑफिसर कमांडिंग द्वारा ओपन टू वायु योद्धाओं और उनके परिवारों के लिए आयोजित किया। इस दौरान स्टेशन कर्मियों के अलावा, कानपुर क्षेत्र के प्रतिष्ठित खिलाड़ियों और प्रतिष्ठित नागरिकों ने मैराथन में भाग लिया।

21 किलोमीटर (हाफ मैराथन), 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर फन रन के लिए प्रतिभागियों ने दौड़ लगाई। मैराथन में 300 से अधिक लोगों की भागीदारी की। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य भारत सरकार के फिट इंडिया मूवमेंट के अनुरूप स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवन शैली के संदेशों को कायम रखते हुए नागरिकों में अच्छे स्वास्थ्य, आत्म-अनुशासन और देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देना था।

नगर निगम के हर जोन में टेंडर से पहले काम का खेल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नगर निगम के हर जोन में टेंडर से पहले कार्य कराने का खेल चल रहा है। 10 लाख के नीचे के कार्यों को जोन में तैनात अभियंत्रण विभाग के अधिकारी अपने चहेते ठेकेदारों से करा रहे हैं। अधिकारियों का चहेता बनने के लिए डंप कार्यालयों में सुबह से शाम तक ठेकेदारों का मजमा लगता है। हर जोन में यही हालत है। इससे पुराने और धाक बना चुके ठेकेदार तो मलाई खा रहे हैं जबकि नये ठेकेदार परेशान घूम रहे हैं।

एक ठेकेदार ने फर्म का नाम न छापने की शर्त पर बताया कि हो चुके कार्यों के बाद टेंडर प्रक्रिया में यदि कोई दूसरा ठेकेदार उस कार्य को डाल देता है तो अधिकारी उस ठेकेदार पर काम छोड़ने का दबाव बनाते हैं। यही नहीं दबाव के दौरान उससे लेटर हेड पर लिखित भी ले लिया जाता है। कुछ मंझे ठेकेदार दूसरे ठेकेदार से काम छोड़ने के नाम पर सौदा तक करते हैं। उन्होंने बताया कि जोन 3 के एक कार्य में उनके साथ भी ऐसा किया गया। डंप के अधिकारी काम को छोड़ने के नाम पर उनपर दबाव बनाते रहे। उन्होंने कहा कि इससे उनसे काम तो गया ही टेंडर फीस भी चली गई। जोन-1 से लेकर 6 तक हर डंप कार्यालय में अभियंताओं के ठेकेदार तय हैं। जोन 6 में शास्त्री नगर पार्क में टेंडर से पहले विक्टोरिया चेयर्स डालने का मामला सामने आने के बाद नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने सख्ती बढ़ा दी है। उन्होंने मुख्य अभियंता एसएफए जैदी से हर जोन से टेंडर प्रक्रिया की रिपोर्ट मांगी है।

आज सांसद रमेश अवस्थी करेंगे जयपुरिया पुल का उद्घाटन

खुशखबरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जयपुरिया क्रासिंग बंद होने से अब वाहन सवार लोगों को जाम में नहीं फंसना पड़ेगा। न ही बच्चों को स्कूल जाने में जाम की वजह से देरी होगी। क्योंकि सोमवार दोपहर 12 बजे जयपुरिया क्रासिंग पर बने पुल का उद्घाटन सांसद रमेश अवस्थी द्वारा किया जाएगा, उनके साथ भाजपा विधायक और सेतु निगम के अधिकारियों के साथ प्रशासनिक अधिकारी भी रहेंगे और जनता को पुल की सौगात देंगे।

उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम ने जयपुरिया रेलवे क्रॉसिंग पर 60 करोड़ रुपये से 990 मीटर लंबे पुल (आरओबी) का निर्माण कराया है। दो लेन के इस पुल के निर्माण में कई प्रकार की बाधाएं आईं और कार्यों में काफी लेटलतीफी हुई। इसलिए इस पुल का निर्माण होने में करीब तीन साल लग गए। लेकिन अब पुल पर निर्माण कार्य लगभग पूरा हो गया है। इसलिए सोमवार को सांसद रमेश अवस्थी द्वारा इस पुल का उद्घाटन किया जाएगा। सांसद रमेश अवस्थी ने बताया कि यह ओवरब्रिज लंबे समय से कानपुरवासियों की मांग थी। इसके बन जाने से क्षेत्र में ट्रैफिक जाम की समस्या से बड़ी राहत मिलेगी और नागरिकों को सुगम आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। सेतु निगम के मुख्य परियोजना प्रबंधक विजय कुमार सेन के मुताबिक पुल पर दोनों साइड एप्रोच मार्ग बन गया है। बारिश के कारण पुल पर एक तरफ डामरीकरण नहीं हो पाया था, इसलिए 31 अक्टूबर को पुल पर संचालन शुरू नहीं किया गया था।

जयपुरिया पुल बनकर तैयार। अमृत विचार

- पुल बनने से हजारों लोगों को जाम से मिलेगी निजात
- 60 करोड़ लागत से 990 मीटर लंबा पुल बना है

बिना अनुमति विज्ञापन करने पर दो फर्मों पर 20 लाख का जुर्माना

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- नगर आयुक्त की सख्ती पर अवैध विज्ञापनदाताओं पर कार्रवाई

अमृत विचार। शहर में अवैध विज्ञापनों की शिकायत के बाद नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने सख्ती बढ़ा दी है। पूरे शहर के अवैध विज्ञापनों को हटाने के निर्देश दिए गए हैं। कामर्शियल के साथ राजनीतिक पोस्टरों को भी हटाने को कहा गया है। नगर निगम के जोनल अधिकारियों ने विज्ञापन की टीम के साथ मिलकर कार्रवाई शुरू की है। बिना अनुमति विज्ञापन करने पर दो संस्थानों को 10-10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही जोनवार तीन दर्जन से अधिक को चेतावनी के साथ ही विज्ञापन हटाने के निर्देश दिए गए।

दीपावली, छठ पूजा समेत आने वाले कई त्योहारों को लेकर पूरा शहर होर्डिंग्स, बैनर से पट गया है। इसकी आड़ में कामर्शियल विज्ञापन भी पूरे शहर में लगे हैं। कई सरकारी भवनों और प्राइवेट भवनों पर भी बिना अनुमति विज्ञापन टांगे गए हैं। इससे शहर की सूरत बिगड़ रही है वहीं नगर निगम को कर हानि भी हो रही है। जिसके देखते हुए नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने अवैध विज्ञापनों पर लगातार कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इसी कड़ी में नगर निगम ने अवैध रूप से प्रचार करने पर मैकराबर्ट गंज स्थित वामीस कैफे और गुमटी नंबर 5 स्थित दुर्गा ज्वैलर्स एंड बैंकर्स को अलग-अलग 10-10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। बिना नगर निगम को बताए व यातायात विभाग की एनओसी लिए बिना रोड क्रास विज्ञापन लगाने पर यह कार्रवाई की गई है। प्रभारी अधिकारी विज्ञापन ने कहा है कि यदि जुर्माना राशि नहीं जमा की गई तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

व्यवस्था ये केवल मतदाता सूची को दुरुस्त करने का अभियान है, घनी आबादी में जगह जगह जागरुकता शिविर लगाए जा रहे

एसआईआर कल से, मुस्लिमों में कागज जुटाने की होड़

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। 4 नवंबर मंगलवार से 4 दिसंबर तक एसआईआर का काम शहर में होगा जिसके लिए घर घर बीएलओ जाएंगे और मतदाता सूची को ठीक करने का काम करेंगे। मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में एनआरसी की अफवाह फैलने के बाद मुस्लिमों में बैचेनी है और वे अपने अपने कागज जुटाने में लगे हैं।

रविवार को मुसलमानों को ये बताया गया कि एसआईआर सिर्फ मतदाता सूची को दुरुस्त करने के लिए चुनाव आयोग द्वारा कराया जा रहा है। मदरसा इशाअतुल उलूम कुलीबाजार में शहरकाजी मौलाना हाफिज अब्दुल कुद्दूस हादी ने एसआईआर की जानकारी देने के लिए जागरुकता अभियान चलाया जिसमें मौलाना अबू बकर हादी आदि मौजूद रहे। इसी प्रकार मौलाना हाफिज अब्दुल रहीम बहराइची ने बासमंडी में जागरुकता अभियान चलाया। ऐसे रही तहारत मंच की ओर से मोहम्मद अली पार्क में कैंप लगाया गया जिसमें वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान में एसआईआर में मतदाता सूची में नाम, नागरिकता प्रमाणिकता पर ही आएगा। इसलिए चुनाव आयोग द्वारा 11 प्रपत्रों में कोई एक प्रमाणपत्र की फोटो कापी, अपना एक फोटोग्राफ, बीएलओ के आने पर देना है। गणना प्रपत्र पर अपना फोटो, आधार नंबर एवं स्वयं एवं माता पिता की जानकारी अंकित कर बीएलओ के पास जमा करना है। इस प्रपत्र के साथ कोई भी प्रमाणपत्र नहीं जमा करना है। गणना प्रपत्र के आधार पर निर्वाचक नामावली के आलेख का प्रकाशन 9 दिसंबर 2025 को होगा। इस शिविर में आल इंडिया उलेमा काउंसिल के महामंणत्री हाजी मोहम्मद सलीस, मास्टर मोहम्मद शाहिद, नफीस नूरी, बहार अहमद, सैयद इंतजार हुसैन एडवोकेट, डॉ. मुस्तफा तारिक, इरफान अंसारी आदि थे।

मतदाता सूची में 65 फीसदी मतदाता कामन
कानपुर। नवीन मार्केट स्थित सपा कार्यालय में रविवार को मासिक बैठक हुई, जिसमे पदाधिकारियों, कार्य समिति के सदस्यों, 78 वार्डों के अध्यक्षों, बूथ प्रभारियों, पार्षदों व फ्रंटल संगठनों की चार नवंबर से चार दिसंबर तक चलने वाले अभियान के तहत विशेष गहन पुनरीक्षण और गणना प्रपत्र भरवाने की तैयारी की। नगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने कहा कि आर्य नगर, सीसामऊ, कैंट, किदवई नगर व गोविंद नगर विधानसभा क्षेत्रों में सपा के 1607 बीएलए गणना प्रपत्र भरवाने में बीएलओ का सहयोग करेंगे। सपा के बीएलए प्रतिदिन 10 परिवारों में गणना प्रपत्र बीएलओ के साथ भरवाएंगे। इन पांचों विधानसभा क्षेत्रों में 1607 बूथों पर 16 लाख 21 हजार 086 मतदाता हैं, जो सन् 2003 की मतदाता सूची का आधार माना गया है। इसमें सपा सर्वे के आधार पर 65 फीसदी मतदाता का 2003 व 2025 की मतदाता सूची में कामन नाम हैं। सपा ने पांच सदस्यीय उड़न दस्ता का गठन किया है। इस दौरान प्रदेश सचिव केके शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिंटू, परमवीर सिंह गंभीर, डॉ .नीतेंद्र सिंह, मुमताज मंसूरी, आसिफ कादरी थे।

सिटी ब्रीफ

मवेशी लदे ट्रक के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

कानपुर। चकेरी में रामोदवी चौराहा पर पुलिस ने 20 मवेशियों से लदे ट्रक को पकड़कर चालक और परिचालक को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। चकेरी थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि शनिवार की रात को महाराजपुर की तरफ से आ रहे ट्रक को रामादेवी चौराहा के पास रोका। ट्रक की तलाशी लेने पर उसमें 20 मवेशी लदे मिले। कागजात मांगने पर चालक व परिचालक कागज नहीं दिखा सके। पूछताछ में दोनों ने अपना नाम बांदा के नरैनी लुहरेटा निवासी तौहीद और तस्लीम बताया। बताया कि मवेशियों को फतेहपुर से उन्नाव स्लाटर हाउस जा रहे थे। थाना प्रभारी ने बताया कि ट्रक को एमवी एक्ट में सीज किया गया है।

महिला से मारपीट चचिया ससुर पर छेड़छाड़ का आरोप

कानपुर। चकेरी में महिला ने पति पर मारपीट करने और चचिया ससुर पर छेड़खानी करने का आरोप लगाकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। चकेरी निवासी महिला के अनुसार उसके पति नगर निगम कैटल कैचिंग दस्ते में हैं। आएदिन कलह कर उससे मारपीट करते हैं। घर खर्च के लिए रुपये भी नहीं देते। बताया कि पति खाना भी नहीं देते हैं। बीमार होने पर इलाज तक नहीं कराते। विरोध करने पर मारपीट की जाती है। आरोप लगाया कि चचिया ससुर की उस पर नीयत ठीक नहीं है। वह छेड़खानी करते हैं। पीड़िता ने बताया कि बीती 27 जुलाई को पति ने मारपीट कर उसका गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की थी। इस पर वह पुलिस चौकी जा रही थी, तभी पीछा कर ससुरालियों रास्ते में मारपीट की। चौकी में शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई। थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि घरेलू विवाद का मामला है, रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है। कार्रवाई की जाएगी।

ससुरालियों पर प्रताड़ना का आरोप

कल्याणपुर। कल्याणपुर निवासी एक महिला ने ससुरालियों पर अतिरिक्त दहेज की मांग करते हुए शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करने व देवर पर अश्लील हरकतें करने का आरोप लगाया है। पीड़िता के अनुसार जब उसके पिता समझौते के लिए घर आए तो ससुरालियों ने उनके साथ भी मारपीट की।

ट्रेनों पर परीक्षार्थियों का कब्जा

कानपुर। छठ पूजा पर्व समाप्त होने के बाद लोग अपने कामों पर वापस लौट रहे हैं, रविवार को पुलिस भर्ती के हजारों परीक्षार्थियों की भी ट्रेनों में भीड़ रही जिससे आरक्षण कोचों में भी परीक्षार्थियों का कब्जा रहा। पूर्वा एक्सप्रेस, महानंदा, ब्रह्मपुत्र, अवध असम, फरक्का समेत पूर्वांचल की ओर से आने वाली प्रमुख ट्रेनों में मारामारी रही। साधारण कोच में फर्श पर सैकड़ों यात्री परिवार के साथ सफर करने को मजबूर हुए। इस दौरान प्रयागराज, फतेहपुर समेत विभिन्न स्टेशनों से सवार हुए पुलिस भर्ती के परीक्षार्थी भी आरक्षण कोच में कब्जा किये रहे। परीक्षा खत्म होने के बाद कालका मेल, चौरीचौरा, प्रतापगढ़ इंटरसिटी एक्सप्रेस समेत दर्जनों ट्रेनों में यात्रियों की जबरदस्त भीड़ रही।

गड्ढे में पहिया जाने से उछली बाइक, गिरे लोको पायलट को डंपर ने कुचल दिया

हंसपुरम में सड़क के गड्ढे ने ली लोको पायलट की जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

प्रेम नारायण वर्मा।

घटना की जानकारी देते परिजन। अमृत विचार

- भोर पहर तीन बजे सेंट्रल स्टेशन ड्यूटी पर जा रहे थे लोको पायलट

अमृत विचार। हनुमंत विहार में रविवार तड़के गड्ढे में बाइक उछलने से लोको पायलट सड़क पर गिर गया। इसी बीच पीछे से आ रहे डंपर से कुचलकर उसकी मौके पर ही मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आईकार्ड व अन्य कागजातों के आधार पर शिनाख्त की। खबर पाकर परिजनों में चीख-पुकार मच गई।

हंसपुरम के आवास विकास निवासी 48 वर्षीय प्रेम नारायण वर्मा रेलवे में लोको पायलट थे। परिवार में पत्नी भारती, बेटा प्रतीक व बेटी प्रभांसी हैं। कानपुर देहात में भूमि संरक्षण अधिकारी के पद पर तैनात बड़े भाई देवेंद्र कुमार ने बताया कि 14 सालों से उनकी तैनाती सेंट्रल स्टेशन पर थी। उन्होंने बताया कि रविवार तड़के करीब तीन बजे वह ड्यूटी के लिए घर से बाइक से निकले थे। घर से निकलते ही कुछ दूरी पर हादसा हुआ। देवेंद्र के अनुसार घटनास्थल से करीब एक किमी दूर हाईवे है। सड़क पर गड्ढों के कारण प्रेम नारायण की बाइक का पहिया एक गड्ढे में चल गया था। जिससे वह बाइक समेत उछल पड़े और कुछ दूरी पर जाकर गिरे। इसी बीच पीछे से आ रहे तेज गति डंपर का पहिया उनके सिर से गुजर गया। कुचलने से प्रेम नारायण की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि चालक ने डंफर रोकने के बजाय भगा दिया। पुलिस ने आई कार्ड से लोको पायलट की पहचान की। उनके ही मोबाइल से परिजनों को हादसे की जानकारी दी। पुलिस ने घटनास्थल से कुछ दूरी पर खड़े डंपर को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू की है।

टैंकर की टक्कर से महिला की मौत, बहन घायल

कानपुर। महाराजपुर में इंजीनियरिंग संस्थान केआईटी के सामने तेज गति टैंकर ने चचेरी बहनों को जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें एक की मौत हो गई, जबकि दूसरे की हालत गंभीर बनी है। मूलरूप से इटावा के सैफई निवासी 28 वर्षीय राधा मौजूदा समय में चकेरी कोयलानगर के आदर्श विहार में एकलौती बेटी नैना के साथ रहती थीं। राधा के पति इंद्रपाल की बीते ग्राम पंचायत चुनाव में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। परिजनों ने बताया कि राधा महाराजपुर स्थित केआईटी की मेस में खाना पकाती थी। राधा के साथ उसकी चचेरी बहन ताड़बगिया की रहने वाली राम नरेश की पत्नी रेनू भी काम करती थी। शनिवार सुबह दोनों बहनें खाना बनाने गई थी, तभी कालेज के सामने तेज गति टैंकर ने टक्कर मार दी थी। राधा की हैलट में इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि रेनू की हालत गंभीर बनी है। पुलिस के अनुसार वाहन व चालक के बारे में पता किया जा रहा है।

चकेरी में प्यार में धोखा मिलने पर युवक ने जहर खाकर दे दी जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

साहिल।

घटना की जानकारी देते परिजन। अमृत विचार

- घर से 100 रुपये लेकर गया जहरीला पदार्थ खाने के बाद मां को दी सूचना
- मां को फोन करके कहा कि मुझे माफ करना, मैं अब मरने जा रहा हूं

अमृत विचार। चकेरी में प्यार में धोखा मिलने पर युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दे दी। घर से जाने के बाद युवक ने पहले जहर खाया, फिर तबियत बिगड़ने पर मां को फोन करके बताया। खबर पाकर परिजन मौके पर पहुंचे और उसे अस्पताल ले गए। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

सफीपुर निवासी चंद्र भल्ला की फुट वियर शॉप है। उनके परिवार में पत्नी सोनिया, बेटी मानसी व 22 वर्षीय बेटा साहिल था। साहिल भी किसी फुट वियर की दुकान पर काम करता था। पिता के अनुसार शनिवार शाम को बेटा घर आया, इसके बाद अपनी मां से 100 रुपये लिए और बाहर चला गया। यह जानकारी नहीं दी कि कहां जा रहा है। कुछ समय बाद उसने मां को फोन करके बताया कि उसने जहर खा लिया है। इसकी खबर पाकर मां ने पूछा कहां हो और उसकी बताई जगह घर से करीब दो किमी दूर लव गार्डेन पहुंचे।

उसकी हालत देखकर तत्काल साहिल को समीप के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से डॉक्टरों ने उसे हैलट रेफर कर दिया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। साहिल की मां सोनिया के अनुसार बेटे ने कहा कि मुझे माफ करना मैं अब मरने जा रहा हूं। मैंने जहर खा लिया है। इतना सुनते ही वह घबरा गईं।

बेटी मानसी चचेरे भाई के साथ मौके पर पहुंची और उसे अस्पताल ले गई। चकेरी पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया जांच में प्रेम प्रसंग की बात पता चली है। साहिल का किसी युवती से अफेयर था। अपने प्यार को लेकर काफी तनाव में रहता था। उसे प्रेम में धोखा मिला था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया हैं। परिजनों से बातचीत कर कार्रवाई की जाएगी।

सड़क में छेद ही छेद

बारिश से खराब हुईं सड़कों पर पैचवर्क कर दुरुस्त करने की डेडलाइन दीपावली के पूर्व की थी। प्रशासनिक अधिकारियों ने खराब सड़कों को दुरुस्त करने का समय निर्धारित किया था। दीपावली को गुजरे 10 दिन गुजर गए लेकिन गड्ढे वाली सड़कें ठीक नहीं हुईं। छेद ही छेद दिखने वाली ये सड़क चुन्नीगंज चौराहे के सामने तथा बस स्टैंड के बाहर की है। • मनोज तिवारी

पिकअप की टक्कर से टेंपो पलटा, चालक की मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

काशीनाथ शर्मा।

अमृत विचार। महाराजपुर में बुकिंग पर सवारियां उतारकर लौट रही टेंपों में तेज गति पिकअप ने टक्कर मार दी। जबरदस्त टक्कर से चालक सीट से उछलकर डिवाइडर से जा टकराया और टेंपो भी कुछ दूरी पर जाकर पलट गई। सिर पर गंभीर चोट आने से चालक की इलाज के दौरान मौत हो गई। सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया।

रेलबाजार में रहने वाले 52 वर्षीय काशीनाथ शर्मा टेंपो चालक थे। परिवार में पत्नी संगीता, एक बेटी अनन्या व दो बेटे कृष्णा, नैतिक हैं। परिजनों ने बताया कि शनिवार को काशीनाथ टेंपो चलाने निकले थे। वह घंटाघर पर सवारियों का इंतजार कर रहे थे, तभी बुकिंग लेकर महाराजपुर गए थे। वहां से लौटते समय नर्वल मोड़ के पास पिकअप ने पीछे से टक्कर मार दी। जिससे काशीनाथ चालक सीट से उछलकर डिवाइडर से टकरा गए। टेंपो भी कुछ दूरी पर जाकर पलट गया। हादसे की सूचना पर पुलिस ने उसे रामादेवी स्थित कांशीराम हॉस्पिटल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

उधारी मांगने पर शिक्षिका पर संबंध बनाने का दबाव

कानपुर। एक शिक्षिका से शोषण का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। आरोप है कि एक निजी कालेज के संचालक ने बेटी की शादी का झांसा देकर 6.50 लाख रुपये उधार लिए। रकम वापस मांगने पर वह टरकाने लगा। साथ ही शारीरिक संबंध का दबाव बनाया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू की। तहरीर के आधार पर संचालक पर रिपोर्ट दर्ज हुई है।

हनुमंत विहार इलाके की रहने वाली शिक्षिका ने पुलिस को बताया कि 1994-95 में पढ़ाई के दौरान उनकी मुलाकात बर्रा विश्वबैंक के कुंवर पाल सिंह यादव से हुई थी। बीएड की पढ़ाई करने के बाद वह उसके कहने पर दामोदरनगर स्थित उसके स्कूल में शिक्षा सेवा देने लगीं। 2015 में उसकी सरकारी नौकरी लगी। आरोपी उनकी ज्वाइनिंग में भी साथ गए। तभी खुद की आर्थिक स्थिति की कमजोरी का हवाला देकर बेटी की शादी के लिए 10 लाख रुपये उधार मांगे। पुराने रिश्तों के कारण उन्होंने कई बार में 6.50 लाख रुपये ऑन लाइन दिया। आरोपी ने उनकी कार को बेचकर अपने नाम से दूसरी कार फाइनेंस करा ली। जिसकी किश्त भी अदा की। 2020 में उन्होंने रकम वापस मांगी तो करीब पांच साल तक टरकाता रहा। इसके बाद कूटरचित कागजातों के आधार पर उसे पत्नी बताने का प्रचार करने लगा, जबकि वह शादीशुदा हैं। विरोध किया तो एडिट फोटो के जरिए ब्लैकमेल किया। शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया। फोटो और वीडियो वायरल कर बदनाम करने की धमकी दी।

एक साल में शुरू हुईं 23 फूड प्रोसेसिंग यूनिट

इंडस्ट्री

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- यूनिट खुलने से दो हजार लोगों को मिला रोजगार, निर्यात की बढ़ी संभावना

अमृत विचार। शहर में फूड प्रोसिसिंग सेक्टर में तेजी से इजाफा हो रहा है। पिछले एक साल में 23 नई यूनिट स्थापित हो चुकी हैं। बाजार में इस सेक्टर की बढ़ती मांग के चलते कई यूनिट ने अपना विस्तार भी किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार में कृषि उत्पादों की मांग में आई तेजी के चलते अगले एक साल में इन यूनिट्स की संख्या दोगुनी तक पहुंच सकती है।

शहर में फूड प्रोसेसिंग योजना के तहत शहद, गन्ना, नमकीन व फलों के उत्पाद व उसका जूस बनाए जाने की यूनिट तेजी से बढ़ रहीं है। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लगभग दो हजार लोगों को रोजगार भी हासिल हुआ है। इन यूनिट्स में सबसे अधिक फलों व उसके रस से बने उत्पादों की हैं। नमकीन बनाने वाली यूनिट में विस्तार भी हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि कृषि उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ रही है। यही वजह है कि इस मांग को शहर के उद्यमी भी समझ रहे हैं।

बाजार विशेषज्ञ इन बढ़ रही यूनिट को निर्यात बाजार से भी जोड़ कर देख रहे हैं। उनका कहना है कि विदेशी बाजार में 'पैक्ड फूड आइटम' का बड़ा बाजार है। वर्ष 2022-23 की बात की जाए तो कृषि उत्पाद का विदेशी बाजार 53.1 अरब डॉलर का आंका गया था। इस बाजार में हर वर्ष 8 फीसदी की दर से बढ़ोत्तरी हो रही है। ऐसी स्थिति में इस सेक्टर में शहर से भी निर्यात की प्रबल संभावना मानी जा रही है। नोडल अधिकारी अलख कुमार ने बताया कि शहर में फूस प्रोसेसिंग यूनिट में तेजी से बढोतरी इसका प्रमाण है कि बाजार में इस सेक्टर की मांग तेजी से बढ़ी है। जल्द ही इस सेक्टर में शहर में और अधिक यूनिट्स स्थापित होंगी।

1139 यूनिट पहले से स्थापित

- शहर में इससे पहले 1139 यूनिट्स पहले से ही स्थापित हैं। एक साल में इतनी तेजी से इन यूनिट्स का ग्रोथ होना नए सेक्टर में बाजार तलाश की एक वजह भी है। निर्यात विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा वैश्विक बाजार में जापान, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, इटली में काफी अधिक हैं।

युवा उद्यमी बढ़े

- इस सेक्टर में युवा उद्यमियों ने तेजी से रुझान दिखाया है। हाल ही शुरू हुई यूनिट्स को संचालित करने वाले 70 फीसदी युवा हैं। बाजार विशेषज्ञ मान रहे हैं कि युवा इस सेक्टर को समझ शहर के पारंपरिक बाजार के समक्ष एक नया सेक्टर खड़ा कर रहे हैं। युवा उद्यमी तेजी से इस सेक्टर की यूनिट्स के लिए आवेदन कर रहे हैं।

सहायक विकास अधिकारी से 5.05 लाख की ठगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- वेतन एरियर दिलाने का झांसा देकर ठग ने हड़प लिए रुपये
- पीड़ित ने ठग, उसकी पत्नी समेत पांच आरोपियों के खिलाफ दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार। बर्रा में खादी विभाग में कार्यरत सहायक विकास अधिकारी से 5.05 लाख रुपये ठगी हुई। शातिर ने वेतन एरियर दिलाने का झांसा देकर रकम हड़पी। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने ठग व उसकी पत्नी समेत पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने जांच शुरू की है।

विश्व बैंक के रहने वाले मनीष पटेल खादी विभाग में सहायक विकास अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। मनीष के अनुसार करीब एक साल पहले लखनऊ में उनकी मुलाकात आदित्य प्रताप सिंह उर्फ रूद्र ठाकुर से हुई थी। बातचीत के दौरान उसने अफसरों से अच्छी पहचान का झांसा देकर उसे झांसे में लिया। उसने वेतन एरियर दिलाने की बात कही तो वह उसके झांसे में आ गए। इसके बाद आरोपी ने अपनी पत्नी काया रघुवंशी उर्फ स्वाती, मित्र शुभम, अखिलेश यादव व पवन के खाते में करीब 5.05 लाख रुपये ट्रांसफर कराए। जब काफी समय बीत जाने पर उनका एरियर नहीं मिला तो संपर्क किया। इस पर वह टरकाने लगा। मौजूदा समय में तो कॉल ही नहीं रिसीव करता है। ठगी का अहसास होने पर उन्होंने पुलिस से शिकायत की। बर्रा थाना प्रभारी ने बताया कि सहायक विकास अधिकारी की तहरीर पर पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

क्राइम ब्रांच का अधिकारी बन महिला से ठगी का प्रयास: कल्याणपुर। कल्याणपुर में खुद को क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताकर शातिर ने महिला पर अश्लील वीडियो देखने का आरोप लगाकर उसकी जांच होने की बात कही और ठगी का प्रयास किया। जब महिला ने अपने पति से बात कराने को कहा तो शातिर ने मोबाइल बंद कर लिया। पुलिस के अनुसार आवास विकास-एक का व्यक्ति नगरनिगम में काम करता है। रविवार सुबह उसकी पत्नी के मोबाइल पर अंजान कॉल आई।

फोन करने वाले ने खुद को क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताया। उसने महिला पर अश्लील वीडियो देखने का आरोप लगाकर जांच का दबाव बनाया। इस पर महिला नाराज हुई और पति को मोबाइल थमा दिया। इस पर उसने फोन स्विच ऑफ कर लिया। वहीं एक फास्ट फूड संचालक को भी किसी अंजान ने सीबीआई अधिकारी बताकर धमकी दी। इस बारे में कल्याणपुर एसीपी रंजीत सिंह ने बताया कि तहरीर मिलने पर जांच व कार्रवाई की जाएगी।

विकास

पूरी विधानसभा में 32 स्थानों पर लगेगी हाईमास्क लाइट

1.32 करोड़ से दूधिया रोशनी से चमकेगा बिठूर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

03 महीने के अंदर बिठूर विधानसभा में हाईमास्क लग जाएंगी

4.13 लाख रुपये की एक हाईमास्क

- विधानसभा में 4.13 लाख रुपये की लागत से एक हाईमास्क लगाया जायेगा। इस तरह करीब 32 स्थानों पर हाईमास्क लाइट लगाने की योजना है। बिठूर विधानसभा के विधायक अभिजीत सिंह सांगा ने बताया कि तीन महीने के अंदर हाईमास्क लग जाएंगी, जिससे रात में सड़क पर चलने से लोगों को राहत मिलेगी।

अमृत विचार। बिठूर विधानसभा के तहत आने प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थानों में रहने वाला अंधेरा जल्द छंटेगा। पूरी विधानसभा के 32 प्रमुख स्थानों पर आने वाले दिनों में हाईमास्क लाइट लगाई जाएगी। विकास भवन का ग्रामीण अभियंत्रण विभाग इस अंधेरे को दूर करेगा। विभाग ने कार्य कराने के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। 20 नवंबर को कार्य कराने के लिए निविदा खोली जाएगी। जिसके बाद कंपनी का चयन कर कार्य शुरू किया जायेगा।

बिठूर विधानसभा के अंतर्गत अलग-अलग पंचायतों के गांव अंधेरे में हैं। वहीं, प्रमुख चौराहों, सड़कों व सार्वजनिक स्थानों पर भी रात होते ही घुप्प अंधेरा छा जाता है। विधायक अभिजीत सिंह सांगा की ओर से पिछले दिनों 32 स्थानों पर हाईमास्क लगाने के लिए प्रस्ताव दिया गया था। जिसपर ग्रामीण अभियंत्रण विभाग की ओर से मैन्यूवल निविदा कराने की प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके तहत कुटिया रामपुर में सार्वजनिक स्थान पर, कुटिया रामपुर के पुरवा में, ग्राम मकसूदाबाद में, ग्राम चतुरीखेड़ा, कुढ़नी, कुल्हौली, कुशलपुर, सेमरुआ, बरईगढ़, हाजीपुर कदीम, सचौली, कोरवा, कीशाखेड़ा, दौलतपुर, देवपुरा, असेनिया, निवादा मर्थुआ, क्योटरा, उमरा रसूलपुर, अकबरनपुर बरुई, ईश्वरीगंज, लोधर, कटरी शंकरपुर, गंगापुल बैराज, प्रतापुर पिपरिया, बैकुंठपुर, गंभीरपुर, बहेड़ा, सिंहपुर, मोहनपुर, सोना, ईश्वरीमाता मंदिर के पास और वार्ड 1 में सार्वजनिक स्थान पर हाईमास्क लाइट लगाई जाएगी।

रोडवेज चालक ने ट्रैफिक दरोगा से अभद्रता की

कल्याणपुर संवाददाता। बिठूर तिराहा के पास जाम लगने पर ट्रैफिक दरोगा ने रोडवेज चालक से बस बढ़ाने को कहा तो वह अभद्रता पर उतारु हो गया। सड़क पर बस खड़ी कर सवारियां भरने लगा। दरोगा पर बस चढ़ा देने की धमकी दे डाली। बस तिरछी खड़ी कर दी, जिससे जाम लग गया। दरोगा ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

जीटी रोड स्थित बिठूर तिराहा पर रविवार को ट्रैफिक दरोगा मुनेंद्र प्रताप सिंह यातायात व्यवस्था संभाल रहे थे। तभी वहां पहुंची आजादनगर डिपो की रोडवेज बस सड़क पर खड़ी होकर सवारियां बैठाने लगी। दरोगा के अनुसार जाम की स्थिति बनने पर उन्होंने बस को आगे बढ़ाने को कहा तो चालक शैलेंद्र व परिचालक सौरभ भड़क गए। उनसे बहस करने लगे। अभद्रता करते हुए बस चढ़ा देने की धमकी दी।

परीक्षा में 60% अभ्यर्थी रहे गैर हाजिर

पुलिस भर्ती

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

परीक्षा केंद्र से बाहर निकलते परीक्षार्थी। अमृत विचार

- जिलाधिकारी ने सुरक्षा प्रबंध, सीसीटीवी कैमरे, नियंत्रण कक्ष की व्यवस्था देखी
- 7680 युवाओं ने परीक्षा के लिए आवेदन किया था लेकिन 4169 ही पहुंचे

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड, लखनऊ द्वारा आयोजित पुलिस भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन रविवार को 60 प्रतिशत से अधिक अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किये गये थे। एक महिला सिपाही भी परीक्षा देने के लिए पहुंची। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने भी सुरक्षा प्रबंध, सीसीटीवी कैमरे, नियंत्रण कक्ष आदि का निरीक्षण किया।

रविवार को यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा कंप्यूटर अपरेटर ग्रेड ए के लिए कुल 7680 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था लेकिन केवल 4169 अभ्यर्थियों ने ही परीक्षा दी जबकि 3511 परीक्षार्थी ने परीक्षा छोड़ दी। रविवार को लिपिक संवर्ग के एसआई (गोपनीय), एएसआई (लिपिक) व सहायक उपनिरीक्षक (लेखा) कुल 921 पदों के लिए परीक्षा हुई। परीक्षा केंद्र पर प्रवेश के पहले कड़ी चेकिंग से अभ्यर्थियों को गुजरना पड़ा।

आंखों की रेटिना स्कैन, प्रवेश पत्र मिलान और बायोमेट्रिक वेरीफिकेशन के बाद ही अभ्यर्थियों को इंट्री दी गई। परीक्षा के दौरान जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने एसएन सेन डिग्री कॉलेज परीक्षा केन्द्र पर की गई व्यवस्थाओं जैसे परीक्षा कक्षों की तैयारियां, बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध, सीसीटीवी कैमरे, नियंत्रण कक्ष एवं प्रवेश मार्ग आदि का गहनता से जायजा लिया।

सिटी ब्रीफ

कॉनकर द माइक में मचाई धूम

कानपुर। शिलिंग हाउस स्कूल में दो दिवसीय अंतर-विधालयी प्रतियोगिता 'कॉनकर द माइक' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एनएलके पब्लिक स्कूल, डीपीएस, हार्वर्ड पब्लिक स्कूल सहित कई स्कूलों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। एनएलके पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

आज खुलेगा कार्यालय

कानपुर। कानपुर उद्योग व्यापार मंडल दक्षिण के नए कार्यालय की शुरुआत सोमवार को होगी। व्यापार मंडल की ओर से जानकारी दी गई कि नया कार्यालय मार्बल मार्केट में खुलेगा। इस कार्यालय से सदस्यता अभियान संबंधी कार्य शुरू किया जाएगा।

महिला व उसके भाइयों पर हमला

कानपुर। सचेंडी के भैलामऊ में ससुराल पक्ष के लोगों ने एक महिला और उसके भाइयों पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट में महिला और उसका भाई घायल हो गया। भैलामऊ निवासी शिवकांति ने बताया कि उनका पति अखिलेश कमल आएदिन शराब पीकर मारपीट करता है। शिवकांति ने इसकी जानकारी अपने भाई राजाबाबू को दी। पिता, दो भाई समझाने पहुंचे तो ससुराल पक्ष के लोगों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया।

नई योजनाओं के लिए रखे जाएंगे अर्बन प्लानर्स

केडीए शहर के विस्तारीकरण के लिए नई योजनाएं लाएगा, वास्तुकारों, शहरी डिजाइनरों, योजनाकारों का पैनल होगा शामिल

अमृत विचार EXCLUSIVE

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। केडीए नई कार्ययोजना व योजनाओं का एस्टीमेट तैयार करने के लिए अर्बन प्लानर्स और डिजाइनर्स (शहरी योजनाकार व वास्तुकार) तैनात करेगा, ताकि शहर का विकास नियोजित ढंग से हो सके। यह पहली बार होगा जब केडीए योजनाओं की डिजाइन व एस्टीमेट तैयार करने के लिए बड़े स्तर पर वास्तुकारों, शहरी डिजाइनरों, शहरी योजनाकारों, भूदृश्य वास्तुकारों के पैनल को अपने साथ शामिल करने जा रहा है। केडीए के अधिकारियों के अनुसार पैनल की तैनाती से शहर का नियोजित विकास कार्य हो सकेगा।

केडीए ने शहर में 4 औद्योगिक क्षेत्रों, ग्रेटर कानपुर, ऐरो सिटी के साथ ही प्रमुख सड़कों के निर्माण के लिए 37 हजार करोड़ रुपये के विकास कार्य का खाका तैयार किया है। नियोजित ढंग से विकास कार्य आगे बढ़े इसके लिए अर्बन प्लानर्स और डिजाइनर्स का पैनल रखने के लिए 26 नवंबर को टेंडर आमंत्रित किया गया है। 10 नवंबर को प्री बिड मीटिंग रखी है। इसमें

> केडीए की परियोजनाओं के लिए वास्तुशिल्प सेवाएं प्रदान करने में सहायता प्रदान करने के लिए वास्तुकारों, शहरी डिजाइनरों, शहरी योजनाकारों, भूदृश्य वास्तुकारों को पैनल में शामिल करने की योजना बना रहा है। इसके लिए ई-टेंडर पोर्टल पर अपलोड किए गए हैं।
> – मदन सिंह गर्ब्याल, केडीए उपाध्यक्ष

टेंडर फार्म डालने वाली इच्छुक कंपनियों के साथ केडीए अफसर बैठक करेंगे। उनको कोई जानकारी लेनी होगी तो उसको बताया जाएगा। जो कंपनी नियमों का पालन और कम दरों पर कार्य करेगा उसको चुना जाएगा। केडीए के अधिशासी अभियंता मयंक यादव ने बताया कि टेंडर 26 नवंबर को निकाले जाएंगे। आर्किटेंक्टों का पैनल रखा जाएगा ताकि योजना का एस्टीमेट और खाका तैयार कर सके। पैनल में अर्बन प्लानर्स और डिजाइनर्स होंगे। वर्तमान समय में केडीए आवासीय योजना न्यू कानपुर सिटी और उचटी योजना लाने की तैयारी कर रहा है। उचटी योजना जिसे अटल योजना भी कहते हैं इसे पीपीपी के तहत लाने का प्लान है। इसके साथ ही चकेरी में ऐरो सिटी का निर्माण भी होना है। इसके अलावा कई सड़कों का चौड़ीकरण और निर्माण होना है। आर्किटेक्ट होने से एक बेहतर कार्ययोजना बनायी जा सकेगी।

मजबूत तंत्र ही शहर को दे सकेगा नया स्वरूप

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

बैठक में मौजूद शहर की हस्तियां।

अमृत विचार। कानपुर सुपर 100 द्वारा शहर को बेहतर स्वरूप देने को तिलक नगर स्थित भवन में मंथन-विजन कानपुर का आयोजन किया गया। वरिष्ठ उद्यमी नजम हमराज ने कहा कि जब हमारे पास एक मजबूत तंत्र होगा तभी शहर का नया स्वरूप संभव है। उन्होंने दूरदर्शी व्यक्तियों को एक मंच पर लाने को कहा। कानपुर सुपर 100 के संस्थापक डॉ. सिधांशु राय ने कहा कि अनुभवी विशेषज्ञ एवं निवासी नव कानपुर की रूपरेखा तैयार करें।

कानपुर के विभिन्न क्षेत्रों के 100 अनुभवी एवं प्रतिभाशाली व्यक्तियों द्वारा कानपुर सुपर 100 की स्थापना हुई है। उद्यमी बलराम नरूला ने कहा कि शहर का विकास एक नई सोच पर निर्भर करता है। वास्तुशास्त्री विमल झाझरिया ने कहा कि शहर तभी विकसित होगा जब सरकार एवं समाज एक साथ मिलकर कार्य करें। पूर्व आईपीएस अधिकारी रतन श्रीवास्तव ने कहा हमें एक विजन के साथ कार्य करना चाहिए, कानपुर सुपर 100 के विशेषज्ञ अपने अनुभव के आधार

- कानपुर सुपर 100 द्वारा मंथन-विजन कानपुर का हुआ आयोजन

पर छोटे-छोटे स्तर पर शहर का सर्वेक्षण कर रिपोर्ट बनाएं और प्रशासन का सहयोगी बनें। मीडिया एक्सपर्ट विशेष शुक्ला ने कहा हमें शहर के लिए प्राथमिकताएं बनाकर कार्य करना होगा, तभी हम कार्य को वास्तविक अंजाम दे पाएंगे। उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन के डॉ. रजत आदित्य दीक्षित ने कहा लोगों में कानपुर के प्रति भावना विकसित करने के लिए कानपुर वॉक का आयोजन दिसंबर में किया जाए। गोपाल सूतवाला ने कहा कि समाज को उन्नत स्वरूप देना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है।

मीडिया एक्सपर्ट अंजनी निगम ने कहा कि कानपुर की पहचान तभी स्थापित होगी जब हम कार्यक्रमों को विशिष्ट स्वरूप में आयोजित करें। कानपुर हेल्थ कमेटी के डॉ. राज तिलक ने शहर की स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावी स्वरूप देने हेतु अनुभवी स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा गहन मंथन करने को कहा। एनएसआई पूर्व निदेशक डॉ. नरेंद्र मोहन ने कहा जनमानस सोच बदल ले तो वातावरणीय प्रदूषण अवश्य कम होगा। मंथन में डॉ. ओम प्रकाश आनंद, समाजसेवी अनिल गुप्ता, राजेश ग्रोवर, वरिष्ठ पत्रकार अंजनी निगम, अमित अग्रवाल, विवेक मिश्रा, अनिल सिंह, पूनम रानी आदि रहे।

परीक्षा देने से रोकने पर छात्राओं ने काटा हंगामा

कल्याणपुर। रावतपुर के निजी कॉलेज से बीटीसी कर रही दो छात्राओं को फीस न जमा होने का हवाला देकर प्रबंधन ने उनके परीक्षा देने से रोक लगा दी। जिस पर छात्राओं ने दो युवकों पर कॉलेज फीस के नाम पर रुपए हड़पने के आरोप लगा हंगामा काटना शुरु कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने समझा बूझाकर छात्राओं को शांत कराया।

रावतपुर के एक निजी कॉलेज से बीटीसी कर रही छात्रा के मुताबिक वह अपनी बहन के साथ एडमिशन के लिए जब कॉलेज गई थी। तब कॉलेज स्टॉफ ने उन्हें दो युवकों के माध्यम से एडमिशन कराने की सलाह दी थी। जिसपर उन्होंने अपना व अपनी बहन की कुल फीस का एक लाख दस हजार रुपए युवकों को देकर विद्यालय में एडमिशन ले लिया था। दो सेमेस्टर की परीक्षाएं देने के बाद जब छात्राएं तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा देने पहुंची, तो विद्यालय प्रबंधन ने फीस जमा न होने की बात कहकर उनके परीक्षा देने पर रोक लगा दी। जिससे आहत छात्राओं ने रविवार को कॉलेज परिसर पहुंच कर हंगामा काटना शुरू कर दिया। रावतपुर थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर मिलने पर मामले की जांच कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

नई कार्यकारिणी चुनी गई।

तीन बच्चों वाला हिंदू परिवार ही सशक्त: नीरज

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। हुतात्मा दिवस पर बजरंग दल द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में राष्ट्रीय संयोजक नीरज दोनेरिया भी पहुंचे। उन्होंने कहा कि आज का हिंदू समाज तभी सशक्त बन सकता है जब उसका युवा नशे से मुक्त हो और उसका परिवार जिम्मेदारी से समाज के संतुलन को बनाए रखे। उन्होंने कहा कि तीन बच्चों वाला हिंदू परिवार सशक्त है। घोषणा करते हुए कहा कि 9 नवम्बर से 16 नवम्बर तक रन फॉर हेल्थ नशामुक्त युवा, विकसित भारत अभियान पूरे भारत के 10 हजार प्रखंडों में चलाया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि नशे में डूबा युवा न राष्ट्र का निर्माण कर सकता है, न अपने परिवार का कहा कि बजरंग

राष्ट्रीय संयोजक नीरज दोनेरिया प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए। अमृत विचार

रक्तदान शिविर में पदाधिकारी व कार्यकर्ता। अमृत विचार

- हुतात्मा दिवस पर बजरंग दल की ओर से लगा रक्तदान शिविर
- बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक नीरज दोनेरिया भी हुए शामिल

दल अब हर जिले और कॉलेज में नशामुक्त युवा विकसित भारत' अभियान चलाएगा। इस दौरान बजरंग दल द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन आईएमए हॉल परेड, शंभुविला गेस्ट हाउस पनकी गंगागंज, कांशीराम हॉस्पिटल रामादेवी में किया गया। काशीराम हॉस्पिटल में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने भी रक्तदान कर रहे बजरंगियों का उत्साहवर्धन किया। शिवाला स्थित श्रद्धानंद पार्क में बजरंग दल के बलोपासना केन्द्र का भी उद्घाटन राष्ट्रीय संयोजक ने किया । यहां बजरंग दल के पूर्व राष्ट्रीय संयोजक प्रकाश शर्मा, विहिप कानपुर प्रान्त मंत्री राजू पोरवाल, नरेश माहेश्वरी, आचार्य अजीतराज, अमरनाथ, ओमेंद्र अवस्थी आदि रहे। ओमेंद्र अवस्थी ने बताया कि तीनों शिविर में कुल 175 यूनिट रक्तदान हुआ।

फार्मासिस्ट उदयराज सिंह बने अध्यक्ष और सचिन महामंत्री

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सर्वोदय नगर स्थित कर्मचारी राज्य बीमा जच्चा-बच्चा चिकित्सालय में रविवार को ईएसआई डिप्लोमा फार्मेसिस्ट एसोसिएशन उत्तर प्रदेश का द्विवार्षिक अधिवेशन व निर्वाचन हुआ। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद अध्यक्ष प्रभात मिश्रा, फार्मेसिस्ट फेडरेशन अध्यक्ष सुनील यादव, डीसीए पूर्व अध्यक्ष उमेश सिंह बाबा, संतोष तिवारी व बीएल गुलबिया ने दीप प्रज्जवलन से कार्यक्रम की शुरुआत की।

अधिवेशन में चुनाव अधिकारी सोहन सिंह सहायक चुनाव

- ईएसआई डिप्लोमा फार्मेसिस्ट एसोसिएशन उप्र का द्विवार्षिक अधिवेशन व निर्वाचन

अधिकारी प्रभात मिश्र व संतोष तिवारी ने चुनाव की प्रक्रिया संपन्न कराई। चुनाव में उदयराज सिंह अध्यक्ष, महामंत्री सचिन मित्तल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विमल तिवारी, उपाध्यक्ष बृजेश कुमार, कोषाध्यक्ष मोना, संयुक्त मंत्री अनिल कुमार, संगठन मंत्री सौरभ अग्रहरि व संप्रेक्षक धर्मात्मा स्वरूप मिश्रा निर्वाचित घोषित किए गए। नवनिर्वाचित अध्यक्ष उदयराज सिंह ने संगठन के लंबित कार्यों के त्वरित निस्तारण का संकल्प लिया। कार्यकारिणी के साथ एक जुटता बनाए रखते हुए संगठन को आगे बढ़ने का आवाहन किया। फेडरेशन के अध्यक्ष ने फार्मासिस्टों की समस्याओं व वेतन विसंगतियों को दूर करने के लिए संघर्ष करने व परिषद के अध्यक्ष ने संघ की एकजुट पर जोर दिया। मंडल महामंत्री संतोष तिवारी ने संगठनिक शक्ति को बढ़ाने का आह्वान किया। उमेश सिंह ने संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने पर जोर दिया। इस दौरान राजेंद्र कटियार, रतिकांत पाल, अनिल द्विवेदी, नागेंद्र बाजपेई, विवेक यादव, शिवकरण यादव, एसपी सिंह ,अजय बाल्मीकि, राजकुमार, माहीबुद्दीन रहे।

महापौर प्रमिला पांडेय का कैफे में स्वागत किया गया। अमृत विचार

बर्रा में खुला इंडिक्रस्ट पिज्जेरिया एंड कैफे

कानपुर। इंडिक्रस्ट पिज्जेरिया एंड कैफे की नई शाखा का उद्घाटन रविवार को बर्रा में हुआ। महापौर प्रमिला पांडेय ने फीता काटकर शाखा का शुभारंभ किया। संस्थापक योगेश कुशवाहा एवं अनुज प्रकाश ने बताया कि इंडिक्रस्ट पिज्जेरिया एंड कैफे 100 फीसदी शाकाहारी और हस्तनिर्मित पिज्जा के लिए प्रसिद्ध है। यहां ग्राहकों को आरामदायक माहौल के साथ ताजा पिज्जा, पास्ता और पेय पदार्थों का आनंद मिलेगा। कार्यक्रम में पार्षद सुधीर यादव, अखिलेश बाजपेयी, नीरज चड्ढा आदि रहे।

सोशल मीडिया पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में जुटे कुछ कांग्रेसी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। महानगर कांग्रेस में गुटबाजी कम होने का नाम नहीं ले रही है। अब जांच में पता चला है कि पार्टी के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता सोशल मीडिया के माध्यम से पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त हैं। जिनपर पार्टी अब अनुशासनहीनता का डंडा चलाने की तैयारी कर रही है।

रविवार को कानपुर महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष पवन गुप्ता की अध्यक्षता में तिलक हाल में बैठक हुई जिसमें कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता नहीं पहुंचे। महानगर कांग्रेस के 8 पदाधिकारियों पर

- एसआईआर के खिलाफ जागरुकता अभियान की बैठक में भी नहीं पहुंचे

08 पदाधिकारियों पर निष्क्रिय रहने और उनके अनुपस्थित रहने का मुद्दा उठा

लगातार निष्क्रिय रहने और उनके अनुपस्थित रहने का मुद्दा उठा जिसपर अध्यक्ष ने कहा कि मीटिंग से गायब रहने वाले पदाधिकारियों की जांच कराएंगे और पूरी रिपोर्ट अनुशासन कमेटी लखनऊ को भेजी जाएगी। बैठक में 4 नवंबर से महानगर से शुरु होने वाले एसआईआर को लेकर चर्चा हुई जिसपर महानगर अध्यक्ष ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) द्वारा वोट चोरी के किसी भी प्रयास को रोका जाएगा। पूर्व अध्यक्ष हरप्रकाश अग्निहोत्री, नरेश त्रिपाठी, पूर्व अध्यक्ष नौशाद आलम मंसूरी, शंकर दत्त मिश्रा, रितेश यादव, रमाकांत मिश्रा, हरीश बाजपेई, सैमुअल लकी सिंह, नरेश पाठक, संतोष त्रिपाठी, बृजेश गुप्ता, पदम मोहन मिश्रा, आर के जगत, सुनील राठौर, अजय प्रकाश तिवारी, वसुंधरा वर्मा,आसिफ इकबाल,पूजा भारद्वाज, अतीक अहमद, मोहित दीक्षित, धर्मेंद्र सिंह ,अब्दुल जब्बार, जलील अहमद, रवि आनंद ,विवेक पाल, रामजी दुबे आदि थे।

रक्तदाताओं के साथ एडीजी आलोक सिंह व अनिल सिंह, संतोष सिंह चौहान।

51 लोगों ने किया रक्तदान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। संकल्प सेवा समिति एवं कृष्णा फाउंडेशन एकेडमी के संयुक्त तत्वाधान में जरौली स्थित एक विद्यालय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। 51 लोगों ने रक्तदान किया। एडीजी आलोक सिंह ने रक्तदाताओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर समिति के कोषाध्यक्ष पुनीत द्विवेदी, विमल सेंगर, योगेन्द्र चौहान, विद्यालय के शिक्षक सुमेधा दीक्षित, मीनाक्षी, संध्या अग्निहोत्री, संस्था के संरक्षक राजनरायन द्विवेदी, अनिल सिंह बाबा, डॉ. लोकेंद्र सिंह ने मुख्य अतिथि को सम्मानित किया। संकल्प सेवा समिति के अध्यक्ष संतोष सिंह चौहान ने बताया कि आज संस्था का 229 वां रक्तदान शिविर था और हमेशा जरूरतमंद के लिए रक्तदान शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे। इस अवसर पर अभिषेक चौहान, राजवेंद्र सचान, शशि बाजपेई, वंदना सिंह आदि उपस्थित रहीं।

मांगें | श्री गुरु सिंह सभा के पदाधिकारी राज्यपाल से मिले

पंजाबी-सिंधी भाषा अनुसंधान केंद्र की आस

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर के चेयरमैन व पूर्व एमएलसी सरदार कुलदीप सिंह छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय में पंजाबी एवं सिंधी भाषा अनुसंधान केंद्र के लिए कई वर्षों से प्रयासरत थे जिन्हें अब सफलता मिलती दिखाई दे रही है। पूर्व एमएलसी ने लखनऊ में राज्यपाल से मुलाकात की और अनुसंधान केंद्र समेत कई प्रस्ताव रखे। इसी सिलसिले में अब 9 नवंबर को कानपुर विवि में इंटेलिजेंसिया मीट होने जा रही है जिसमें कई विवि के कुलपति शिरकत करेंगे।

श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर के चेयरमैन सरदार

राज्यपाल के समक्ष प्रस्ताव रखते पूर्व एमएलसी सरदार कुलदीप सिंह।

- श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर ने राज्यपाल के समक्ष रखे कई प्रस्ताव

कुलदीप सिंह ने राज्यपाल आनंदी बेन पटेल को प्रस्ताव देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय स्तर पर ऐसे पाठ्यक्रम और अनुसंधान कार्यक्रम शुरू किए जाएं, क्योंकि यह न केवल भटके हुए युवाओं को सही रास्ते पर वापस लाएगा, बल्कि राष्ट्र के लिए एक स्थायी उपहार के रूप में भी काम करेगा। पूर्व एमएलसी ने बताया कि अपनी मांगों को लेकर उक्त प्रस्तावों को लागू करने के लिए उपकुलपति विनय पाठक से कई मीटिंग की गई उन्होंने गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वी शहीदी शताब्दी वर्षगांठ पर उक्त प्रस्तावों को लागू करने की अनुमति दे दी। उन्होंने बताया कि 9 नवंबर को कानपुर विवि में प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक इंटेलिजेंसिया मीट होगी जिसमें मुख्य रूप से पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला के उपकुलपति डॉक्टर जगदीप सिंह, श्री गुरु ग्रंथ साहिब वर्ड यूनिवर्सिटी फतेहगढ़ साहब के उपकुलपति डाक्टर प्रतिपाल सिंह, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी उप कुलपति राष्ट्रपति पदक विभूषित डा. मनप्रीत सिंह मन्ना, गुरमत कॉलेज पटियाला की प्राचार्य डॉक्टर जसबीर कौर और एनसाइक्लोपीडिया ऑफ सिखिज्म पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला के डॉक्टर परमवीर सिंह प्रमुख रूप से शिरकत करेंगे। श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर की बैठक में सिमरन जीत सिंह, संजय टंडन, राजेन्द्र सिंह, गुरविंदर सिंह, और अमरजीत सिंह चड्ढा, गुरविंदर सिंह, सुखप्रीत सिंह आदि रहे।

कुशवाहा समाज की बैठक में विधायक का सम्मान किया गया।

मामा तालाब में लगेगी चंद्रगुप्त मौर्य की प्रतिमा

कानपुर। कुशवाहा समाज की मांगों को वरीयताक्रम में पूरा किया जाएगा। मसवानपुर स्थित मामा तालाब पर चक्रवर्ती समरत चंद्रगुप्त मौर्य की प्रतिमा लगाई जायेगी और शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग समाज के महापुरुषों की प्रतिमा लगाने का कार्य किया जाएगा। ये आश्वासन विधायक सुरेंद्र मैथानी ने दिया। रविवार को कुशवाहा समाज कानपुर नगर की बैठक एमआईजी 9 रतनपुर में हुई जिसमें मुख्य अतिथि गोविंद नगर विस क्षेत्र के विधायक सुरेंद्र मैथानी ने विचार रखे। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के संरक्षक एवं संस्थापक एडवोकेट शशिकांत कुशवाहा ने किया। अध्यक्षता राजनाथ कुशवाहा एवं संचालन महामंत्री हरे राम वर्मा ने किया। मुख्य अतिथि विधायक मैथानी ने कहा कि समाज हमेशा साथ रहता है। संस्था के संरक्षक एडवोकेट शाशिकांत कुशवाहा ने मांग किया कि 10 मनोनीत पार्षदों में एक पार्षद कुशवाहा समाज का होना चाहिए। शशिकांत कुशवाहा, अरविंद कुशवाहा, दिनेश कुशवाहा, अंकित कुशवाहा, गुलाब वर्मा, हरिराम वर्मा एवं रविंद्र कुशवाहा रहे।

सिटी ब्रीफ

वंदे मातरम का सामूहिक गान का होगा आयोजन

कानपुर। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा 7 नवंबर को कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के दो महानगरों कानपुर महानगर एवं झांसी महानगर में सामूहिक रूप से वंदे मातरम का गान करेगी। क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने बताया कि पार्टी ने देशभर के 150 महानगरों में वंदे मातरम का पूर्ण गान करने का निर्णय लिया है। क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी ने बताया कि क्षेत्रीय महामंत्री पूनम द्विवेदी को कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र का संयोजक नियुक्त किया गया है। उत्तर में जिला मंत्री अनुपम मिश्र, दक्षिण में जिला मंत्री अनुराग शुक्ला को संयोजक बनाया गया है।

मेट्रो स्टेशन बना नवोदित कलाकारों के लिए मंच

कानपुर। कानपुर मेट्रो की पहल "शो योर टैलेंट'' के तहत रविवार को 'हिंदीवाला' संस्था के सहयोग से कानपुर सेंट्रल मेट्रो स्टेशन पर काव्य पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें शहर और शहर के बाहर से आए कई युवा कवियों ने मंच साझा किए। डॉ. दिव्यांशु पांडेय ने अपनी कविता "चांद ने भी नजर छुपाकर कहा, मैं चमक बस रहा चांदनी के लिए" सुनाकर दर्शकों का दिल जीत लिया। युवा कवि करतल किशोर की पंक्तियां "सुख पल दो पल में बूढ़ा हो जाता है, दु:ख की दुल्हन नई नवेली रहती है श्रोताओं के मन में गूंजती रहीं। अतुल फर्रूखाबादी शुभम तिवारी ने भी कविता पाठ किया।

वट वृक्ष का पूजन व जनेऊ

कानपुर। वार्ड 55 गुजैनी के जी ब्लॉक बड़ा पार्क में तीन वट वृक्ष का विधि विधान से पूजन व जनेऊ किया गया। जिसमें क्षेत्र की माताएं, बहनें व क्षेत्र के नागरिक मौजूद रहे। प्रमुख रूप से रमेश चंद्र शुक्ला, रामनाथ शुक्ला, श्याम बाबू कटिहार, सतीश चंद्र गुप्ता की उपास्थिति में महिलाओं ने गीत गाकर वट वृक्ष की पूजा अर्चना की। पूर्व पार्षद अनिल वर्मा ने बताया यही पार्क 4 वर्ष पहले कूड़ा अड्डा बना हुआ था। आज सबकी मेहनत से पर हरा भरा है।

पांच हजार वाली जांच पारस में हुई फ्री

कानपुर। बिठूर, कोठारी चौराहा स्थित पारस हेल्थ में गैस्ट्रो संबंधित समस्याओं से पीड़ित व्यक्तियों के लिए निशुल्क फाइब्रोस्कैन कैंप का आयोजन किया गया। वरिष्ठ गैस्ट्रो विशेषज्ञ डॉ.अनुराग सचान ने लिवर से जुड़ी प्रमुख बीमारियों में फैटी लिवर रोग, क्रोनिक हेपेटाइटिस बी व सी, सिरोसिस और अल्कोहल सम्बन्धित लिवर की बीमारी के लिए परामर्श दिया। डॉ.सचान के मुताबिक पांच हजार रुपये में होने वाली फाइब्रोस्कैन जांच कैंप में निशुल्क की गई। इस जांच से लिवर सम्बन्धित रोगों की पहचान आसानी से होती है। कैम्प में प्रथम 100 पंजीकरण कराने वालों की बॉडी जांच भी मुफ्त की गई।

ई-रिक्शे में छात्रा से अश्लीलता करने वाला गिरफ्तार

कानपुर। नौबस्ता में कालेज से लौट रही छात्रा के साथ ई-रिक्शे में सवारी बन बैठे शोहदे ने छेड़खानी की। छात्रा के शोर मचाने पर चालक ने ई-रिक्शा रोका तो शोहदा भागने लगा। लोगों ने उसे पकड़ कर पीटने के बाद पुलिस को सौंप दिया। नौबस्ता थाना प्रभारी ने बताया कि हनुमंत विहार गल्लामंडी निवासी सुमित अग्निहोत्री के खिलाफ छात्रा की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जेल भेजा गया है।

एआई को असिस्टेंट ही रहने दें बॉस न बनाएं डॉक्टर्स:डॉ राय

मेडिकल कॉलेज में यूपी एपीकॉन-2025 में वरिष्ठ डॉक्टरों ने दी महत्वपूर्ण जानकारी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। मेडिकल फील्ड में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को (एआई) अधिक महत्व दिया जा रहा है, जो कई मामलों में काफी बेहतर है। सटीक इलाज और निदान में भी अच्छा रोल अदा कर रहा है, लेकिन एआई को हमें सिर्फ असिस्टेंट के रूप में ही देखना चाहिए, एआई को बॉस नहीं बनाना चाहिए। क्योंकि बिना डॉक्टर के एआई अपने आप से तो कुछ नहीं करता, बल्कि एआई आधारित मशीन और रोबोट को चलाते तो डॉक्टर ही हैं। इससे ही मरीजों को राहत मिलती है। यह जानकारी रविवार को बनारस से आए डॉ.मधुकर राय ने दी।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में रविवार को एसोसिएशन ऑफ फिजीशियन ऑफ इंडिया ने उत्तर प्रदेश चैप्टर के 42वें वार्षिक अधिवेशन यूपी एपीकॉन-2025 का आयोजन सफलता पूर्वक किया, जिसमे जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज समेत अन्य कॉलेजों से आए डॉक्टरों व मेडिकल छात्र-छात्राओं ने अपने शोध प्रस्तुत किए। अधिवेशन में लखनऊ एसजीपीजीआई के निदेशक पद्मश्री डॉ.आरके धीमान शामिल हुए, वह राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम के चेयरमैन भी हैं। बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस से लड़ना और 2030 तक देश भर में हेपेटाइटिस-सी का उन्मूलन करना, हेपेटाइटिस बी और सी (सिरोसिस और हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा (यकृत कैंसर)) से जुड़ी संक्रमित आबादी, रुग्णता और मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी लाना और हेपेटाइटिस ए व ई के कारण होने वाले जोखिम, रुग्णता और मृत्यु दर को कम करना है। बताया कि ऐसे सम्मेलन से डॉक्टरों और छात्र-छात्राओं के बीच मनोबल बढ़ता है। शोध प्रस्तुत करने की ललक डॉक्टरों और छात्र-छात्राओं में बढ़ती है, जिसका सीधा लाभ मरीजों को मिलता है। बीमारियों के निदान में आसानी होती है, मरीजों की परेशानी कम होती है और फिर संबंधित शोध देश व विदेश में प्रस्तुत होने पर संबंधित बीमारी से ग्रस्त पूरे देश के लोगों को उसका लाभ मिलता है। कहा कि वायरल हेपेटाइटिस की शीघ्र जांच और उपचार की आवश्यकता है। इस दौरान मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो.संजय काला, उप प्राचार्य प्रो.रिचा गिरी, कार्यक्रम सचिव डॉ.एसके गौतम, डॉ.सौरभ अग्रवाल, डॉ.आरके वर्मा, डॉ.एमपी सिंह, डॉ. विशाल गुप्ता, डॉ.जेएस कुशवाहा, डॉ.बीपी प्रियदर्शी, डॉ.आदित्य कुमार आदि डॉक्टर्स मौजूद रहे।

पद्मश्री डॉ.आरके धीमान को स्मृति चिह्न देते डॉ. रिचा गिरि, डॉ. संजय काला, डॉ. पियूष।

थायरॉइड से मां बनने में आती दिक्कत

- डॉ.मधुकर राय ने बताया कि थायराइड से मां बनने में दिक्कतें आ सकती हैं, क्योंकि यह हार्मोन असंतुलन के कारण अंडोत्सर्जन और मासिक धर्म चक्र को बाधित करता है। इससे गर्भधारण मुश्किल हो जाता है। गर्भावस्था के दौरान अनुपचारित थायराइड से शिशु के विकास में समस्या, गर्भपात, प्री-एक्लेमप्सिया और समय से पहले बच्चे के जन्म जैसी जटिलताएं भी हो सकती हैं। हालांकि, थायराइड का सही निदान, इलाज और गर्भावस्था की योजना बनाने से पहले डॉक्टर से परामर्श लेकर सफल गर्भधारण हो सकता है। वहीं, हाइपरथायरायडिज्म में वजन में कमी, तेज दिल की धड़कन, पसीना, घबराहट और गर्मी के प्रति संवेदनशीलता जैसे लक्षण नजर आते हैं। जबकि हाइपोथायरायडिज्म में थकान, वजन बढ़ना, ठंड लगना, कब्ज और शुष्क त्वचा जैसे लक्षण दिखते हैं। ऐसे में सचेत होकर इलाज कराना चाहिए। लापरवाही नहीं बरतना चाहिए।

डीएनए में बदलाव से थायरॉइड ग्रंथि में ट्यूमर बनता

- डॉ.मधुकर राय ने बताया कि थायरॉइड की कोशिकाओं के डीएनए में बदलाव होने से थायरॉइड ग्रंथि का ट्यूमर होता है, जिससे वह अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगती हैं। यह असामान्य कोशिकाओं का जमाव एक गांठ या ट्यूमर बनाता है। इसके पीछे मुख्य वजह आनुवंशिक परिवर्तन, बचपन में विकिरण का संपर्क या पहले से मौजूद थायरॉइड की स्थितियां आदि शामिल है। बताया कि गर्दन में गांठ या सूजन, अधिक समय तक आवाज में बदलाव या निगलने में कठिनाई जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। क्योंकि अधिकांश थायरॉइड कैंसर बहुत धीरे-धीरे बढ़ते हैं और प्रारंभिक अवस्था में इनका इलाज संभव है। लापरवाही करने पर स्थिति और गंभीर हो जाती है। ट्यूमर बढ़कर आस-पास के ऊतकों और लिम्फ नोड्स में फैल सकता है। कुछ मामलों में कैंसर कोशिकाएं शरीर के अन्य हिस्सों, जैसे फेफड़ों और हड्डियों में भी फैल सकती हैं।

जानकारी देते डॉ. आनंद चेल्लाप्पन।

शुगर मरीजों में किडनी फेल की भी आशंका

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। खराब जीवनशैली, अस्वास्थ्यकर आहार व शारीरिक गतिविधि की कमी की वजह से लोगों में कई प्रकार की समस्या देखने को मिल रही हैं, जिनमे शुगर (डायबिटीज) भी शामिल है, जो एक बार हो जाए तो उसका जड़ से इलाज फिलहाल नामुमकिन है। हालांकि, इसे नियंत्रित जरूर किया जा सकता है। मोटापा और आनुवंशिकता भी शुगर का कारण है। एक अध्ययन में जानकारी हुई है कि शुगर ग्रस्त मरीजों में 40 फीसदी आशंका किडनी फेल होने की रहती है। यह जानकारी नागपुर एम्स से आए डॉ.आनंद चेल्लाप्पन ने दी।

डॉ.आनंद चेल्लाप्पन ने बताया कि शहरीकरण और आधुनिक जीवनशैली के कारण प्रोसेस्ड फूड का अधिक सेवन और तनाव का स्तर बढ़ना भी शुगर के प्रमुख कारण में शामिल है। शुगर के मरीजों की संख्या बढ़ रही है और शुगर के मरीजों की किडनी में विफलता का खतरा बढ़ जाता है। टाइप-1 शुगर में लगभग 30 फीसदी, और टाइप-2 शुगर के 10 फीसदी से 40 फीसदी मरीजों में गुर्दे की विफलता हो सकती है।

उच्च रक्त शर्करा रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाती है, जिससे किडनी ठीक से फिल्टर नहीं कर पाती हैं और समय के साथ यह गंभीर समस्या बन सकती है। वहीं, उच्च रक्तचाप, जो अक्सर मधुमेह के साथ होता है, किडनी पर अतिरिक्त दबाव डालता है और क्षति की गति को तेज करने काम करता है। हाई ब्लड शुगर में किडनी ठीक से रक्त को फिल्टर नहीं कर पाती, जिससे रक्त में अपशिष्ट पदार्थ जमा हो जाते हैं और मूत्र में प्रोटीन आने लगता है।

ओवर दी काउंटर वाली दवाओं पर रोक जरूरी

- लखनऊ से आए डॉ.अमित गुप्ता ने बताया कि ओवर दी काउंटर वाली दवाओं पर रोक लगनी चाहिए। अधिक समय तक चलने वाली दर्द की दवा, शुगर, बीपी, व हाइपरटेंशन किडनी पर काफी प्रभाव डालती है। किडनी डोनेशन के संबंध में सरकार और कानून को भी अपने स्तर से कार्य करना चाहिए। ताकि मरीज की जान बचाने में और आसानी हो सके। दक्षिण व पश्चिम भारत के लोग किडनी डोनेट के संबंध में काफी जागरूक है, लेकिन उत्तर भारत के लोग काफी पीछे हैं, जिसमे उत्तर प्रदेश व बिहार शामिल हैं। कहा कि जिन मरीजों का ब्रेन डेड हो जाता है, ऐसे मरीज भी किडनी डोनेट कर किसी का जीवन बचा सकते हैं, इसके लिए लोगों के बीच जागरूकता होना काफी जरूरी है।

पेट में घुसी सरिया निकालकर बच्चे की बचाई जान

कानपुर। फतेहपुर निवासी एक पांच वर्ष का बालक पतंग उड़ाते हुए एक मंजिल की छत से गिर गया था, जिस दौरान उसके पेट से सरिया आर-पार निकल हो गई थी। परिजन बच्चे को लेकर 25 सितंबर को रीजेंसी हॉस्पिटल की इमरजेंसी पहुंचे। पीडियाट्रिक सर्जन डॉ. रजत गुप्ता को जांच में पता चला कि सरिया घुसने से पेट के अंदर कई रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचा है और गंभीर आंतरिक रक्तस्राव हुआ। डॉक्टरों ने बच्चे का ऑपरेशन शुरू किया। टीम में पीडियाट्रिक्स एंड नियोनेटोलॉजी, सीनियर डायरेक्टर डॉ. रश्मि कपूर और पीडियाट्रिक क्रिटिकलकेयर, सीनियर कंसल्टेंट डॉ. तरुण चंद्रा व सीनियर एनेस्थेटिस्ट डॉ.रजनीश बाजवा ने पीडियाट्रिक क्रिटिकल केयर की टीम साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. रजत गुप्ता ने बताया कि कई घंटों तक चली इस जटिल सर्जरी के दौरान डॉक्टरों की टीम ने सावधानी से सरिया को निकाला।

डॉ. रजत गुप्ता।

चलीं लाठियां, दो घायल

कानपुर। कल्याणपुर के मकड़ीखेड़ा में वाहन पार्किंग को लेकर रविवार को दो पक्षों में कहासुनी के बाद विवाद हुआ। पड़ोसी लोकनाथ, उसका बेटा रोहित निषाद और रोहित की पत्नी ने शिवांग वर्मा, उसके भाई आदित्य वर्मा पर लाठी और ईंटों से हमला हुआ। मारपीट में दोनों भाइयों को गंभीर चोटें आईं। बीच-बचाव करने पहुंचीं उनकी मां रेनु निषाद के साथ भी गाली-गलौज की गई।

पूर्वजों की कब्र को लाइटों और फूलों से सजाया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- क्रिश्चियन कब्रिस्तान में पूर्वजों की कब्र पर फादर ने पवित्र जल छिड़का
- अपने मृत परिजन, मित्रों की आत्मा को प्यार, सम्मान से याद किया

अमृत विचार। पवित्र पर्व ऑल सोल्स डे पर ईसाई समाज के लोगों ने क्रिश्चियन कब्रिस्तान चुन्नीगंज, जूही और बाबूपुरवा में अपने पूर्वजों की कब्र को लाइटों एवं फूलों से सजाकर सम्मान से याद किया।

रविवार को मसीह समाज के लोग सुबह से शाम तक कब्रिस्तान में अपने पूर्वजों की कब्र पर फूल माला अगरबत्ती केवड़ा आदि सुगंधित फूल मालाओं से सजाते रहे। इस अवसर पर फादर थॉमस कुमार, फादर केके एंथोनी, फादर अनिल माइकल, फादर राजेश साइमन ने मिस्सा बलिदान चढ़ाकर प्रार्थना करने के साथ-साथ कब्रिस्तान में सो रहे सभी की कब्र पर पवित्र जल छिड़ककर आशीष प्रदान की। चुन्नीगंज स्थित क्रिश्चियन कब्रिस्तान में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे क्रिश्चियन सिमेट्री बोर्ड के सचिव पादरी डायमंड युसूफ ने बताया 2 नवंबर का दिन ईसाई धर्म के लोग आत्माओं का दिवस मनाते हैं जिसे ऑल सोल्स डे के नाम से जाना जाता है। मनोज मैकार्टिस, मेरी जीसस एजूकेशन सेंटर के प्रबंधक नोबल कुमार, पादरी माइकल पतरस, पादरी अमरजीत सिंह, पादरी हनी कालॉडियस, पादरी संदीप सोलोमन, पूर्व अध्यक्ष फादर राजेश, मोनिका विलियम, राजू विलियम, पादरी विनय कुमार, जय किशन, पादरी राजकुमार गौतम आदि मौजूद रहे।

ईसाई कब्रिस्तान में दुआ करते लोग। अमृत विचार

1100 दीपक गंगा में किए प्रवाहित

कानपुर। अखिल भारतीय ओमर ऊमर वैश्य युवजन संघ की ओर से रविवार को देव दीपावली मनाई गई। संघ से जुड़े सदस्यों व पदाधिकारियों ने 11 सौ दीपकों को पतित पावनी मां गंगा में दान किया। समारोह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित हुईं। इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को निर्णायकों के मतानुसार पुरस्कृत भी किया गया। कार्यक्रम में सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ भी भक्तों की ओर से किया गया। समारोह में 15 से अधिक समाज सेवी संगठनों ने शिरकत की।

गुरुद्वारा से निकाली गई प्रभात फेरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- गुरु नानक साहिब जी के प्रकाश पर्व पर वाहे गुरु का जप

अमृत विचार। श्री गुरु नानक साहिब जी के प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा कलगीधर सिंह सभा ब्लाक 11 गोविंद नगर से प्रभातफेरी निकाली गयी जिसमें बच्चे पंजप्यारे बने हुए थे। उनपर फूलों की बारिश की गई। इस दौरान बच्चों ने शबद गायन कर संगत को निहाल किया।

रविवार को भोर में गुरूद्वारा श्री कलगीधर सिंह सभा ब्लाक 11 में प्रभातफेरी निकाली गई जिसमें वाहे गुरु वाहे गुरु का जप किया गया। प्रभातफेरी में सबसे आगे छोटे छोटे बच्चों को पंच प्यारों के रूप में सजाया गया जबकि उनके पीछे-पीछे संगत शबद कीर्तन करते हुए चल रही थी। प्रभात फेरी गोविन्द नगर के विभिन्न हिस्सों से होते हुए वापस गुरुद्वारा में समाप्त हुई। इस दौरान प्रभातफेरी के मार्गों पर जगह जगह फूलों की बारिश की गई।

गुरुद्वारा में रागी इकबाल सिंह ने शबद गायन करके संगत को निहाल किया। गुरुद्वारा के सेवादार टीपी सोनू ने बताया कि श्री गुरु नानक साहिब जी के प्रकाश पर्व पर शहर के विभिन्न गुरुद्वारों से प्रतिदिन प्रभातफेरी निकाली जा रही है। रविवार को गुरुद्वारा कलगीधर से अंतिम प्रभातफेरी थी।

गोविंद नगर से निकाली गई प्रभातफेरी। अमृत विचार

मैदान पर दोनों टीमों के खिलाड़ी।

आईएमए वारियर्स व रॉयल्स ने जीता मैच

कानपुर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की ओर से आयोजित आईएमए क्रिकेट टूर्नामेंट में रविवार को दो रोमांचक मुकाबले हुए। पहले मैच में आईएमए वारियर्स और आईडीए कानपुर देहात के बीच मुकाबला हुआ। जिसें आईएमए वारियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 168 रन बनाए। जवाब में आईडीए कानपुर देहात ने छह विकेट के नुकसान में 166 रन ही बना सकी। इस तरह वारियर्स ने मुकाबला दो रन से जीत लिया। मैन ऑफ द मैच डॉ. मानव लूथरा रहे, उससे पहले मैच का शुभारंभ आईएमए कानपुर के पूर्व अध्यक्ष डॉ. बृजेंद्र शुक्ला ने किया। दूसरा मुकाबला आईएमए अवेंजर्स और आईएमए रॉयल्स के बीच खेला गया। जिसमें अवेंजर्स ने पांच विकेट पर 188 रन बनाए। जवाब में रॉयल्स ने बिना कोई विकेट खोए 190 रन बनाकर मैच 10 विकेट से जीत लिया। मैन ऑफ द मैच डॉ. दक्ष गड़ी रहे। इस मैच का उद्घाटन आईएमए कानपुर के पूर्व सचिव डॉ. देबज्योति देबरॉय व आईएमए कानपुर की सचिव डॉ. शालिनी मोहन ने किया। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला आईएमए वारियर्स और रॉयल्स के बीच चार नवंबर को दोपहर 12 बजे से टीएसएच मैदान पर खेला जाएगा।

कार्यक्रम

वंदनम कार्यक्रम के जरिए बच्चों को सम्मान करने की दी गई सीख

अभिभावकों का वंदन, जीवन महकाता जैसे चंदन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान कानपुर की ओर से रविवार को वंदनम कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को अभिभावकों, गुरुओं व अतिथियों का सम्मान करने की सीख दी गई। पं. दीनदयाल उपाध्याय सनातन धर्म विद्यालय नवाबगंज में हुए आयोजन में संदेश दिया गया कि अभिभावकों का वंदन चंदन की तरह जीवन को महका देता है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जयपुर से आए हिंदू आध्यात्मिक सेवा संस्थान के अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्य सोमकांत ने बच्चों को वंदन का महत्व समझाया। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति शिक्षाविद प्रोफेसर गिरीश त्रिपाठी ने बच्चों को सफलता के लिए विनम्रता का महत्व समझाया। प्रान्त संघ चालक भवानी भीख व डॉ. श्याम बाबू गुप्त भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में संदेश दिया गया कि देवोत्थान एकादशी के दिन किया गया माता-पिता एवं गुरु का वंदन प्रतिफल वही प्राप्त होगा जो सौ वर्षों तक लगातार ब्रह्म मुहूर्त में करने से प्राप्त होता है। वन्दनम में 51 परिवारों के बच्चों ने अपने माता-पिता, बाबा- दादी का वन्दन कर साष्टांग प्रणाम किया। कार्यक्रम में लगभग 20 विद्यालयों के शिक्षकों का उनके छात्र-छात्राओं के द्वारा वन्दन किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के पदाधिकारी डॉ. शैलेंद्र द्विवेदी, राहुल मिश्रा, चंद्रप्रकाश पांडेय, विवेक शर्मा, प्रमोद पांडे, शैलजा रावत, विपिन शुक्ला, प्रोफेसर सीएल मौर्य रहे।

बच्चों को बड़ों का सम्मान करने की सीख दी गई। अमृत विचार

श्याम बाबा का मना जन्मोत्सव

कानपुर। लव यू श्याम परिवार की ओर से रविवार को देवोत्थानी एकादशी पर श्याम नगर में श्याम बाबा जन्म उत्सव मनाया। जिसमें विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने स्कूल के बच्चों को उपहार और प्रसाद वितरण किया। कार्यक्रम में स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत सहसंयोजक केशव बाजपेई भी मौजूद रहे। उन्होंने बच्चों को देवोत्थानी एकादाशी का महत्व बताया। उन्होंने स्वदेशी के इस्तेमाल का संकल्प भी दिलाया। विशिष्ट रूप से मयूर ग्रुप के निदेशक सुनील गुप्ता, मंटोरा समूह के निदेशक निशांत गुप्ता, संजय जालान, हर्ष जालान, सीमा जालान और सोनू अग्रवाल सहित अन्य मौजूद रहे।

जन्मोत्सव पर केक काटते सतीश महाना।

न्यूज ब्रीफ

साहू समाज की बैठक में गंगा सफाई को लेकर जताई चिंता

शुक्लागंज, अमृत विचार। रविवार को साहू समाज की मासिक बैठक पोनी रोड स्थित एक गेस्ट हाउस में हुई। इसमें समाज के सदस्यों ने गंगा सफाई को लेकर चिंता जताई और लोगों से अपील की कि वे पुरानी मूर्तियों को गंगा में न प्रवाहित करें तथा गंदगी फैलाने से बचें। सदस्यों ने कहा कि गंगा हमारी मां हैं, उनकी स्वच्छता सभी की जिम्मेदारी है। बैठक में समाज के अध्यक्ष सुनील साहू, महेश गुप्ता, जयपाल साहू, विजय साहू, रोहित साहू, फरीराम साहू, मोनू साहू, अजय साहू व संस्थापक अनिल साहू आदि मौजूद रहे।

सड़क हादसे में घायल अधेड़ ने तोड़ा दम

उन्नाव, अमृत विचार। सदर कोतवाली क्षेत्र के नासिरखेड़ा निवासी श्याम सुंदर (51) पुत्र स्व. साहब लाल खेती करता था। बीती 19 अक्टूबर को वह गांव के बाहर कानपुर-लखनऊ हाईवे स्थित अपने भाई के होटल से पैदल लौट रहा था। तभी तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से वह गंभीर घायल हो गया था। परिजनों ने उसे कानपुर हैलट में भर्ती कराया था। लेकिन वह सिर में लगी चोट से कोमा में चला गया था। हालत में सुधार न होने से परिजन उसे एक निजी अस्पताल ले गए। जहां उसकी मौत हो गई। परिजन शव लेकर घर लौटे और पुलिस को सूचना दी। इस पर दरोगा करुणा शंकर ने जांच के बाद रविवार को शव का पोस्टमार्टम कराया। भाई जीत बहादुर ने बताया कि श्याम सुंदर के तीन बच्चों में बेटे अजय, विजय व बेटी अर्चना है। पति की मौत से पत्नी कमलेश व बच्चे रो-रोकर बेहाल हैं।

ट्रेन यात्री से छीना गया मोबाइल व नकदी बरामद

शुक्लागंज। जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने रविवार को संदिग्धों की तलाश अभियान के दौरान एक आरोपी को पकड़कर ट्रेन लूट की घटना का खुलासा किया। कानपुर पुल बाया किनारा रेलवे स्टेशन परिक्षेत्र में मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने संदिग्ध युवक को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान आरोपी के पास से ट्रेन यात्री से छीना गया मोबाइल फोन और तीन सौ रुपये नगद बरामद किए गए। जीआरपी प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि रविवार को गंगाघाट रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ के साथ संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया गया था। इस दौरान मुखबिर की सूचना पर चंपापुरवा निवासी मोहम्मद अजमेरी पुत्र मोहम्मद रियाजुल को पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसके पास से चोरी का मोबाइल और नगदी बरामद हुई। आरोपी ने ट्रेन में यात्री से मोबाइल व रुपये छीने जाने की बात स्वीकार की। जीआरपी ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद न्यायालय भेज दिया।

फिर से एक हुए 26 विवाहित जोड़े

उन्नाव। एसपी जय प्रकाश सिंह के निर्देश पर जिले के थाना-कोतवालियों में स्थित महिला हेल्प डेस्क में पति-पत्नी के विवादित जोड़ों को बुलाया गया। परिवार परामर्श केन्द्र व महिला हेल्पडेस्क की टीम ने उनकी काउंसिलिंग करते हुए उनके विवाद खत्म कराए। इसके बाद महिला थाना से 7, सोहरामऊ से 6, फतेहपुर चौरासी से 4, बेहटा मुजावर से 2, हसनगंज, माखी, सफीपुर, बारासगवर, आसीवन, पुरवा व कोतवाली सदर से 1-1 जोड़े को बिना विवाद साथ रहने के वादे के साथ विदा किया गया। इस कार्य में परिवार परामर्श केंद्र समिति के प्रभारी डा. आशीष श्रीवास्तव की पत्नी शिल्पी श्रीवास्तव, पुलिस टीम से रेखा सिंह प्रभारी निरीक्षक महिला थाना, हेड कान्स्टेबल शकुंतला, कमलेश कुमारी, महिला सिपाही अल्का यादव, निक्की चौहान, सोनम का विशेष योगदान रहा।

हसनगंज से औरास के बीच 37 जगह टूटी एक्सप्रेस-वे की फेंसिंग

फेंसिंग टूटी होने से मवेशी व आम लोग एक्सप्रेस-वे पर बनते हैं हादसों का शिकार

संवाददाता, हसनगंज, उन्नाव

अमृत विचार लाइव

अमृत विचार। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे की टूटी जाली के कारण आवारा मवेशियों व पैदल चलने वालों के सड़क पर आने से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। जिसके चलते आएदिन लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ता है। जिम्मेदार जानकर भी अनजान हैं।

बता दें कि हसनगंज क्षेत्र के किलोमीटर संख्या-278 से औरास थानाक्षेत्र के किलोमीटर संख्या-288.5 तक करीब 37 जगह जाली टूटी है। जिससे आसपास के लोगों के पालतू मवेशियों के अलावा आवारा मवेशी भी एक्सप्रेस-वे पर पहुंच जाते हैं। जिससे हादसे होने का खतरा बना रहता है। इन जालियों को ठीक करने का ठेका तो दे दिया गया लेकिन ठेकेदारों से इस कार्य के बारे में कोई जानकारी नहीं ली जा रही है। जानकारी के अनुसार, इन जालियों को ठीक करने के लिए यूपीडा ने एटलस नामक कंपनी को जिम्मेदारी दी है और सिर्फ कागजों में ही टूटी हुई फेंसिंग की मरम्मत का काम चल रहा है। एक्सप्रेस-वे पर वाहनों की टक्कर से ये जाली कई जगह क्षतिग्रस्त हो गई थीं और अब इन्हें बदलकर एक्सप्रेस-वे की सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा रहा है। लेकिन सर्विस लेन के किनारे की टूटी फेंसिंग एटलस कंपनी को नजर नहीं आ रही हैं।

ये है समस्या

एक्सप्रेस-वे की जालियां (फेंसिंग) कई जगह पर टूटी हैं। जिससे आवारा मवेशी व लोग सड़क पर आ जाते हैं। जिससे हादसों का खतरा बढ़ गया है। यूपीडा ने एटलस कंपनी को टूटी जालियों की मरम्मत की जिम्मेदारी दी है लेकिन, कार्य सिर्फ कागजों पर चल रहा है।

एक्सप्रेस-वे की टूटी फेंसिंग से निकलता युवक। अमृत विचार

कैसे होगी सुरक्षा सुनिश्चित?

इस पहल का लक्ष्य एक्सप्रेस-वे पर यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना व दुर्घटनाओं को कम करना है। लेकिन टूटी हुई फेंसिंग के चलते लोगों और आवारा व पालतू पशुओं का एक्सप्रेस-वे पर आवागमन बंद नहीं हो रहा है। जिससे हादसे लगातार बढ़ रह हैं।

बोले जिम्मेदार

इसे लेकर मुख्य सुरक्षा अधिकारी यूपीडा प्रभात कुमार अवस्थी ने बताया कि टूटी फेंसिंग को सही करने का टेंडर एटलस कंपनी को दिया गया था। कंपनी काम कर रही है। एक बार विजिट कर देखा जाएगा कि काम सही ढंग से हो रहा है या नहीं। वहीं, एटलस कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर ने इस बारे में कुछ भी कहने से मना करते हुए फोन काट दिया।

मवेशी से टकराई बाइक, अप्रवासी भारतीय की मौत

उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र निवासी मो. हारुन (43) पुत्र मो. उमर कुवैत में मजदूरी करता था। शुक्रवार को वह छुट्टी पर लौटा था। पिता ने बताया कि वह शनिवार को बीघापुर कोतवाली क्षेत्र के टेढ़ा गांव निवासी बहन परवीन से मिलने गया था। जहां से देररात लौटते समय उन्नाव-लालगंज हाईवे पर सदर कोतवाली क्षेत्र की ललऊ खेड़ा चौकी अंतर्गत एक महाविद्यालय के पास उसकी बाइक अचानक सामने आए मवेशियों के झुंड से टकराकर फिसल गई। सड़क पर फिसलने से उसके सिर पर गहरी चोट आ गई। उसे जिला अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसकी खबर मिलते ही परिजनों में चीखपुकार मच गई। बड़े भाई मो. इरफान ने बताया कि हारुन दो भाइयों में छोटा था। उसकी मौत से पत्नी जुबैरिया बेगम उर्फ बन्नो रो-रोकर बेहाल है। बताया कि हारुन के तीन बच्चों में बेटी जिकरा, बेटे मो. माज व मो. शाज हैं। दरोगा रवि मिश्रा ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपा है।

सरदार पटेल की जयंती पर निकली 'एकता संदेश यात्रा'

जिलाध्यक्ष राजेश यादव का स्वागत करते कार्यकर्ता। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर रविवार को भगवंत नगर विधानसभा क्षेत्र के गांव कुल्हा में एक कार्यक्रम आयोजित हुआ। सामाजिक संस्था अभिनव क्रांति समिति व सरदार पटेल सेवा आश्रम के आयोजकों ने एक साथ मिलकर एकता संदेश यात्रा निकाली।

एकता संदेश यात्रा में सपा जिलाध्यक्ष राजेश यादव ने पहुंचकर पहले सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया और यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा गांव कुल्हा, रूझेई, टेढ़ा, धानीखेड़ा, पाटन, पटेल चौराहा से होते हुए संदोही देवी माता मंदिर में समाप्त हुई। पूर्व विधायक कृपाशंकर सिंह इसमें समर्थकों के साथ मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सपा विधानसभाध्यक्ष ओम प्रकाश पासवान ने की। इस दौरान सपा युवजन सभा के प्रदेश सचिव नितिन सिंह पटेल, जिलाध्यक्ष अमन अंजुम, अभिनव क्रांति समिति के अध्यक्ष विजय बहादुर पटेल, महासचिव डा. मान सिंह, ऋतुराज सिंह, मनीष यादव, प्रमोद कुमार, रुद्र प्रताप सिंह, डा. अतुल विक्रम पटेल, दीपक पटेल, आशीष पटेल व सरदार पटेल सेवा आश्रम से मुख्य निदेशक प्रेमलता पटेल, जंयत चौधरी व प्रमोद पटेल आदि शामिल रहे।

सम्मानित किए गए विजयी खिलाड़ी

उन्नाव। विधायक खेल स्पर्धा व सांसद खेल महोत्सव के तहत न्याय पंचायत पड़री कला के मां बहार देवी मंदिर प्रांगण नेवरना में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बीडीओ बिछिया द्वारा आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) इंस्पेक्टर प्रयागराज आदित्य नाथ मिश्रा ने किया। वॉलीबाल प्रतियोगिता में ग्राम पंचायत नेवरना, इटौली, मरोई, शिवपुर के युवाओं ने प्रतिभाग किया। वालीवाल प्रतियोगिता में इटौली टीम विजेता व उपविजेता नेवरना की टीम रही। कबड्डी में नेवरना टीम विजेता व इटौली टीम उपविजेता रही। बैडमिंटन में विजय प्रथम व राजू द्वितीय रहे। बालकों की 100 मीटर दौड़ में लवकुश नेवरना प्रथम, दीपक मरोई द्वितीय व अजय मरोई तृतीय रहे। बालिकाओं की 100 मीटर दौड़ मे मानसी मदारी खेड़ा प्रथम, अनन्या मदारी खेड़ा व चांदनी आंट द्वितीय रहीं। डिस्कस थ्रो में दीपांशु इटौली प्रथम, भाला फेंक मे वीरेंद्र इटौंली प्रथम व राजू लोधी द्वितीय रहे।

ट्रंप पागल है, हिमालय को झुकाना चाहता है...

युग विडंबना काव्य पुस्तक का किया गया विमोचन। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। लखनऊ बाईपास स्थित उदयन भवन में शनिवार को सृजन व शब्द गंगा शुद्धि अभियान संस्थान की ओर से 20वां अखिल भारतीय कवि सम्मेलन व सम्मान समारोह हुआ। मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथियों में सदर विधायक पंकज गुप्ता, एसपी मेरठ डॉ. राजीव दीक्षित शामिल रहे। सम्मेलन में योगेंद्र शर्मा ने ट्रंप पागल है, हिमालय को झुकाना चाहता है व डॉ. विनय शंकर दीक्षित आशु ने मेरे शब्दों से दिल के जज़्बातों को मत तोलो, दिल को पढ़ने की खातिर दिल की आंखें खोलो रचना पढ़कर तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया।

गठबंधन को मिलेंगी जिले की सभी 6 सीटें : सुरेन्द्र

उन्नाव। सफीपुर स्थित मदरसे में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा बूथगठन कार्यक्रम में आए युवाओं ने डबल इंजन की सरकार के प्रति आक्रोश जताते हुए कांग्रेस की सदस्यता ली और शीघ्र ही नगर में एक बड़ा सम्मेलन आयोजित करने की पेशकश की। इस दौरान जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कुशवाहा ने सभी को कांग्रेस का पट्टा पहनाकर स्वागत किया। जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कुशवाहा ने कहा कि महंगाई, भ्रष्टाचार व बेरोजगारी को लेकर युवा त्रस्त है। नौजवान देश को संवारने के लिए जैसे सत्याग्रह आंदोलन में शामिल हुए थे। उसी तरह भाजपा की सरकार को उखाड़ने के लिए स्वतः ग्रामीण व नगर क्षेत्र से चलकर आए युवाओं का एक आंदोलन शीघ्र खड़ा होगा और वर्ष-2027 के विधानसभा चुनाव में जिले की सभी 6 सीटें गठबंधन को मिलेंगी।

कैंपस टैंक से बढ़ेगी उद्यमशीलता : नंदी

संवाददाता, नवाबगंज

दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरुआत करते मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी।

अमृत विचार। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में देश के पहले यूनिवर्सिटी प्रेरित स्टार्टअप लॉन्चपैड 'कैंपस टैंक' का उद्घाटन औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी ने किया। उन्होंने इस लॉन्च को युवाओं के लिए देश का एक महत्वपूर्ण अवसर बताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में चढ़ीगढ़ यूनिवर्सिटी ने गुणवत्ता व रोजगार का अवसर दिया है। यह युवाओं को जोड़ने का प्रयास है।

कहा कि आज प्रतिभाओं को निखारने की जरूरत है। कैंपस टैंक का उद्देश्य युवाओं को उद्यमशीलता व नवाचार को बढ़ाना है। इसके तहत 1 हजार से अधिक स्टार्टअप्स को जोड़ा गया है। जिनमें 10 श्रेष्ठ स्टार्टअप ने निवेशकों के समक्ष विचार प्रस्तुत किए और फंडिंग हासिल की। इसके लिए 6 मिलियन यूएस डॉलर (करीब 50 करोड़ रुपये) की वित्तीय सहायता भी दी गई है। जो स्टार्टअप की शुरुआत से मार्केट में उतरने तक हर चरण में मदद करेगी।

इसके साथ चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने 'सीयू एआई एक्सप्रेस' की भी शुरुआत की है। जहां छात्र, स्टार्टअप्स व इंडस्ट्री के प्रोफेशनल्स एआई के क्षेत्र में रिसर्च और इनोवेशन कर सकेंगे। यूनिवर्सिटी के चांसलर सतनाम सिंह संधु ने कहा कि कैंपस टैंक केवल एक लॉन्चपैड नहीं बल्कि एक आंदोलन है। इस दौरान वाइस चांसलर डॉ. टीपी सिंह, मैनेजिंग डायरेक्टर जय इंदर सिंह, रजिस्ट्रार अजय यादव आदि मौजूद रहे।

जन्मोत्सव पर बाबा श्याम के भजनों में लीन रहे भक्त

मनमोहक झांकियां प्रस्तुत करते कलाकार। अमृत विचार

नवाबगंज, अमृत विचार। इलाहाबाद बैंक गली स्थित महादेव मंदिर में शनिवार रात धूमधाम से श्री श्याम जन्मोत्सव मनाया गया। इसमें सुशील सांवरे आर्ट ग्रुप द्वारा पेश की गई राधा कृष्ण, सुदामा, महाकाल, गौरी शंकर, हनुमान, मां काली आदि की सजीव झांकियां श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहीं।

कार्यक्रम की शुरुआत शाम 6 बजे दरबार स्थापना से हुई। इसके बाद रात 8 बजे भव्य श्याम जन्मोत्सव की आरती हुई। 9 बजे से जागरण व झांकी कार्यकम शुरू हुआ। जहां भक्तगण भजनों, कीर्तनों व श्याम भक्ति में लीन रहे। रातभर जागरण चला फिर भोर पहर प्रसाद वितरण किया गया। इस आयोजन में राजू, अमन, मनीष, आशीष, बबलू जायसवाल व आयुष वर्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्रद्धालुओं ने बाबा खाटू श्याम की भक्ति में गहरी आस्था का परिचय देते हुए आयोजन को सफल बनाया।

बाबा श्याम के भजनों पर झूमते श्याम प्रेमी। अमृत विचार

भक्तों ने जमकर किया कीर्तन, भंडारा

शुक्लागंज, अमृत विचार। श्री खाटू श्याम सेवा समिति गोपीनाथपुरम के तत्वावधान में शनिवार को श्री खाटू श्याम मंदिर गोपीनाथपुरम में धूमधाम से बाबा श्याम का जन्मोत्सव मनाया गया। पूरे दिन मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहा। शाम को विशेष पूजा-अर्चना के बाद देर रात तक भजन संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें श्याम प्रेमी भक्ति रस में सराबोर होकर झूमते रहे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सदर विधायक पंकज गुप्ता पहुंचे और उन्होंने बाबा श्याम की आराधना कर भक्तों को आशीर्वाद दिया। इसके बाद प्रसिद्ध भजन गायक छोटू बाजपेई ने एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत किए, जिन पर श्रद्धालु थिरक उठे। पूरे मंदिर परिसर में श्याम तेरी बंशी पुकारे जैसे भजनों की गूंज देर रात तक बनी रही। जन्मोत्सव के अवसर पर विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर आचार्य अंकुर मिश्रा, हरिओम पांडेय, अवधेश बाजपेई, अंकुर शुक्ला, अनुराग बाजपेई, गौरव, दीपू, मनोज, छोटे सिंह, राजेश शर्मा, माधव, प्रांजुल, गोपाल बाजपेई, आशीष शुक्ला, संदीप पांडेय, कमल वर्मा समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

सिटी डायरी

एसपी ने रिक्रूट आरक्षियों को दिया सेवा व अनुशासन का संदेश

गोष्ठी में रिक्रूटों को सम्बोधित करते एसपी व एएसपी।

उन्नाव, अमृत विचार। एसपी जय प्रकाश सिंह के निर्देश पर रिजर्व पुलिस लाइन में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें एएसपी उत्तरी अखिलेश सिंह व सीओ सफीपुर सोनम सिंह उपस्थित रहीं। गोष्ठी में दोस्ती नगर फायर ट्रेनिंग सेंटर व रिजर्व पुलिस लाइन में प्रशिक्षण ले रहे रिक्रूट आरक्षियों से संवाद स्थापित कर उन्हें प्रशिक्षण के दौरान अनुशासन, समयबद्धता व कर्तव्य परायणता के महत्व बताए गए। एसपी ने रिक्रूट आरक्षियों को पुलिस सेवा के मूल उद्देश्यों जनसेवा, सत्यनिष्ठा व कानून-व्यवस्था बनाए रखने के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया। उन्होंने प्रशिक्षण अवधि को आत्म विकास का स्वर्ण अवसर बताते हुए शारीरिक दक्षता, विधिक ज्ञान व व्यवहारिक पुलिसिंग कौशल में निपुणता प्राप्त करने पर बल दिया।

कैंप में वस्त्र एकत्र करते संस्थान के पदाधिकारी।

मुस्कान घर की पहल से जरूरतमंदों के चेहरों पर लाई जाएगी मुस्कान

उन्नाव। आपका जीवन सही मायने में तभी सार्थक होता है जब आप किसी जरूरतमंद के मुस्कुराने की वजह बनते हैं। यह बात अभ्युदय सेवा संस्थान के अध्यक्ष डॉ. प्रभात सिन्हा ने शहर के मोती नगर में अभ्युदय सेवा संस्थान द्वारा संचालित मुस्कान घर की ओर से वस्त्र एकत्रीकरण कैंप के दौरान कही। कैंप में एक सैकड़ा से अधिक लोगों ने जरूरतमंदों तक पहुंचाने के लिए वस्त्र भेंट किए। संरक्षक अखिलेश ओमर ने बताया कि यदि सक्षम लोग अपने आसपास जरूरतमंद व वंचितों की मदद को आगे आएं तो निश्चित ही जरूरतमंदों की एक बड़ी संख्या लाभान्वित होगी। संस्था इसी उद्देश्य के साथ काम कर रही है।

तौकीर आलम को ट्रॉफी देते सदर विधायक पंकज गुप्ता।

तौकीर आलम बने मिस्टर उन्नाव

उन्नाव। सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित हो रहे उन्नाव महोत्सव के दूसरे दिन बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप का आयोजन हुआ। इसमें 20 से अधिक प्रतिभागियों को पछाड़ते हुए तौकीर आलम ने ज़बरदस्त पोज़ देते हुए मिस्टर उन्नाव के ख़िताब पर कब्ज़ा किया। राजकीय इंटर कॉलेज मैदान में आयोजित उन्नाव महोत्सव का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रवीण मिश्रा भानू, जिला क्रीड़ाधिकारी मुकेश सब्बरवाल, अध्यक्ष निम्मी अरोड़ा आदि ने दीप प्रज्वलन कर किया। अध्यक्ष बाबूलाल कनौजिया, प्रबंधक अशोक पटेल शिवा, रामसुमेर सिंह आदि मौजूद रहे।

डॉ. आंबेडकर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

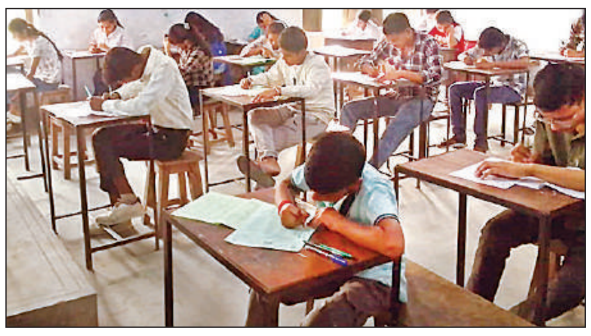

ओपीजेडी स्कूल में प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे। अमृत विचार

शुक्लागंज। रविवार को राजधानी मार्ग स्थित ओम प्रकाश ज्वाला देवी इंटर कॉलेज में युवा एवं बाल विकास समिति के अंतर्गत भारतीय बौद्ध महासभा' के तत्वावधान में डा. अम्बेडकर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा-2025 का आयोजन किया गया। यह परीक्षा प्रात: 11 बजे से 12:30 बजे तक आयोजित की गई। ओपीजेडी इंटर कॉलेज केंद्र पर कुल 101 पंजीकृत विद्यार्थियों में से 95 विद्यार्थियों ने परीक्षा में हिस्सा लिया।

आस्था

पालिका ने घाटों का कराया समतलीकरण, साफ-सफाई अभियान तेज

कार्तिक पूर्णिमा मेले की तैयारियां जोरों पर

संवाददाता, शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। 5 नवम्बर को लगने वाले ऐतिहासिक कार्तिक पूर्णिमा मेले की तैयारियां गंगातट पर जोरशोर से चल रही हैं। यह पारंपरिक मेला वर्षों से श्रद्धालुओं और व्यापारियों के आकर्षण का केंद्र रहा है। इस बार भी मेले में झूले, दुकानें और धार्मिक आयोजन लोगों को अपनी ओर खींच रहे हैं।

गंगातट पर इन दिनों मेले की तैयारियों को लेकर दिन-रात काम जारी है। मेले में लगाए जा रहे हवाई झूले और ब्रेक डांस झूला खास आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। बच्चे और युवा इन झूलों को लेकर अभी से उत्साहित हैं। वहीं महिलाओं के लिए मेले में सौंदर्य प्रसाधन, श्रृंगार सामग्री, खिलौने, घरेलू सामान और मिठाइयों की दुकानें सजाई जा रही हैं। नगर के अलावा आस-पास के जनपदों से भी श्रद्धालु और व्यापारी मेले में पहुंचने लगे हैं। कार्तिक पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान के लिए सैकड़ों श्रद्धालु शुक्लागंज पहुंचते हैं। पालिका प्रशासन ने साफ-सफाई और समतलीकरण का कार्य शुरू करा दिया है। रविवार सुबह पालिका की ओर से दोनों पुलों के बीच स्थित घाटों और रास्तों का जेसीबी से समतलीकरण कराया गया। गड्ढों और ऊबड़-खाबड़ मार्गों को समतल कर श्रद्धालुओं के लिए रास्ता सुगम बनाया गया। इस दौरान पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे एवं संदीप पांडे ने मौके पर पहुंचकर कार्यों का निरीक्षण किया। पालिका कर्मियों ने बताया कि घाटों की नियमित सफाई, चूना छिड़काव और रोशनी की व्यवस्था भी की जा रही है ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। गंगातट पर इन दिनों मेले की चहल-पहल शुरू हो चुकी है। हवाई झूला, मिक्की माउस झूला और बच्चों के मनोरंजन के साधन लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। दुकानों की सजावट और तैयारियों के बीच मेले की रौनक पूरे नगर में दिखाई देने लगी है।

पालिका की ओर से जेसीबी से कराया जाता घाट का समतलीकरण। अमृत विचार

मेले को लेकर लगने लगे झूले। अमृत विचार

अंडरपास के टूटे क्रॉस की पालिका ने कराई मरम्मत

मेले को देखते हुए नगर पालिका प्रशासन ने मिश्रा कॉलोनी मार्ग स्थित रेलवे अंडरपास के टूटे क्रॉस की मरम्मत कराई। लंबे समय से क्षतिग्रस्त पड़े इस लोहे के क्रॉस के कारण राहगीर और वाहन सवारों को परेशानी झेलनी पड़ रही थी।

अमृत विचार

सोमवार, 3 नवंबर 2025

भूक किसी किस्म की भी हो, बहुत ख़तरनाक है।
–सआदत हसन मंटो, उर्दू साहित्यकार

सजग हो श्रद्धा

आंध्र प्रदेश के मिनी तिरुपति कहे जाने वाले श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हालिया हादसे ने धार्मिक आयोजनों की सुरक्षा, मंदिरों में भीड़ प्रबंधन की विफलता, श्रद्धालुओं की सजगता और प्रशासनिक जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। राज्य सरकार ने अपनी जिम्मेदारी से यह कहकर किनारा करने की कोशिश की कि यह एक निजी मंदिर था, इसे धर्मस्व विभाग में पंजीकृत नहीं कराया गया था, किंतु तर्क महज बहानेबाजी है। मंदिर निजी हो या सार्वजनिक, जब किसी स्थान पर हजारों की भीड़ एकत्र होने की संभावना हो, तब प्रशासन की पहली जिम्मेदारी नागरिकों की सुरक्षा है। प्रशासन नितांत अनभिज्ञ भी नहीं था। उसे एकादशी के अवसर पर विशेष भीड़ जुटने की सूचना पहले से थी, फिर भी उसने एहतियाती कदम क्यों नहीं उठाए। माना, राज्य सरकार को औपचारिक सूचना नहीं थी, पर स्थानीय प्रशासन की खुफिया और नियंत्रण व्यवस्था को इस आशंकित भीड़ की जुटान का अंदाजा तो लगा ही होगा।

दो हजार वाले मंदिर परिसर की क्षमता से बारह गुना श्रद्धालु पहुंचना बताता है कि न तो भीड़ नियंत्रण की कोई योजना थी, न विभागों के बीच समन्वय। मंदिर में प्रवेश और निकास के लिए एक ही मार्ग की निर्माण संबंधी खामी का होना स्थानीय निर्माण विभाग की निगरानी में आती है। मंदिर नया था, तो निर्माण अनुमति देते समय इस तरह की सुरक्षा मानकों की जांच न करना तकनीकी और प्रशासनिक दोनों दृष्टिकोण से अपराध है। कार्यक्रम आयोजकों की भी जवाबदेही तय होनी चाहिए। इस अनुमान के बावजूद कि विशेष पर्व पर भारी भीड़ उमड़ेगी, उन्होंने न तो प्रशासन को सूचित किया, न पर्याप्त वालंटियर लगाए, न सीसीटीवी या लाउडस्पीकर जैसी मूलभूत व्यवस्था की। यह न केवल लापरवाही बल्कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा के प्रति असंवेदनशीलता का उदाहरण है। क्या उन्हें महज चढ़ावे से मतलब है! इसी वर्ष आंध्र प्रदेश के तिरुपति और सिम्हाचलम मंदिरों में ऐसी ही घटनाओं के बाद मुख्यमंत्री ने मंदिर प्रबंधन विभाग को बैरीकेड्स लगाने, प्रवेश और निकास मार्ग अलग करने, रेलिंग की व्यवस्था करने के निर्देश दिए थे, लेकिन वे सब कागजों तक सीमित रहे। यह लापरवाही ऐसी त्रासदियों की पुनरावृत्ति करता है। देश के दूसरे राज्यों यथा उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार या तमिलनाडु में भी धार्मिक भीड़ के दौरान ऐसी दुर्घटनाएं होती रही हैं। इस राष्ट्रीय समस्या का समाधान केवल संवेदना और मुआवजे से नहीं होगा। सरकारों को अनिवार्य भीड़ प्रबंधन नीति लागू करनी चाहिए, जिसमें प्रत्येक धार्मिक स्थल को अपनी अधिकतम क्षमता, आपात निकास योजना, अग्नि सुरक्षा, सीसीटीवी निगरानी की जानकारी धर्मस्व या स्थानीय प्रशासनिक पोर्टल पर दर्ज करनी हो।

इन हादसों का संदेश समाज के लिए भी एक चेतावनी है- श्रद्धा जरूरी है, लेकिन सजगता उससे भी अधिक आवश्यक है। जान है, तो भगवान है। यदि सरकारें केवल मुआवजा और शोक संदेशों तक सीमित रहेंगी, तो ऐसी त्रासदियां बार-बार घटेंगी। यह समय है कि शासन, समाज और श्रद्धालु- तीनों मिलकर यह सुनिश्चित करें कि भक्ति में भी व्यवस्था का अनुशासन बना रहे।

प्रसंगवश

महज एक नारा रह गया है 'स्वदेशी'

हम सात दशकों से 'स्वदेशी' के नारे सुन रहे हैं। आजादी से पहले भी यह आरएसएस का बुनियादी मुद्दा था। 1951 में 'जनसंघ' का गठन हुआ, तो संघ ने इस मुद्दे को राजनीतिक तौर पर ग्रहण किया। 'जनसंघ' का यह चुनावी मुद्दा भी होता था। जब 1980 में भाजपा का गठन हुआ, तो उसने भी 'स्वदेशी' का खूब प्रचार किया। दरअसल हम 'स्वदेशी' के विरोधी नहीं हैं, क्योंकि यह देश की आत्मनिर्भरता का प्राथमिक मुद्दा है। अब आरएसएस के शताब्दी समारोह और 'दशहरा संबोधन' में क्रमशः प्रधानमंत्री मोदी और सरसंघचालक मोहन भागवत ने एक बार फिर 'स्वदेशी' का गुणगान किया है। स्वदेशी और खादी को देश की आजादी से जोड़ा है, लेकिन सवाल है कि क्या 'स्वदेशी' से ही 146 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश का गुजारा संभव है? क्या देश की अर्थव्यवस्था का विस्तार संभव है?

आकाश सपेलकर
अधिवक्ता, उच्चतम न्यायालय

वैश्विक उदारीकरण के दौर में 'स्वदेशी' के आधार पर ही अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, विदेशी निवेश, निर्यात और अंततः आत्मनिर्भरता संभव नहीं है। खादी का उत्पादन 3783 करोड़ रुपये का है और व्यापार 7146 करोड़ रुपये का है। वैश्विक व्यापार में भारत विश्व में 10वें स्थान पर है। हम चार ट्रिलियन डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था हैं। महज इतनी व्यापारिक पूंजी से देश कैसे चल सकता है? भारत का कुल निर्यात 37 लाख करोड़ रुपये और आयात 61 लाख करोड़ रुपये का है। लिहाजा हमारा व्यापार घाटा करीब 9000 करोड़ रुपये का है। यदि 'स्वदेशी' को 100 फीसदी लागू करना है, तो सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यमों की चिंता स्पष्ट करें, जो 'स्वदेशी' की रीढ़ हो सकते हैं। कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान तालाबंदी से 75082 लघु और कुटीर कंपनियां बंद हो गईं। उससे पहले वे नोटबंदी से व्यापक तौर पर प्रभावित हुईं।

अनुमान है कि ऐसे कुटीर उद्योगों की करीब छह लाख कंपनियां, फैक्टरियां बंद हो चुकी हैं। बेशक सरकार ने आर्थिक पैकेज और आसान बैंकिंग कर्ज घोषित किए, लेकिन एमएसएमई के अस्तित्व को बचाया नहीं जा सका। सरकार औपचारिक बयान देकर कुटीर उद्योगों की अद्यतन स्थिति स्पष्ट कर सकती है। मोदी सरकार ने देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में मैन्यूफैक्चरिंग के योगदान का लक्ष्य 23 फीसदी तय किया था। वह 16-17 फीसदी से घटकर करीब 13 फीसदी पर आ गया है। भारत मैन्यूफैक्चरिंग के क्षेत्र में फिलहाल पिछड़ा है, तो 'स्वदेशी' कैसे संभव है?

भारत में 'स्वदेशी' उत्पादन और अर्थव्यवस्था की सोच को 1991 से पहले ही लागू करना चाहिए था, जो भूमंडलीकरण और उदारीकरण 1991 में भारत में शुरू किया गया, उसे 1979 में ही चीन में लागू कर दिया गया था, नतीजतन उसे बहुत पहले आत्मनिर्भर होने में मदद मिली। आज उसकी औद्योगिक नीति ऐसी है कि वह किसी भी देश पर आश्रित नहीं है। अमरीका के साथ मात्र 13-14 फीसदी व्यापार की ही उसे जरूरत है। यदि वह भी नहीं हो, तो चीन की अर्थव्यवस्था डांवाडोल नहीं हो सकती।

भारत की ऐसी कोई पुख्ता औद्योगिक नीति नहीं है। आज दक्षिण पूर्व एशिया के देश अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भारत सरीखे शक्तिशाली देश को पछाड़ रहे हैं। अमरीका ने हम पर 50 फीसदी टैरिफ थोप रखा है। उससे उन कंपनियों पर विपरीत असर पड़ना तय है, जिन्होंने करोड़ों का माल बना रखा है। मसलन-कालीन और कपड़े तो 'स्वदेशी' हैं। यदि टैरिफ बढ़ने से अमेरिकी बाजार में उनकी खपत नहीं हो पा रही है, तो क्या सरकार कोई बंदोबस्त कर सकती है कि उनका 'स्वदेशी' माल देश में ही बिक सके?

जलवायु परिवर्तन और मच्छरों की विश्व विजय

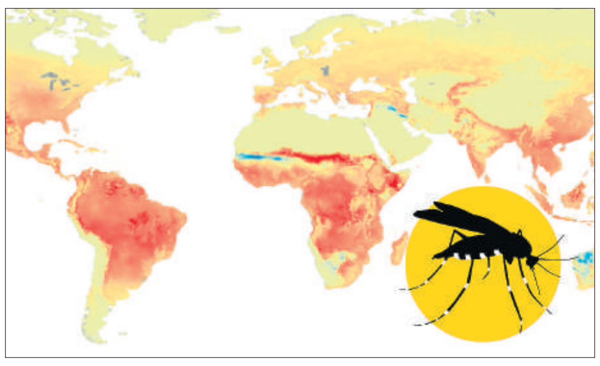

अनिल यादव
वरिष्ठ पत्रकार

आइसलैंड के निवासियों को गुमान था कि यह दुनिया में ऐसी जगह है, जहां मच्छर नहीं पाए जाते, जिंदा ही नहीं रह सकते, लेकिन यह एक भ्रम साबित हुआ। हाल में वहां तीन मच्छर मिले हैं, जिसकी आधिकारिक घोषणा आइसलैंड के नेचुरल साइंस इंस्टीच्यूट ने की है। इसे प्राकृतिक विज्ञान के हलकों में एक सनसनीखेज खबर माना जा रहा है। वैज्ञानिक इसके कारण ग्लोबल वार्मिंग, उससे जनित क्लाइमेट चेंज और आइसलैंड जैसी सदियों से अलग-थलग रही जगह में ग्लोबलाइजेशन के नतीजे में बढ़ती पर्यटन और व्यापार की गतिविधियों में खोज रहे हैं, लेकिन सबसे अधिक चर्चा मच्छरों की जिजीविषा और हर नई परिस्थिति के अनुरूप खुद को ढाल लेने की क्षमता के कारण हो रही है।

अक्सर इन दिनों आम में असमय बौर आना और पशु-पक्षियों के व्यवहार के बदलने की खबरें कहीं न कहीं से आती रहती हैं, जिनसे विनाशकारी जलवायु परिवर्तन के दुनिया भर में फैलाव का पता चलता है। आइसलैंड में भी मच्छरों के मिलने के बाद वैज्ञानिकों को याद आया कि एक प्रमुख ग्लैशियर ओक्जोकुल पिघल कर खत्म हो चुका है, स्थानीय पौधों की कई प्रजातियां लुप्त हो चुकी हैं, ढेरों विदेशी पौधे और कुछ अब तक अज्ञात रहे कीट भी दिखाई देने लगे हैं, जिनमें से मच्छर भी एक हैं। मच्छर वहां काफी पहले पहुंच चुके थे, लेकिन उनकी उपस्थिति को स्वीकार काफी समय बाद अब किया गया है।

> यूरोप का एक देश है आइसलैंड। हाल में वहां तीन मच्छर मिले हैं। ज्ञान के हलकों में यह एक सनसनीखेज खबर बन गई है। सबसे अधिक चर्चा मच्छरों की जिजीविषा की हो रही है।

कीटों में दिलचस्पी रखने वाले एक स्थानीय निवासी ने अपने घर के बगीचे में एक रस्सी को वाइन में भिगाकर लटका दिया था, जिस पर ये मच्छर बसेरा करने लगे। इसे प्रमाण की तरह वैज्ञानिकों के सामने पेश किया गया। हर जानलेवा रसायन को पचा जाने और खुद को नई परिस्थितियों के अनुकूल ढालने की मच्छरों की क्षमता गजब है, लेकिन हमारे देश में मामला कुछ अलग है। हमारे यहां मच्छरों के विजय अभियान में सरकारी महकमे और उनमें काम करने वाले मनुष्य बहुत सहायक साबित हुए हैं, वरना ऐसी कामयाबी का मिलना संभव नहीं था।

एक आदमी के मन में कितनी इच्छाएं होती हैं! शायद इसे कभी जान लिया जाएगा, लेकिन इस रहस्य से कभी पर्दा नहीं उठेगा कि भारत में अब तक मलेरिया और डेंगू से वास्तव में कितने मनुष्य मर चुके हैं। विशेषज्ञों से अब तक इतना पता चल पाया है कि इन बीमारियों से बचने के लिए घरों के आसपास पानी इकट्ठा नहीं होने देना चाहिए। खुद को कपड़ों से ढक कर रखना चाहिए और मलेरिया होने पर चिकित्सकों से परामर्श लेना चाहिए आदि-इत्यादि।

इसके अलावा हम सब अपने अनुभव से जानते हैं कि मच्छर काटने से पहले गाना गाते हैं। इस गाने की महीन धुन में एक महान चुनौती है, एक हुंकार है। वे पूछते हैं कि आपने कई परमाणु परीक्षण कर दुनिया को बता दिया कि एटम बम बना सकते हैं, आपके डॉक्टरों की दुनिया भर में साख है और अब दुनिया के नक्शे पर विश्वगुरु बनने जा रहे हैं, लेकिन आप हमारा बाल-बांका क्यों नहीं कर पाए? यह गाना और गंभीर इसलिए हो जाता है, क्योंकि इसे ऐसा कीट गा रहा है, जिसने दुनिया में किसी भी जानवर की तुलना में सबसे ज्यादा मनुष्यों को मौत की नींद सुलाया है।

मच्छरों पर दुनिया भर में घूम कर शोध करने में जिंदगी लगा देने वाले हावर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एन्ड्र्यू स्पीलमैन और पुलित्जर विजेता पत्रकार माइकेल डी। एंतोनियो ने एक अद्भुत किताब लिखी है। इस किताब, 'मस्कीटोः ए नेचुरल हिस्ट्री ऑफ अवर मोस्ट परसिस्टेंट एंड डेडली फो' में स्पीलमैन तथ्यात्मक ढंग से बताते हैं कि ये मच्छर ही थे, जिन्होंने सिकंदर और चंगेज खां की सेनाओं को हरा दिया था और उनके विश्वविजेता बनने के सपने धरे रह गए।

द्वितीय विश्वयुद्ध के समय डीडीटी (डाइक्लोरो डाइफिनाइल ट्राइक्लोरो ईथेन) आने के बाद वैज्ञानिकों ने मान लिया था कि मच्छर खत्म हो गए, लेकिन यह भ्रम था। वे ज्यादा ढीठ होकर नए क्षेत्रों में फैलते गए और आज भी सारी दुनिया में नरसंहार का गाना गाते मंडरा रहे हैं, लेकिन ये वैज्ञानिक हमारे भारतीय मच्छरों को नहीं जानते। पौन इंच से भी छोटे आकार के इन मच्छरों ने सरकारों, दवाओं और आदमियों का स्वभाव बदल डाला और उनसे अभयदान पा लिया है।

चार दशक पहले जब न तकनीक थी न इतने संसाधन, गांवों की दीवारों पर स्वास्थ्य विभाग के कारिंदे सफाई रखने और कुनैन की गोली खाने की सलाहें लिख रहे थे, बच्चों की जांच के लिए स्कूलों में खून की स्लाइडें बन रही थीं और छोटे कस्बों में दवाओं का छिड़काव हो रहा था। आम लोगों को लगता था कि सरकार को उनकी जान की फिक्र है और मलेरिया बस थोड़े दिनों का मेहमान है। जब से शेयर बाजार के रास्ते देश को सुपर पॉवर बनाने का रायता फैलना शुरू हुआ, सबकुछ बदल गया। मच्छर तो वही रहे, लेकिन वह आदमी बदल गया जो मलेरिया, डेंगू और कालाजार से लड़ने चला था। वह खुद मच्छर हो गया और सरकारी परियोजनाओं से रकम चूसने लगा।

उम्मीद की जगह हताशा ने ले ली और आम आदमी ने खुद को रामभरोसे छोड़ दिया। मच्छरों ने यह कारनामा कैसे किया? इसका रहस्य संगीत की उस स्वरलिपि में है, जिसमें उनके गाने की ताल, मात्राएं और राग दर्ज हैं। वह भ्रष्टाचार के संगीत की स्वरलिपि है, जिसे हम सब अच्छी तरह जानते हैं। मच्छर गा रहे हैं और उनके विनाश की परियोजनाएं चलाने वाले नेताओं, प्रशासकों, वैज्ञानिकों, चिकित्सकों, बुद्धिजीवियों का एक बड़ा तबका उस महीन धुन पर थिरक रहा है। विचित्र सांस्कृतिक समारोह जारी है।

आमने सामने

दिल्ली की जनता ने केजरीवाल को राजधानी के 'शीश महल' से हटा दिया, लेकिन मानसिकता नहीं बदली। पंजाब में मुख्यमंत्री कोटे के तहत करदाताओं के पैसे से 'शीश महल 2.0' बनाया जा रहा है, क्योंकि केजरीवाल पंजाब के 'सुपर सीएम' हैं।
–शहजाद पूनावाला
बीजेपी प्रवक्ता

चंडीगढ़ के जिस घर को बीजेपी 'शीश महल' कह रही है, वह सरकारी आवास है और उनका कैंप कार्यालय है। वो भ्रामक प्रचार कर रही है। बीजेपी शीश महल देखना चाहती है, तो पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह का निजी आवास देखे। –भगवंत मान, मुख्यमंत्री, पंजाब

नई बसपाः दलित छोड़ मुस्लिम-पिछड़ों पर जोर

नवेद शिकोह
वरिष्ठ पत्रकार

सत्ता से बसपा के वनवास के चौदह साल होने वाले हैं। करीब तीन दशक तक सियासत के नीले आसमान पर अपनी असरदार मौजूदगी की चमक बिखेरती रही बसपा के दुर्दिन के कारण बहुत से हैं- निष्क्रियता, जमीनी संघर्ष न करना, सत्ता की नीतियों को लेकर आक्रामक तेवरों के बजाय सरकार के प्रति नर्म रवैया, सरकार के बजाय विपक्षी खेमों पर ही हमलावर होना, साथ छोड़ रहे अपने आधार, दलित समाज की वापसी की कोशिश के बजाय केवल मुस्लिम समाज पर बार-बार डोरे डालना। चुनावी हार के बाद मुस्लिम समाज पर हार का ठीकरा तोड़ना, इन तमाम कमजोरियों से जन्म लेने वाली एक तोहमत बसपा की नई नवेली सक्रियता पर भी पानी फेर सकती है।

इस घातक इल्जामों का शोर पार्टी के सर्वाइवल की सबसे बड़ी रुकावट बन रहा है। ये इल्जाम है कि बसपा अब सिर्फ भाजपा हित को समर्पित हो गई है। खुद की जीत के लिए नहीं बल्कि सपा को हराने और भाजपा को जिताने के लिए सत्तारूढ़ दल की बी टीम की अप्रत्यक्ष भूमिका निभा रही है बसपा! आरोपों के ऐसे चक्रव्यूह में फंसीं पार्टी सुप्रीमो मायावती की हालिया रैली की सफलता अकल्पनीय रही, ऐसे में विरोधियों की बेचैनी ने बसपा पर तोहमतों की बारिश तेज कर दी है। भाजपा की बी टीम जैसे जुमले का प्रमोशन कर कहा जाने लगा कि 'भाजपा का मायाजाल है बसपा'।

> सफलतम रैली के बाद पार्टी सुप्रीमो मायावती अपनी सक्रियता जारी रखे हैं। वो अकलियत के मुद्दों पर ज्यादा मुखर हैं। यही वजह है कि उन पर भाजपा की 'बी' टीम होने का आरोप भी लग रहा है।

'इंडिया गठबंधन के समर्थन में एकजुट मुस्लिम समाज और पिछड़ी जातियों के वोट कतरने के लिए बसपा सक्रिय हुई है'- ऐसे बयान दे रहे बसपा विरोधियों का कहना है कि भाजपा की घबराहट की दलील है बसपा की सक्रियता। ये सच है कि अर्से बाद सफल रैली कर अपना शक्ति प्रदर्शन कर, जहां मायावती ने अपनी ताकत और मौजूदगी का एहसास कराया, वहीं बी टीम के हमलों को खुद ही गाढ़ा भी कर दिया। वो सत्ता पर कम और विपक्ष यानी सपा-कांग्रेस पर कुछ ज्यादा ही आक्रामक रहीं, बल्कि पार्क के रख-रखाव के मामले में तो उन्होंने यूपी की योगी आदित्यनाथ की सरकार की खूब तारीफ भी की और आभार तक व्यक्त कर दिया।

सफलतम रैली के बाद पार्टी सुप्रीमो मायावती अपनी सक्रियता जारी रखे हुए हैं। वो अकलियत के मुद्दों पर मुखर कुछ ज्यादा ही हैं। बुल्डोजर कार्रवाई से लेकर मुस्लिम लड़कियों पर अपशब्द बोलने वाले भाजपा के पूर्व विधायक के खिलाफ ताबड़तोड़ उन्होंने बयान दिए। मुस्लिम भाईचारा कमेटियों के बाद पिछड़ा वर्ग भाईचारा संगठन की बैठक भी की गई।

राजनीतिक पंडितों और बुद्धीजीवियों की मानें तो मुसलमान एकजुट होकर उस राजनीतिक शक्ति की ताकत बनता है, जो भाजपा को टक्कर देने के लिए सबसे अधिक बलवान हो। जिस भाजपा विरोधी दल के पास गैर मुस्लिम वोटों का आधार हो, मुस्लिम उसके साथ आकर एक और एक ग्यारह की ताकत बनना चाहता है। ऐसे में अकलियत का बसपा संग आना काफी मुश्किल है प्रतीत होता है। इस दौरान अपने आधार दलित समाज की वापसी की कोशिशों के बजाय केवल अकलियत पर डोरे डालने से ये परसेप्शन बनने लगा है कि मुस्लिम वोट में बंटवारा कराने की साजिशों को अंजाम देने की कोशिशें हो रही हैं।

यूपी की आबादी में बीस फीसद की तादाद वाला मुस्लिम समाज पिछले लोकसभा चुनाव से उत्साहित है। यहां इंडिया गठबंधन (सपा और कांग्रेस) ने 43 लोकसभा सीटें जीतकर इतिहास रच दिया था। एकजुट वोट ने ताकतवर भाजपा को यूपी में धराशाई कर दिया था और इंडिया गठबंधन ने 43.52 फीसदी वोट हासिल किए थे।

इधर बसपा ने निरंतर हारने और हाशिए पर आ जाने के बाद भी भाजपा से दलित वापसी के सार्थक प्रयास नहीं किए हैं। अपने पारंपरिक दलित वोटबैंक को मजबूत कर मुस्लिम, पिछड़े और ब्राह्मण को जोड़ने का सामाजिक समीकरण बनाया जाता तो यह बसपा के लिए काफी बेहतर होता। यह सफल प्रयोग वह पहले भी कर चुकी हैं।

अपने आधार वोट बैंक दलित समाज से जुड़ी अन्यायपूर्ण घटनाओं के खिलाफ शिद्दत से जमीन पर आवाज न उठाकर मुस्लिम और पिछड़ों की राजनीति में मुखर होती बसपा की रणनीति सपा को कमजोर करने की कोशिश ज्यादा प्रतीत हो रही है। राजनीति की आम समझ रखने वाला यूपी का आम आदमी भी ये जानता है कि यदि मायावती अपने पारंपरिक दलित वोट बैंक की सौ फीसद वापसी का संघर्ष करने के लिए दलितों के मुद्दों को लेकर जमीनी संघर्ष करें तो सफलता मिलना मुश्किल नहीं, जबकि पिछड़ी जातियों और मुसलमानों का कुछ वोट अपनी ओर लाने से लाभ की उम्मीद कम पर मुस्लिम वोटों के बिखराव से भाजपा को फायदे की संभावना अधिक है।

सरकार के प्रति ज्यादा आक्रामक न होकर सपा-कांग्रेस को घेरना और दलितों के मुद्दों को रफ्तार न देना उस वर्ग को नाखुश कर रहा है, जो सत्ता परिवर्तन चाहते हैं। खासकर यूपी का मुस्लिम समाज, जो पिछले लोकसभा चुनाव में इंडियन गठबंधन के साथ एकजुट था, उसे लगने लगा है कि भाजपा अपना 'माया जाल' बिछाकर बसपा के जरिए इंडिया गठबंधन को समर्पित एकजुट मुस्लिम वोट बैंक के बिखराव की साजिश कर रही है!

सोशल फोरम

मंगल पर दिखाई दी रहस्यमयी वस्तु

एक चौंकाने वाली खोज ने पृथ्वी से परे जीवन के बारे में सदियों पुरानी बहस को फिर से छेड़ दिया है। मंगल ग्रह की सतह पर नजर रख रहे वैज्ञानिकों ने लाल ग्रह पर एक गतिशील प्राणी जैसा कुछ देखा है। यह अजीबो-गरीब आकृति लगभग दो मीटर लंबी है और इसके अंग सामान्य से ज़्यादा लंबे लगते हैं, साथ ही इसकी शारीरिक संरचना मंगल ग्रह पर अब तक दर्ज की गई किसी भी चीज से अलग है। इस दृश्य ने दुनिया भर के वैज्ञानिक समुदाय और अंतरिक्ष प्रेमियों, दोनों को स्तब्ध कर दिया है।

एलसी सुथार
ब्लॉगर

कुछ शोधकर्ताओं का अनुमान है कि यह मंगल ग्रह पर आदिम या यहां तक कि संवेदनशील जीवन का संकेत हो सकता है, जबकि अन्य का तर्क है कि यह बस एक असामान्य भूवैज्ञानिक संरचना या प्रकाश और छाया का एक जादू हो सकता है। हालांकि, तस्वीरों में कैद असामान्य आकार और गति के कारण इसे पूरी तरह से खारिज करना बेहद मुश्किल है। इसने अलौकिक जीवन की संभावना के बारे में गहन चर्चा और बहस छेड़ दी है, जिसकी तलाश मनुष्य दशकों से कर रहा है।

इस रहस्य को और बढ़ाते हुए, प्रमुख अंतरिक्ष संगठनों द्वारा अभी तक इस आकृति के वास्तविक स्वरूप के बारे में कोई आधिकारिक टिप्पणी जारी नहीं की गई है। यह सन्नाटा जिज्ञासा को और बढ़ा रहा है, जिससे वैज्ञानिक और शौकिया अंतरिक्ष यात्री मंगल ग्रह की तस्वीरों, सिद्धांतों और पिछले डेटा पर गौर कर रहे हैं, ताकि यह समझने की कोशिश कर सकें कि क्या देखा जा रहा है।

चाहे वह पृथ्वी से परे जीवन का प्रमाण हो या मंगल ग्रह की एक दुर्लभ भूवैज्ञानिक घटना, मंगल ग्रह पर इस दो मीटर लंबे जीव की खोज मानवता को इस लाल ग्रह के बारे में हमारी जानकारी पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर रही है। उत्साह और अटकलें तेजी से फैल रही हैं और सभी को याद दिला रही हैं कि ब्रह्मांड में अभी भी अनगिनत रहस्य छिपे हैं, जिनका खुलासा होना बाकी है।

शोधकर्ता इस असाधारण दृश्य की जांच जारी रखेंगे, क्योंकि मंगल ग्रह पर ऐसे आश्चर्य छिपे हो सकते हैं, जो ब्रह्मांड में जीवन को देखने के हमारे नजरिए को हमेशा के लिए बदल सकते हैं।

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

विडंबनाः शिक्षक तो हैं पर पढ़ाई नहीं होती

शिक्षा का अधिकार कानून लागू होने के बाद यह व्यापक अपेक्षा थी कि हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचेगी और सरकारी स्कूल समाज में समान अवसरों के वाहक बनेंगे, लेकिन ताजा आंकड़े, ऐसे चौंकाने वाले तथ्य दिखा रहे हैं, जिनसे स्पष्ट होता है कि देश की शिक्षा व्यवस्था में संसाधनों की उपलब्धता और उनके उपयोग के बीच भारी असंतुलन है। केंद्र सरकार की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, देश में लगभग 8,000 ऐसे सरकारी स्कूल हैं, जिनमें एक भी छात्र नामांकित नहीं है। इनमें 20,000 से अधिक शिक्षक अब भी पदस्थ हैं। यानी शिक्षक हैं, भवन भी मौजूद हैं, वेतन भी दिया जा रहा है, लेकिन पढ़ने वाला एक भी बच्चा नहीं। यह न केवल सरकारी धन के उपयोग पर सवाल खड़े करती है, बल्कि नीति-निर्माता सोच की जमीन से दूर होने का संकेत भी देती है।

कुमार सिद्धार्थ
सामाजिक कार्यकर्ता

दूसरी ओर, कई राज्य- विशेषकर उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और मध्यप्रदेश, उन क्षेत्रों में हैं, जहां छात्र-शिक्षक अनुपात राष्ट्रीय मानक 30:1 से कई गुना अधिक है। कहीं शिक्षक खाली बैठे हैं और कहीं एक शिक्षक सौ-सौ बच्चों को सिखाने की जिम्मेदारी ढो रहा है। यह स्थिति त्रुटिपूर्ण नियुक्ति, अनुपयुक्त तैनाती और योजनागत नासमझी का सम्मिलित संकेत है। पिछले दशक में ग्रामीण इलाकों से शहरों की ओर तेजी से पलायन हुआ। रोजगार, स्वास्थ्य और शिक्षा- तीनों की तलाश ने अभिभावकों को कस्बों और महानगरों की ओर धकेला। इससे अनेक गांवों में जनसंख्या इतनी कम हो गई कि स्कूल प्रायः खाली हो गए। दूसरी ओर निजी विद्यालयों की चमक, अंग्रेजी माध्यम और बेहतर परिणामों के दावों ने अभिभावकों का विश्वास सरकारी विद्यालयों से दूर कर दिया। ऐसे में सरकारी स्कूलों में शिक्षक और भवन तो रह गए, पर बच्चे खोते चले गए।

आज देश में लगभग 97 लाख शिक्षक कार्यरत हैं, जिनमें लगभग 55 लाख सरकारी स्कूलों में तैनात हैं। इनमें से एक बड़ा हिस्सा मल्टी-ग्रेड शिक्षा जैसी कठिन परिस्थिति में काम कर रहा है, जहां एक ही कक्षा में कई स्तरों के बच्चे होते हैं। शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता एवं निरंतर सीखने के अवसरों की कमी शिक्षा-गुणवत्ता पर स्पष्ट असर डाल रही है। कई राज्यों में संविदा या अतिथि शिक्षक वर्षों तक अस्थिर सेवा परिस्थितियों में रहते हैं, जो उनके मनोबल और जिम्मेदारी दोनों को प्रभावित करती हैं।

वहीं ऐसे भी विद्यालय हैं जहां तीन-चार शिक्षक, छात्रों से कहीं अधिक संख्या में तैनात हैं। यह शिक्षक वितरण की गंभीर खामी है, जिसके समाधान के बिना शिक्षा की स्थिति सुधरना मुश्किल है। अगर हम मध्य प्रदेश की बात करें, यहां लगभग 1.2 लाख प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय हैं, जिनमें लाखों बच्चों का भविष्य आकार लेता है, लेकिन 'असर' और नेशनल अचीवमेंट जैसे सर्वे बताते हैं कि चौथी-पांचवीं कक्षा के अनेक बच्चे अपनी कक्षा-स्तर के हिसाब से सरल गणित नहीं कर पा रहे हैं और पढ़-समझने में असमर्थ पाए जा रहे हैं।

इससे स्पष्ट होता है कि शिक्षा केवल स्कूल जाने की क्रिया तक सीमित रह गई है, सीखना केंद्र में नहीं हो पा रहा है। बुनियादी ढांचे में भी असमानता है। कहीं शौचालय, पेयजल, बिजली जैसी सुविधाएं नहीं, तो कहीं शिक्षक व संसाधन बहुतायत में। भारत भर में शिक्षा नीति का अगला चरण यही होना चाहिए कि विद्यालयों में शिक्षक-मुख्य कर्तव्य (कक्षा-शिक्षण) पर हों, अन्य कार्य उनकी भूमिका को बाधित न करें और शिक्षा-संसाधनों का पुनर्वितरण इस दृष्टि से हो कि खाली स्कूल, शिक्षक-अवंटन की अनियमितताएं और गैर-शिक्षण जिम्मेदारियां हट कर वास्तविक सीखने-परिणामों पर केंद्रित हों।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह* 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

हांडा ने जापान मोबिलिटी शो-2025 में अपनी नई इलेक्ट्रिक एसयूवी Honda 0 Alpha का ग्लोबल डेब्यू किया है। कंपनी ने कंफर्म किया है कि इस मॉडल को भारत में साल 2027 तक लॉन्च किया जाएगा और देश में ही लोकल मैन्युफैक्चरिंग के जरिए तैयार किया जाएगा। यह हांडा की नई 0 Series ईवी लाइनअप का पहला मॉडल है, जो भारत में कंपनी के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी सेगमेंट की औपचारिक शुरुआत करेगा। -फीचर डेस्क

भारत में बनेगी हांडा की एसयूवी ईवी कार

डिजाइन में मिलेगा फ्यूचर का टच

Honda 0 Alpha का डिजाइन कंपनी के नए 'Thin, Light and Wise' कॉन्सेप्ट पर आधारित है, जो इसे बेहद मॉडर्न और आकर्षक लुक देता है। इसका लो और वाइड स्टांस एसयूवी को स्पोर्टी अप्रोच देता है। फ्रंट में दिए गए इंटीग्रेटेड LED हेडलैम्प्स, इल्यूमिनेटेड होंडा लोगो और कनेक्टेड DRLs इसे प्रीमियम टच देते हैं। पीछे की ओर U-शेप्ड LED लाइट सिग्नेचर इसकी फ्यूचरिस्टिक डिजाइन को और निखारता है। साइज की बात करें, तो इसका व्हीलबेस 2750mm है, जो Honda Elevate से करीब 100mm ज्यादा है। वहीं, ट्रैक भी 20mm ज्यादा चौड़ा दिया गया है, जिससे ऑन-रोड स्टेबिलिटी और इंटीरियर स्पेस दोनों में बढ़त मिलती है।

केबिन होगा ज्यादा स्पेसियस और टेक-लोडेड

अंदर की ओर भी यह एसयूवी मॉडर्न फिलॉसफी पर तैयार की गई है। Thin Packaging के चलते फ्लैट फ्लोर मिलता है, जिससे केबिन में ज्यादा स्पेस और आराम होगा। इसमें उन्नत कनेक्टेड फीचर्स, एक क्लीन और प्रैक्टिकल लेआउट और एक हाई-टेक डिजिटल इंटरफेस देखने को मिल सकता है। कंपनी ने फिलहाल पावरट्रेन और बैटरी से जुड़ी जानकारी साझा नहीं की है, लेकिन उम्मीद है कि यह मॉडल फ्रंट-व्हील-ड्राइव लेआउट के साथ आएगा और रेंज भी इस सेगमेंट में प्रतिस्पर्धी होगी।

भारतीय मार्केट में किससे होगा मुकाबला

भारतीय मार्केट में लॉन्च के बाद भारत में हांडा 0 अल्फा का मुकाबला सीधे Mahindra BE 6, Tata Curvv EV, Hyundai Creta Electric और Maruti Suzuki eVitara से होगा। यह मॉडल Honda Elevate EV प्रोजेक्ट की जगह लेगा और कंपनी की इलेक्ट्रिक कार सेगमेंट में एंट्री का रास्ता खोलेगा। साथ ही यह मॉडल कंपनी के इलेक्ट्रिक पोर्टफोलियो को यहां मजबूत आधार भी देगा।

ड्राइविंग से मत डरिए, स्टीयरिंग पकड़िए और सपने चलाइए

कार चलाना सुनने में भले ही आसान लगता है, लेकिन जब खुद स्टेयरिंग पकड़ने की बारी आती है, तो हाथ-पैर फूल जाते हैं। सबसे बड़ी दिक्कत डर की होती है। कहीं ब्रेक की जगह एक्सीलेटर दब गया तो? ट्रैफिक में किसी ने पीछे से टक्कर मार दी तो? लेकिन याद रखिए- डर वहीं होता है, जहां भरोसा कम होता है। बस थोड़ा आत्मविश्वास और सही दिशा में अभ्यास और आप भी बन सकते हैं एक परफेक्ट ड्राइवर। आज आपको बताते हैं वो आसान टिप्स, जो आपकी ड्राइविंग जर्नी को मजेदार और सुरक्षित बनाएंगी।

कार से दोस्ती करें

कार चलाने से पहले उसे अच्छे से जानें। कौन-सा पैडल ब्रेक है? क्लच कहां है? गियर कैसे बदलते हैं? इंडिकेटर्स किस तरफ हैं? इन सबको समझने में थोड़ा वक्त दें। जिस कार को आप चलाते हैं, उसका फंक्शन जितना बेहतर समझेंगे, उतना ही आपका डर कम होगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

फीचर्स को जानना भी जरूरी

आजकल की कारें कई स्मार्ट फीचर्स के साथ आती हैं- जैसे एसी, हीटर, क्रूज कंट्रोल, रियर सेंसर, एडीएएस सिस्टम आदि। इन्हें पहले ही सीख लें ताकि ड्राइविंग के दौरान आपको किसी बटन की तलाश न करनी पड़े।

सही सीट पोजीशन रखें

ड्राइविंग स्टार्ट करने से पहले सीट को इस तरह एडजस्ट करें कि क्लच और ब्रेक पूरी तरह दब सकें और स्टीयरिंग पर आपकी मजबूत पकड़ बनी रहे। साथ ही सीट बेल्ट पहनें, साइड और रियर मिरर सही सेट करें और चलते समय मिरर चेक करते रहें। यह छोटी आदतें बड़े हादसों से बचाती हैं।

पहले प्रैक्टिस, फिर ट्रैफिक

ड्राइविंग की शुरुआत किसी खाली ग्राउंड, पार्किंग एरिया या कम ट्रैफिक वाली सड़क पर करें। मैनुअल कार सीख रहे हैं, तो सबसे पहले क्लच-एक्सीलरेटर का बैलेंस सीखें। धीरे-धीरे क्लच छोड़ें, झटके से बचें, पहले-दूसरे गियर में ही चलाएं और ब्रेक लगाने से पहले एक्सीलेटर हटाएं। जैसे-जैसे आपका हाथ जमने लगे, थोड़ी-थोड़ी एक्टिव सड़क पर भी प्रैक्टिस बढ़ाएं।

स्टीयरिंग

स्टीयरिंग व्हील को घड़ी मानें। अपने हाथों को 9 बजे और 3 बजे की पोजीशन पर रखें। इससे आपको बेहतर कंट्रोल मिलेगा और मोड़ लेने में भी आसानी होगी।

कार के ब्लोअर की लाइफ बढ़ाने के स्मार्ट उपाय

सर्दियों के मौसम में जब तापमान तेजी से गिरता है, तब कार का हीटर और ब्लोअर हमारी सबसे बड़ी जरूरत बन जाते हैं। गर्म हवा मिलने से सफर आरामदेह होता है और विंडस्क्रीन पर जमा कोहरा भी जल्दी साफ होता है, लेकिन अक्सर लोग ब्लोअर की केयर पर ध्यान नहीं देते और बाद में हवा कम आना, मोटर जल जाना या डक्ट्स से बदबू आने जैसी परेशानियों का सामना करते हैं। इसी वजह से जरूरत है कि कुछ आसान उपाय अपनाकर ब्लोअर सिस्टम को लंबे समय तक बढ़िया स्थिति में रखा जाए।

ब्लोअर को तुरंत हाई न करें

सबसे पहले ध्यान रखें कि कार स्टार्ट करते ही ब्लोअर को तेज स्पीड पर न चलाएं। जब इंजन, डक्ट्स और मोटर पूरी तरह ठंडी हो, तो अचानक हाई स्पीड से उन पर दबाव बढ़ता है, जिससे नुकसान हो सकता है। इसलिए 30-60 सेकंड तक लो स्पीड रखें और फिर धीरे-धीरे स्पीड बढ़ाएं।

केबिन एयर फिल्टर की सफाई करें

केबिन एयर फिल्टर को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। यह फिल्टर हवा में मौजूद धूल को रोकता है, लेकिन समय के साथ चोक हो जाता है और ब्लोअर की परफॉर्मेंस गिर जाती है। हर 6-12 महीने में इसकी सफाई या बदलाव जरूर करवाएं। इससे न सिर्फ हवा की रफ्तार बढ़ेगी, बल्कि एसी व हीटर दोनों सुचारु रूप से काम करेंगे।

ब्लोअर चलाते समय एसी ऑन रखें (डिफॉग के लिए)

सर्दियों में विंडस्क्रीन पर नमी जमना आम समस्या है। ऐसे में ब्लोअर के साथ एसी चालू रखें। एसी नमी को कम करता है और शीशा जल्दी साफ होता है। शुरुआत में Windshield + Feet मोड चुनें ताकि अंदर की नमी घटे और केबिन जल्द गर्म हो। बाद में इसे अपनी सुविधा के अनुसार बदल सकते हैं।

हवा की सही दिशा सेट करें

कार के बोनेट के पास एयर-इनटेक एरिया होता है, जहां पत्तियां और धूल जमा होने पर ब्लोअर में घुस सकती हैं। यह स्थिति मोटर को नुकसान पहुंचाती है और अजीब आवाजें भी पैदा करती है। इसलिए कार वॉश के समय इस हिस्से की सफाई के लिए विशेष ध्यान दें।

पत्तियां/धूल ब्लोअर में न जाने दें

साल में कम से कम एक बार HVAC (हीटर, वेंटिलेशन, एसी) की पूरी सर्विस कराएं। इससे डक्ट्स में जमा फफूंदी व बैक्टीरिया हट जाएंगे और बदबू से भी छुटकारा मिलेगा। इसके अलावा ठंडे मौसम में इलेक्ट्रिकल वायरिंग और कनेक्शन ढीले या हार्ड हो सकते हैं, जिन्हें समय पर चेक कराना चाहिए।

मॉय फर्स्ट राइड

छोटी उम्र में पहाड़ों के सफर में बस ड्राइवर को मोड़ काटते स्टेयरिंग घुमाने में ताकत लगाते देखना बड़ा रोमांचकारी होता था और खुद के भी गाड़ी चलाने की तीव्र इच्छा होती थी। उस दौर में पॉवर स्टेयरिंग नहीं हुआ करते थे। घर पर चेयर पर उल्टा बैठकर गाड़ी चलाने, गियर चेंज करने की मॉक ड्रिल करते-करते जब 12वीं में पहुंचा तो सबसे पहले चाचा की जीप को घर पर सिर्फ पार्क करना और बैक करने से गाड़ी चलाना सीखने की शुरुआत हुई। चाचा जी कभी-कभी प्लेन सड़कों पर ब्रेक, क्लच पर अपना नियंत्रण रखते हुए सिर्फ स्टेयरिंग देते थे, जिससे जीप को सड़क पर नियंत्रित रखने का अभ्यास हुआ।

मुहल्ला ही नहीं, फिर तो पूरा शहर ही जान गया

गाड़ी चलाने का शौक, जुनून बन गया। चाचा की जीप को पार्क करने से शुरुआत हुई। फिर कभी-कभार खाली सड़कों पर या सुबह-सुबह गाड़ी चलाने को मिल जाती थी, जिससे सड़क पर गाड़ी चला लेने का स्वयं के भीतर आत्मविश्वास पैदा हुआ। उस समय पापा हर शनिवार को नौकरी से घर आते और ड्राइवर अंकल भी गाड़ी खड़ी कर अपने घर चले जाते थे। गाड़ी सीखने की असली शुरुआत शनिवार को ही फ्री हैंड होती थी। मैं ऐसे वक्त के इंतजार में हमेशा रहता था और तब भीषण गर्मी में जब सब आराम कर रहे होते थे, तो चुपके से बिना किसी को बताए चाबी लेकर बाहर निकल जाता और गाड़ी स्टार्ट कर घर के बाहर की सड़क पर निकल आता था। पहली शुरुआत में ही गाड़ी को धीरे-धीरे निकाला। उन दिनों सड़कों पर इतना ट्रैफिक नहीं होता था। पहली बार जब गाड़ी चलाई, सिर्फ फर्स्ट गियर में ही धीरे-धीरे घर से करीब एक किलोमीटर तक निकल आया था और ऐसी इच्छा प्रबल हुई कि मोहल्ले के दोस्त, परिचित, जानने वाले लोग मुझे गाड़ी चलाते हुए देख लें, जिसके लिए सड़क पर यदि कोई परिचित जाता हुआ दिखता था, तो हॉर्न बजाकर उनको यह दिखाने की कोशिश करता था कि वो मुझे देख लें कि मैं गाड़ी चला रहा हूं। ऐसे ही पहले दिन इसी उत्सुकता में ब्रेक और क्लच का तालमेल गड़बड़ाया और वापसी में गाड़ी पड़ोसी की दीवार से जा टकराई। फिर तो ऐसा शोर मचा कि पूरी हल्द्वानी को ही पता चल गया कि मैं गाड़ी चलाना सीख रहा हूं। गाड़ी चलाने के इस रोमांच को पाने के लिए सुबह उठते ही मैं रोज गाड़ी को साफ किया करता था। धीरे-धीरे इसी तरह गाड़ी चलाते-चलाते बिना किसी मोटर ड्राइविंग ट्रेनिंग संस्थान की मदद के स्वयं ही गाड़ी चलाना सीख लिया। हालांकि वो शुरुआती दिनों में खड़ी गाड़ी में गियर डालना, स्टेयरिंग घुमाना आज भी याद है और एक खुशनुमा एहसास देता है। -*विनोद मेहरा*, हल्द्वानी

अमृत विचार
कानपुर, सोमवार, 3 नवंबर 2025
www.amritvichar.com

रॉयल एनफील्ड की बिक्री 13% बढ़कर 1,24,951 इकाई पर पहुंची

नई दिल्ली। प्रीमियम मोटरसाइकिल बनाने वाली कंपनी रॉयल एनफील्ड की कुल बिक्री अक्टूबर में 13% बढ़कर 1,24,951 इकाई हो गई। कंपनी ने गत वर्ष 1,10,574 इकाई बेची थीं। रॉयल एनफील्ड ने कहा कि घरेलू बिक्री इस साल बढ़कर 1,16,844 इकाई हो गई, वहीं, 2024 में 101,886 थीं। हालांकि, अक्टूबर, 2025 में उसका निर्यात 7% घटकर 8,107 इकाई रह गया, जो पिछले साल इसी इसी अवधि में 8,688 इकाई था।

वैश्विक रुख तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

कंपनियों के तिमाही नतीजों, व्यापक आर्थिक आंकड़ों की घोषणाओं का भी दिखेगा प्रभाव

नई दिल्ली, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह कंपनियों के तिमाही नतीजों, व्यापक आर्थिक आंकड़ों की घोषणाओं और वैश्विक रुख से तय होगी। यह सप्ताह घटनाक्रमों से भरा रहने की उम्मीद है, जिसमें कई आंकड़े जारी होंगे और प्रमुख कंपनियां तिमाही नतीजे भी जारी करेंगी। गुरु नानक जयंती से बुधवार को बाजार बंद रहेंगे।

वृहद आर्थिक मोर्चे पर, एचएसबीसी विनिर्माण पीएमआई के अंतिम आंकड़ों के साथ एचएसबीसी सेवाओं और समग्र पीएमआई के आंकड़ों पर भी सबकी नजर रहेगी। रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष-शोध अजित मिश्रा ने कहा कि आय के मोर्चे पर, कई प्रमुख सूचकांक कंपनियां अपने तिमाही परिणामों की घोषणा करने वाली हैं। इनमें भारती एयरटेल, टाइटन कंपनी, अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी पोर्ट्स, इंटरग्लोब एविएशन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक, ल्यूपिन, बजाज ऑटो और हिंडाल्को शामिल हैं।

- **एचएसबीसी विनिर्माण पीएमआई के साथ एचएसबीसी सेवाओं और समग्र पीएमआई के आंकड़ों पर रहेगी नजर**

उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर, व्यापार करार से जुड़े घटनाक्रमों और प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के रुझानों पर भी कड़ी नजर रखी जाएगी। एक विशेषज्ञ ने बताया कि निवेशक विदेशी निवेशकों की व्यापारिक गतिविधियों पर भी नजर रखेंगे। तीन महीने की निकासी के बाद अक्टूबर में विदेशी निवेशकों ने शेयरों में 14,610 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है।

ऑनलाइन ट्रेडिंग और संपदा प्रौद्योगिकी कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा कि इस सप्ताह बाजार व्यस्त वृहद कैलेंडर से संकेत लेगा, जिसमें भारत और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के लिए एसएंडपी वैश्विक विनिर्माण और सेवा पीएमआई आंकड़ों की एक श्रृंखला वैश्विक वृद्धि गति के बारे में नई जानकारी प्रदान करेगी। इनके अलावा डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल निवेशकों की धारणा और क्षेत्रीय रुझानों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि भारतीय बाजारों ने अक्टूबर के आखिरी सप्ताह का समापन मुनाफावसूली के साथ किया क्योंकि निवेशकों ने निरंतर तेजी के बाद कुछ दांव लगाए। बाजार अमेरिका के साथ कई देशों की व्यापार वार्ता और कंपनियों के तिमाही नतीजों पर नजर रखेगा।

एफपीआई ने 14,610 करोड़ रुपये का किया निवेश

नई दिल्ली। तीन माह तक निकासी के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) फिर लिवाल बने हैं। अक्टूबर में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 14,610 करोड़ रुपये निवेश किए हैं। इस निवेश को कंपनियों के मजबूत तिमाही नतीजों, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती और अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता के जल्द साकार होने की उम्मीदों से बल मिला। डिपॉजिटरी के अनुसार, एफपीआई ने सितंबर में 23,885 करोड़, अगस्त में 34,990 करोड़ और जुलाई में 17,700 करोड़ रुपये निकाले थे।

शीर्ष चार कंपनियों की पूंजी 95,447 करोड़ रुपये बढ़ी

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से चार के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 95,447.38 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। शीर्ष 10 में रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई। वहीं एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मूल्यांकन में सामूहिक रूप से 91,685.94 करोड़ रुपये की गिरावट आई।

सीसीआई के पास पेटेंट विवादों की जांच का अधिकार नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

- **एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने कहा- पेटेंट अधिनियम प्रतिस्पर्धा अधिनियम से ऊपर**

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने कहा है कि भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के पास पेटेंट मामलों से संबंधित विवादों की जांच करने का कोई अधिकार नहीं है। सीसीआई के उस आदेश के खिलाफ अपील को खारिज करते हुए, जिसमें नियामक ने स्विस फार्मा कंपनी विफोर इंटरनेशनल (एजी) के खिलाफ शिकायत बंद कर दी थी।

एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि पेटेंट अधिनियम प्रतिस्पर्धा अधिनियम से ऊपर होगा। पहले के फैसलों का हवाला देते हुए, एनसीएलएटी ने कहा कि टेलीफोनैक्टीबोलागेट एलएम एरिक्सन (पीयूबीएल) मामले में दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले और विशेष अनुमति याचिका में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को देखते हुए, यह स्पष्ट है कि सीसीआई के पास विफोर इंटरनेशनल (एजी) के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच करने का अधिकार नहीं है। एनसीएलएटी, जो सीसीआई द्वारा पारित आदेशों पर अपीलीय प्राधिकरण है ने कहा कि विफोर इंटरनेशनल के पास फेरिक कार्बोक्सिमाल्टोज (एफसीएम) इंजेक्शन का पेटेंट है, जो आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया (आईडीए) के उपचार के लिए आवश्यक है। मामले के तथ्यों पर पेटेंट अधिनियम, प्रतिस्पर्धा अधिनियम से 'प्रबल' होगा, क्योंकि विवाद का विषय एफसीएम है।

बिजनेस ब्रीफ

सितंबर माह में चाय का उत्पादन 5.9% घटा

कोलकाता। सितंबर माह के दौरान चाय का उत्पादन 5.9% घटकर 15.99 करोड़ किलोग्राम रह गया है। पिछले साल समान अवधि में यह 16.99 करोड़ किलोग्राम था। चाय बोर्ड के अनुसार, सितंबर, 2025 के दौरान असम में चाय उत्पादन 9.47 करोड़ किलोग्राम पर स्थिर रहा, जबकि 2024 की इसी अवधि में यह 9.40 करोड़ किलोग्राम था। पश्चिम बंगाल में चाय उत्पादन घटकर चार करोड़ किग्रा से कुछ अधिक रहा, जो 2024 के इसी महीने में 4.83 करोड़ किलोग्राम था। उत्तर भारत, जिसमें असम और प. बंगाल राज्य हैं, में चाय उत्पादन सितंबर में घटकर 13.86 करोड़ किग्रा रह गया, जो 2024 में 14.69 करोड़ किग्रा था। दक्षिण भारत में, सितंबर में उत्पादन घटकर 2.12 करोड़ किग्रा रह गया, जबकि 2024 में ये 2.29 करोड़ किग्रा था।

डीएलएफ ने 221 फ्लैट 16 हजार करोड़ में बेचे

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी डीएलएफ ने अपनी अति-आलीशान आवासीय परियोजना 'द डहलियाज' में अब तक 16,000 करोड़ के 221 अत्यंत आलीशान फ्लैट बेच दिए हैं। पिछले साल अक्टूबर में डीएलएफ ने गुरुग्राम के डीएलएफ फेज 5 में 17 एकड़ की अति-आलीशान आवासीय परियोजना 'द डहेलियाज' पेश की थी, जिसमें 420 अपार्टमेंट और पेंटहाउस हैं। डीएलएफ के नवीनतम निवेशक प्रस्तुतीकरण के अनुसार, कंपनी ने इस बहुप्रतीक्षित आवास परियोजना में सितंबर तिमाही तक 15,818 करोड़ की बिक्री की है। प्रति अपार्टमेंट औसत कीमत लगभग 72 करोड़ रुपये है।

ओयो ने बोनस इश्यू की समयसीमा बढ़ाई

नई दिल्ली। यात्रा प्रौद्योगिकी मंच ओयो ने अपने गैर-सूचीबद्ध इक्विटी शेयरधारकों के लिए संभावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से संबंधित बोनस शेयर जारी करने के आवेदन की अंतिम तिथि एक नवंबर से बढ़ाकर सात नवंबर कर दी है। कंपनी ने शेयरधारकों को भेजे संदेश में कहा कि डाक मतपत्र प्रक्रिया के दौरान उसे प्रतिक्रियाएं मिली हैं और उसने निवेशकों को उनके लिए उपयुक्त बोनस विकल्प चुनने के लिए पर्याप्त समय देने का निर्णय लिया है। ओयो ने कहा क चियन की अवधि, जो मूल रूप से एक नवंबर को समाप्त होने वाली थी, वह अब नौ दिन बढ़ाकर सात नवंबर, 2025 कर दी गई है।

पेट्रोल की बिक्री बढ़ी, डीजल की मांग रही स्थिर

नई दिल्ली, एजेंसी

त्योहारों के दौरान यात्रा में तेजी से अक्टूबर में भारत में पेट्रोल की बिक्री पांच महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। हालांकि, इस दौरान डीजल की खपत स्थिर रही जो इस रुझान के उलट है। यह जानकारी उद्योग के शुरुआती आंकड़ों से मिली है।

त्योहारों के सीजन की शुरुआत से ईंधन की मांग बढ़ने से अक्टूबर में पेट्रोल की खपत सालाना आधार पर 7% बढ़कर 36.5 लाख टन हो गई। सितंबर में पेट्रोल की बिक्री 34 लाख टन रही थी। देश में सबसे ज्यादा खपत वाले ईंधन डीजल की बिक्री अक्टूबर में मामूली गिरावट के साथ 76 लाख टन रही, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 76.4 लाख टन थी। ऐतिहासिक रूप से, जून में बारिश के मौसम के आगमन के साथ डीजल की खपत में गिरावट आती थी, क्योंकि सिंचाई पंप चलाने के लिए ईंधन की मांग कम हो जाती थी और वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित होती थी। हालांकि, अक्टूबर से बिक्री बढ़ जाती थी क्योंकि बारिश कम होती है और त्योहारी सीजन की वजह से ट्रक की आवाजाही भी बढ़ती है। लेकिन इस साल, यह रुझान उलट गया है और अक्टूबर में खपत में बढ़ोतरी के बजाय मामूली गिरावट देखी गई।

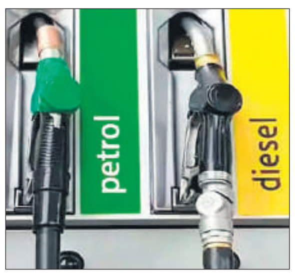

- **अक्टूबर में पेट्रोल की खपत सालाना आधार पर 7% बढ़कर 36.5 लाख टन हुई**

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ की मासिक रिपोर्ट के अनुसार, पेट्रोल की खपत अक्टूबर, 2023 की तुलना में 16.3 प्रतिशत अधिक थी, जबकि इस साल डीजल की बिक्री अक्टूबर, 2023 की 76.3 लाख टन की मांग से कम रही। विमान ईंधन या एटीएफ की खपत में लगातार सुधार जारी रहा और अक्टूबर में यह 1.6 प्रतिशत बढ़कर 7,69,000 टन हो गई। यह अक्टूबर, 2023 की तुलना में 11.11 प्रतिशत अधिक है। 2019 से, एटीएफ की खपत 1.65 प्रतिशत सालाना दर से बढ़ी है।

एलपीजी की बिक्री 5.4% बढ़कर 30 टन हुई

अक्टूबर में रसोई गैस या एलपीजी की बिक्री 5.4 प्रतिशत बढ़कर लगभग 30 टन हो गई, क्योंकि घरेलू खाना पकाने की जरूरतें लगातार बढ़ रही हैं। इस वृद्धि का एक प्रमुख कारण ईंधन की घरेलू मांग है। भारत ने सब्सिडी वाली एलपीजी आपूर्ति योजना पीएमयूवाई में 25 लाख नए घर जोड़े, जिससे इसके अंतर्गत आने वाले परिवारों की संख्या 10.33 करोड़ से बढ़कर 10.58 करोड़ हो गई। अप्रैल, 2025 से शुरू हुए चालू वित्त वर्ष के पहले सात महीनों में पेट्रोल की खपत 6.8 प्रतिशत बढ़कर 2.48 करोड़ टन हो गई है, जबकि डीजल की बिक्री 2.45 प्रतिशत बढ़कर 5.33 करोड़ टन रही। इस वित्त वर्ष में एटीएफ की खपत एक प्रतिशत बढ़कर 52 लाख टन हो गई है, और एलपीजी की मांग 7.2 प्रतिशत बढ़कर 1.97 करोड़ टन हो गई है।

भंडार आधारित ई-कॉमर्स निर्यात पर वाणिज्य मंत्रालय ने विभिन्न विभागों से मांगे विचार

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों से ई-कॉमर्स के इन्वेंट्री (भंडार) आधारित मॉडल में केवल निर्यात उद्देश्यों के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति देने के प्रस्ताव पर विचार मांगे हैं। इस बारे में मंत्रालय ने एक नोट जारी किया

इस प्रस्ताव का उद्देश्य छोटे खुदरा विक्रेताओं के कारोबार को प्रभावित किए बिना भारत के निर्यात को बढ़ावा देना है। वर्तमान में, देश की एफडीआई नीति ई-कॉमर्स के भंडार-आधारित मॉडल में विदेशी निवेश की अनुमति नहीं देती है। केवल मार्केटप्लेस मॉडल के माध्यम से काम करने वाली कंपनियों, जैसे अमेजन और फ्लिपकार्ट में स्वतः मंजूर मार्ग से इसकी 100 प्रतिशत अनुमति है। अधिकारी ने बताया कि प्रस्ताव मौजूदा एफडीआई नीति के अनुपालन में, ई-कॉमर्स इकाइयों को ई-कॉमर्स के इन्वेंट्री-आधारित मॉडल में, विशेष रूप से भारत में निर्मित या उत्पादित वस्तुओं और उत्पादों के निर्यात के लिए अनुमति देने का है। एफडीआई नीति के अनुसार, ई-कॉमर्स के भंडार-आधारित मॉडल का अर्थ ऐसी ई-कॉमर्स गतिविधि है जहां वस्तुओं और सेवाओं की इन्वेंट्री का स्वामित्व ई-कॉमर्स इकाइयों के पास होता है।

- **छोटे खुदरा विक्रेताओं के कारोबार को प्रभावित किए बिना निर्यात को बढ़ावा देने का उद्देश्य**

दूसरी ओर, ई-कॉमर्स के बाजार-आधारित मॉडल का अर्थ है, किसी ई-कॉमर्स इकाई द्वारा डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक नेटवर्क पर एक सूचना प्रौद्योगिकी मंच प्रदान करना जो क्रेता और विक्रेता के बीच एक सूत्रधार के रूप में कार्य करे। नीति इन वस्तुओं को घरेलू बाजार में बेचने की बात करती है, निर्यात की नहीं। एफडीआई नीति में यह भी कहा गया है कि बाजार उपलब्ध कराने वाली कोई भी ई-कॉमर्स इकाई भंडार यानी बेचे जाने वाले सामान पर स्वामित्व या नियंत्रण नहीं रखेगी।

लालू के बेटे की सरकार बनी तो अपहरण हत्या व रंगदारी के तीन नए मंत्रालय होंगे

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने मुजफ्फरपुर की चुनावी रैली में राजद नेता पर बोला हमला

मुजफ्फरपुर (बिहार), एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार पर हमला बोलते हुए कहा कि अगर उनके बेटे को सत्ता मिली तो बिहार में हत्या, अपहरण और रंगदारी के तीन नए मंत्रालय बनाए जाएंगे। मुजफ्फरपुर में चुनावी रैली में शाह ने दावा किया कि अगर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बरकरार रही तो बिहार को बाढ़मुक्त बनाया जाएगा और इसके लिए एक अलग मंत्रालय का गठन किया जाएगा।

शाह ने कहा कि अगर राजग की सत्ता बरकरार रहती है तो बिहार को बाढ़मुक्त बनाया जाएगा। बाढ़ नियंत्रण के लिए एक अलग मंत्रालय स्थापित किया जाएगा। उन्होंने जनता से अपील की कि वे राजग को वोट देकर राजद शासन के दौरान देखे गए जंगलराज की पुनरावृत्ति को रोकें। अगर लालू जी के बेटे (तेजस्वी यादव) मुख्यमंत्री बने, तो बिहार में तीन नए मंत्रालय बनेंगे-एक हत्या के लिए, दूसरा अपहरण के लिए और तीसरा रंगदारी के लिए। आपके वोट बिहार को फिर से जंगलराज में जाने से बचाएंगे। नए चेहरों के साथ फिर से जंगलराज लाने की कोशिश हो रही है।

गृह मंत्री ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों अपने बेटों को बिहार का मुख्यमंत्री और देश का प्रधानमंत्री बनाना चाहते हैं, जबकि दोनों पद खाली नहीं हैं।

वैशाली की सभा में शाह ने घोषणा की कि बिहार के सीतामढ़ी, जिसे माता सीता की जन्मभूमि माना जाता है, से उत्तर प्रदेश के अयोध्या तक एक विशेष वंदे भारत ट्रेन शुरू की जाएगी।यह सेवा सीतामढ़ी में 850 करोड़ में मंदिर निर्माण के बाद शुरू की जाएगी।

बिहार विस चुनाव

- **शाह बोले- लालू और सोनिया अपने बेटों को मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बनाना चाहते हैं**

अडाणी-अंबानी के रिमोट से चलते हैं मोदी: राहुल

बेगूसराय। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह न केवल ट्रंप से डरते हैं, बल्कि बड़े कारोबारी घरानों के रिमोट कंट्रोल के इशारे पर काम करते हैं। गांधी ने बिहार के बेगूसराय जिले में चुनावी सभा में कहा कि बड़ी छाती होना ताकतवर होने की निशानी नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हमारे नरेन्द्र मोदी जो 56 इंच की छाती का दावा करते हैं, लेकिन जब ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ट्रंप का फोन आया तो उन्हें घबराहट का दौरा पड़ गया और पाकिस्तान के साथ सैन्य टकराव दो दिन में खत्म हो गया। वह न सिर्फ ट्रंप से डरते हैं बल्कि अडाणी और अंबानी के रिमोट से चलते हैं।

भाजपा-जदयू ने युवाओं से अवसर छीना : खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को आरोप लगाया कि भाजपा और जदयू ने 20 वर्षों के अपने शासन में बिहार के युवाओं से हर अवसर और सपना छीन लिया, लेकिन अब राज्य के आत्मसम्मान को बहाल करने का समय आ गया है। खरगे ने कहा कि अब महागठबंधन के 'न्याय संकल्प' को दोहराने का समय आ गया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने एक्स पर कहा कि बिहार के लोग जहां भी जाते हैं, मेहनत और हुनर से उन शहरों की किस्मत चमका देते हैं, लेकिन वे अपने बिहार की तक़दीर अब तक क्यों नहीं बदल पाए? उन्हें मज़दूरी करने के लिए मजबूर कर दिया गया।

भाजपा की चुनावी रणनीति, जनसंपर्क अभियान के अध्ययन के लिए विदेशी राजनयिकों का बिहार दौरा

पटना। भाजपा को जानें पहल के तहत जापान, इंडोनेशिया, डेनमार्क, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, भूटान और दक्षिण अफ्रीका के राजनयिक आगामी दो और तीन नवम्बर को बिहार दौरे पर आ रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा शुरू की गई पहल का उद्देश्य विदेशी राजनयिकों को भाजपा की चुनावी प्रक्रिया, संगठन की कार्यशैली और पार्टी की जनसंपर्क शक्ति से अवगत कराना है। यह प्रतिनिधिमंडल बिहार के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव अभियानों का प्रत्यक्ष अनुभव करेगा और वरिष्ठ भाजपा नेताओं से मुलाकात भी करेगा। विदेशी राजनयिकों को भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था और बिहार में होने वाले चुनावी गतिविधियों की जमीनी हकीकत को समझने का अवसर भी मिलेगा। इससे पहले भी इसी तरह के राजनयिक प्रतिनिधिमंडलों ने गुजरात, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान के विधानसभा चुनावों के दौरान भाजपा की चुनावी रणनीति और प्रबंधन को समझने के लिए इन राज्यों का दौरा किया था। इस पहल की देखरेख भाजपा के विदेश मामलों के प्रभारी, डॉ. विजय चौथा वाले द्वारा की जा रही है।

दुलार चंद की हत्या में अनंत सिंह सहित 3 गिरफ्तार

पटना। मोकामा क्षेत्र से जदयू के उम्मीदवार एवं पूर्व विधायक अनंत सिंह को जन सुराज समर्थक दुलार चंद यादव की हत्या में रविवार तड़के गिरफ्तार किया गया। इस मामले में मणिकांत ठाकुर और रंजीत राम को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, यादव की हत्या मोकामा में हुई थी, जब वह जन सुराज पार्टी के प्रत्याशी पीयूष प्रियदर्शी के पक्ष में प्रचार कर रहे थे। एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने डीएम एसएम थायागराजन के साथ यह जानकारी दी।

तेजस्वी को भरोसा, बताई शपथ लेने की तारीख

पटना। मुख्यमंत्री पद के लिए विपक्षी गठबंधन के उम्मीदवार एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने दावा किया कि विस चुनाव के बाद विपक्षी गठबंधन राज्य में अगली सरकार बनाएगा तथा चुनाव परिणाम आने के चार दिन बाद शपथ ग्रहण समारोह होगा। तेजस्वी ने कहा कि 14 नवम्बर को चुनाव के नतीजे आएंगे और 18 को शपथ ग्रहण होगा। उन्होंने यह टिप्पणी पूर्व विधायक अनंत सिंह की गिरफ्तारी को लेकर की। सिंह, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी के उम्मीदवार हैं और उनपर दुलार चंद यादव की हत्या में कार्रवाई हुई है। तेजस्वी ने कहा कि इतनी गंभीर घटना हुई थी, इसलिए यह होना ही था। उन्होंने कहा कि 26 नवम्बर से पहले हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी अपराधियों पर सबसे कड़ी कार्रवाई की जाए।

चौथी कक्षा की छात्रा स्कूल की चौथी मंजिल से कूदी, मौत

जयपुर। राजस्थान के जयपुर के प्रतिष्ठित नीरजा मोदी स्कूल में चौथी कक्षा की 12 वर्षीय छात्रा अमायरा ने चौथी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। यह घटना स्कूल में लगे सीसीटीवी में कैद हुई है।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की बात कही गई, लेकिन सीसीटीवी फुटेज के सामने आने के बाद कई सवाल उठे कि आखिर इतनी छोटी उम्र में बच्ची ने ऐसा क्यों किया? स्कूल प्रशासन की चुप्पी और जांच में असहयोग ने विवाद को और भड़का दिया है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने मामले की जांच के लिए समिति गठित कर दी है। अमायरा का क्लासरूम ग्राउंड फ्लोर पर था, लेकिन दोपहर 12 बजे वह चौथी मंजिल पर पहुंच गई। वहां रेलिंग पर चढ़कर उसने छलांग लगा दी। सीसीटीवी में ये साफ दिखाई दे रहा है। अमायरा को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मानसरोवर थाने के प्रभारी लखन खटाना ने बताया कि फुटेज आत्महत्या की ओर इशारा करता है, लेकिन पोस्टमॉर्टम और फोरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार है।

मुझ पर दबाव बनाने को परिजनों पर दर्ज किए गए थे केस : पूर्व सीजेआई रमण

अमरावती, एजेंसी

पूर्व प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण ने कहा है कि उन पर दबाव डालने के लिए उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ मामले दायर किए गए थे। वीआईटी-एपी विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए, पूर्व न्यायमूर्ति रमण ने राज्य की पूर्ववर्ती वाईएसआरसीपी सरकार का नाम लिए बिना शनिवार को कहा कि संवैधानिक सिद्धांतों को कायम रखने वाले न्यायपालिका के सदस्यों को भी दबाव और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा।

उन्होंने कहा कि यहां उपस्थित अधिकांश लोग जानते हैं कि कैसे मेरे परिवार के सदस्यों को निशाना बनाया गया और उनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए गए। यह सब केवल मुझे मजबूर करने के लिए किया गया था, और मैं अकेला नहीं था। उस कठिन दौर में, किसानों के मुद्दों के प्रति सहानुभूति रखने वाले सभी लोगों को धमकी और दबाव का सामना करना पड़ा। न्यायमूर्ति रमण तत्कालीन वाईएस जगन मोहन रेड्डी सरकार के खिलाफ किसानों के आंदोलन का जिक्र कर रहे थे। अमरावती को आंध्र प्रदेश की एकमात्र राजधानी के रूप में रद्द करने और विशाखापत्तनम को प्रशासनिक राजधानी, अमरावती को विधायी राजधानी और कुरनूल को न्यायिक राजधानी बनाने के तीन राजधानियों के फॉर्मूले को अपनाने के तत्कालीन जगन मोहन सरकार के फैसले के खिलाफ आंदोलन किया गया था।

- **वीआईटी-एपी विवि के समारोह पूर्ववर्ती वाईएसआरसीपी सरकार का नाम लिए बिना लगाया आरोप**

पूर्व प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि ऐसे समय में, जब कई नेता कोई रुख अपनाने में हिचकिचा रहे थे या चुप्पी साधे हुए थे, तब इस देश के न्यायविद, वकील और अदालतें ही थीं, जो अपनी संवैधानिक शपथ पर अड़ी रहीं। उन्होंने कहा कि सरकारें भले ही बदलती रहें, लेकिन अदालतें और कानून का शासन स्थिरता का आधार बने रहते हैं, और कानून का शासन तभी कायम रहता है, जब लोग जनता के भरोसे पर खरे उतरते हैं और सुविधाओं के लिए अपनी ईमानदारी नहीं छोड़ते हैं।

पूर्व प्रधान न्यायाधीश ने अमरावती से अपने जुड़ाव को याद करते हुए कहा कि मैं अमरावती के किसानों के जज्बे को सलाम करता हूं, जिन्होंने सरकारी तंत्र की ताकतों का साहसपूर्वक सामना किया। मुझे किसानों के संघर्ष से बहुत प्रेरणा मिलती है। मैं न्यायिक व्यवस्था और लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर भरोसा जताने के लिए उनका आभार भी जताता हूं। आंध्र प्रदेश में मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के बाद, अमरावती राजधानी परियोजना को पुनर्जीवित किया गया और अब इसका काम तेज गति से आगे बढ़ रहा है।

नौ की मौत के बाद काशीबुग्गा मंदिर में प्रवेश पर लगी रोक

काशीबुग्गा (आंध्र प्रदेश)। आंध्र प्रदेश पुलिस ने श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा में स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में धार्मिक समारोह के दौरान नौ लोगों की मौत होने के एक दिन बाद रविवार को मंदिर में श्रद्धालुओं के प्रवेश पर रोक लगा दी। शनिवार को इस मंदिर में हुई दुर्घटना में आठ महिलाओं और एक बच्चे की मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मंदिर का एकमात्र द्वार बंद था और जिन श्रद्धालुओं को पहले दर्शन के लिए अंदर जाने दिया गया था, वे ग्रिल टूटने के कारण सीढ़ियों के नीचे इंतजार कर रहे लोगों पर गिर गए और यह भीषण हादसा हुआ। श्रीकाकुलम जिले के एसपी केवी महेश्वर रेड्डी ने कहा कि हमने इस त्रासदी को देखते हुए मंदिर में श्रद्धालुओं के प्रवेश पर रोक लगा दी है। नौ शवों को पोस्टमार्टम के बाद परिजन को सौंप दिया गया है। गंभीर रूप से घायल दो लोग अब स्थिर अवस्था में हैं और अन्य को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

सीएम कार्यालय का फर्जी लेटरहेड बनाने और मरीजों को ठगने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के मुख्यमंत्री कार्यालय का कथित तौर पर फर्जी आधिकारिक लेटरहेड बनाने और ईडब्ल्यूएस कोटे के तहत निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज का वादा कर गरीब मरीजों को ठगने के आरोप में एमसीडी के एक संविदा कर्मचारी को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि टैगोर गार्डन निवासी सोनू (27) को मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) से शिकायत मिलने के बाद 30 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया। ये मामला उस वक्त सामने आया, जब दिल्ली के महाराजा अग्रसेन अस्पताल के अधिकारियों ने सीएमओ को ईमेल भेजकर एक पत्र की पुष्टि का आग्रह किया, जिसमें उन्हें ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) श्रेणी के तहत श्याम शंकर नाम के मरीज के लिए मुफ्त इलाज की सिफारिश की थी। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) राजा बांठिया ने बताया कि पत्र पर मुख्यमंत्री कार्यालय के शीर्ष अधिकारियों के जाली हस्ताक्षर थे। अस्पताल अधिकारियों को संदेह हुआ क्योंकि पत्र में वर्तनी की अशुद्धियां थीं। उन्हें मुख्यमंत्री कार्यालय से खुद को बलबीर सिंह राठी बताने वाले व्यक्ति का फोन आया, जिसने उन्हें उपचार जारी रखने का निर्देश दिया। इस पत्र को संदिग्ध पाते हुए अस्पताल ने सत्यापन के लिए सीएमओ से संपर्क किया। इसके बाद मुख्यमंत्री के विशेषकार्य अधिकारी (ओएसडी) एससी वशिष्ठ ने सिविल लाइंस थाने में शिकायत दी।

- **निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज कराने का वादा कर गरीबों को ठगता था**

वर्ल्ड ब्रीफ

ईरान दो हफ्तों में बना सकता है परमाणु बम

तेहरान। ईरान के पूर्व वरिष्ठ न्यायिक अधिकारी मोहम्मद-जवाद लारीजानी ने कहा है कि ईरान दो हफ्तों में परमाणु बम बनाने की क्षमता रखता है लेकिन फिर भी वह ऐसा नहीं करने का विकल्प चुनता है। लारीजानी ने कहा कि ईरान के सर्वोच्च नेता अली ख़ामेनेई ने परमाणु हथियारों के विरुद्ध जारी फतवा जारी किया है जो मजबूत शिया न्यायशास्त्र पर आधारित है। खामनेई के शीर्ष सलाहकार रहे लारीजानी ने कहा कि वह एक निवारक शक्ति के रूप में ईरान के परमाणु कार्यक्रम के विस्तार का समर्थन करते हैं लेकिन परमाणु हथियार बनाने का समर्थन नहीं करते।

मणिपुर में जब्त किए भारी मात्रा में हथियार

इंफाल। मणिपुर पुलिस और सुरक्षा बलों ने शनिवार को विभिन्न जिलों में चलाए गए अभियान में प्रतिबंधित सामग्री बरामद की और कई लोगों को गिरफ्तार किया। कांगपोकपी जिले के गमनोम सपेरमेइना पुलिस स्टेशन के अंतर्गत लुवांगसांगोल और फैलेंग गांवों के बीच के सामान्य क्षेत्र में एक अभियान में सुरक्षा बलों ने स्थानीय रूप से निर्मित बोल्ट एक्शन सिंगल-बैरल बंदूकें, कारतूस, वायरलेस सेट, सैन्य जूते, बेल्ट और सैन्य पोशाक बरामद की। एक अलग अभियान में पुलिस ने जिरीबाम पुलिस स्टेशन के अंतर्गत लींगंगपोकपी पुलिस चौकी पर नियमित जाँच के दौरान लगभग बहत्तर हज़ार रुपये मूल्य की 480 बीयर की कैन ज़ब्त की।

पाकिस्तान ने तोरखम सीमा फिर से खोली

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अफ़ग़ान शरणार्थियों की स्वदेश वापसी के लिए उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में तोरखम सीमा को फिर से खोल दिया है। प्रांत के खैबर जिले के डिप्टी कमिश्नर बिलाल राव ने मीडिया से शनिवार को कहा कि आज सुबह सीमा पार से परिचालन फिर से शुरू किया गया जिससे उन अफगान परिवारों को वापस भेजा जा सके जो हफ्तों से पाकिस्तान में इंतजार कर रहे हैं। सैकड़ों अफ़ग़ानी आव्रजन केंद्र पर पहुंच चुके हैं जहां दस्तावेज बनाए जा रहे हैं।

ब्रिटेन में चाकू से हमले में दो लोग गिरफ्तार

लंदन। ब्रिटेन के कैम्ब्रिजशायर में एक ट्रेन में कई लोगों पर चाकू से हमला किया गया, जिसके बाद पुलिस ने शनिवार शाम को ट्रेन को रोककर घटना के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। ब्रिटेन की पुलिस ने बताया कि इस घटना के बाद 10 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से नौ को जानलेवा चोटें आई हैं। आतंकवाद निरोधी पुलिस जांच में सहयोग कर रही है।

कनाडा और फिलीपीन में रक्षा समझौता, बढ़ाएंगे युद्धाभ्यास

मनीला (फिलीपीन), एजेंसी

- दोनों मिलकर समुद्र में चीन की आक्रामकता रोकेंगे

विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती आक्रामकता के कटु आलोचक कनाडा और फिलीपीन ने रविवार को एक महत्वपूर्ण रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य उनकी सेनाओं का संयुक्त सैन्य अभ्यास करना और आक्रामकता को रोकना है।

कनाडा एवं अन्य पश्चिमी देश कानून के शासन को बढ़ावा देने और क्षेत्र में व्यापार व निवेश बढ़ाने में मदद करने के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ा रहे हैं। फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर अन्य देशों के साथ रक्षा संबंध स्थापित करने के प्रयास कर रहे हैं, ताकि उनके देश की सेना को विवादित जल क्षेत्र में सैन्य रूप से अपेक्षाकृत मजबूत चीन का सामना करने में मदद मिल सके। चीन ने इस मामले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। चीन ने फिलीपीन पर दक्षिण चीन सागर में अमेरिका और अन्य देशों के साथ संयुक्त गश्त और युद्ध अभ्यास करने को लेकर संकट पैदा करने वाला और क्षेत्रीय स्थिरता को नुकसान पहुंचाने वाला होने का आरोप लगाया है। बीजिंग इस जलमार्ग के चीन के होने का दावा करता है, जबकि 2016 के मध्यस्थता निर्णय में 1982 के संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन के आधार पर इन दावों को अमान्य करार दिया गया था।

गंभीर चिंता...खतरनाक संकेत

बच्चों में आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति

बच्चों में आत्महत्या की बढ़ती दर एक गंभीर और चिंताजनक मुद्दा है, जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। आत्महत्या एक ऐसी समस्या है जो न केवल बच्चे को प्रभावित करती है, बल्कि उसके परिवार और समुदाय को भी प्रभावित करती है। बच्चों में आत्महत्या के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं, परीक्षा का दबाव, सामाजिक दबाव, और घरेलू समस्याएं शामिल हैं। नकारात्मक ओटीटी प्लेटफार्म भी इसके पीछे एक कारक हो सकते हैं। बच्चों में आत्महत्या को रोकने के लिए, हमें उनकी मानसिक स्वास्थ्य जरूरतों को समझना और उन्हें समर्थन प्रदान करना आवश्यक है। इसके लिए हमें मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ानी होगी, परीक्षा प्रणाली में बदलाव करना होगा, और बच्चों को सामाजिक समर्थन प्रदान करना होगा।

कारण

- **मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं** : अवसाद, चिंता, और अन्य मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं बच्चों में आत्महत्या के प्रमुख कारण हो सकते हैं।
- **परीक्षा का दबाव** : परीक्षा में असफलता या अच्छे अंक न लाने का दबाव बच्चों पर बहुत अधिक तनाव पैदा कर सकता है।
- **सामाजिक दबाव** : दोस्तों और परिवार के दबाव के कारण भी बच्चे आत्महत्या की ओर बढ़ सकते हैं।
- **घरेलू समस्याएं** : घरेलू हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, और आर्थिक तनाव भी बच्चों में आत्महत्या के कारण बन सकते हैं।

समाधान

- **मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता** : बच्चों के लिए मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाना और उन्हें आसानी से सुलभ बनाना।
- **परीक्षा प्रणाली में बदलाव** : परीक्षा प्रणाली में बदलाव करना और बच्चों पर दबाव कम करना।
- **सामाजिक समर्थन** : बच्चों को सामाजिक समर्थन प्रदान करना और उन्हें आत्महत्या के खतरों के बारे में जागरूक करना।

ओटीटी के नकारात्मक प्रभाव

बच्चों पर ओटीटी प्लेटफार्मों के बढ़ते नकारात्मक प्रभावों को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। ओटीटी प्लेटफार्म युवाओं के लिए एक बड़ा आकर्षण बन गए हैं, लेकिन इनके अधिक उपयोग से कई नकारात्मक प्रभाव देखे गए हैं। एक अध्ययन के अनुसार ओटीटी प्लेटफार्मों पर बिंग-वॉचिंग करने से युवाओं में चिंता, अवसाद, और नींद की कमी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। हिंसक और अपमानजनक सामग्री देखने से युवाओं में आक्रामक व्यवहार बढ़ सकता है। अधिक समय तक स्क्रीन के सामने बैठने से शारीरिक स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

आए दिन हो रहीं घटनाएं

- राजस्थान के कोटा में कोचिंग केंद्रों में इंजीनियरिंग और मेडिकल की तैयारी कर रहे दर्जनभर छात्रों के आत्महत्या के मामले इस साल सामने आए हैं।
- जयपुर में निजी स्कूल में कक्षा 4 की छात्रा ने आत्महत्या कर ली। साल 2023 में 12 वर्षीय लड़के ने स्कूल में आत्महत्या कर ली, क्योंकि उसे माता-पिता द्वारा परीक्षा में अच्छे अंक न लाने के लिए डांटा गया था। 15 वर्षीय लड़की ने प्रेमी से धोखा खाकर जान दे दी थी। 10 वर्षीय लड़के ने आत्महत्या कर ली, उसे स्कूल में बदमाशी का सामना करना पड़ रहा था।

दक्षिण चीन सागर में चीनी गतिविधि का दृढ़तापूर्वक मुकाबला करे आसियान

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने दक्षिण पूर्व एशियाई देशों से की अपील

कुआलालंपुर, एजेंसी

अमेरिकी रक्षामंत्री पीट हेगसेथ।

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से अपील की है कि वे दक्षिण चीन सागर में चीन की अस्थिर करने वाली बढ़ती गतिविधियों का दृढ़तापूर्वक मुकाबला करने के लिए तैयार रहें और अपनी समुद्री सेनाओं को मजबूत बनाएं। हेगसेथ ने हालांकि इसके कुछ घंटे बाद सोशल मीडिया पर चीन के प्रति नरम रुख अपनाते हुए कहा कि अमेरिका-चीन संबंध कभी इतने अच्छे नहीं रहे और दोनों पक्षों ने सीधे तौर पर सैन्य संपर्क स्थापित करने पर सहमति जताई है।

शनिवार को मलेशिया में दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संघ (आसियान) के अपने समकक्षों के साथ हुई बैठक में हेगसेथ ने विवादित जल क्षेत्रों में चीन की आक्रामकता को लेकर अमेरिका की चिंताओं को दोहराया और जहाजों को टक्कर मारने जैसी घटनाओं का हवाला दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि चीन का उकसाने वाला व्यवहार उसके पड़ोसियों की संप्रभुता और क्षेत्रीय स्थिरता को खतरे में डाल सकता है। दक्षिण चीन सागर में चीन के व्यापक क्षेत्रीय एवं समुद्री दावे शांतिपूर्ण तरीके से विवादों को सुलझाने के वादों के विपरीत हैं। उन्होंने कहा कि हम शांति चाहते हैं। संघर्ष नहीं चाहते लेकिन हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि चीन आप पर या किसी और पर प्रभुत्व जमाने की कोशिश न करे। दक्षिण चीन सागर एशिया के सबसे अस्थिर विवादित क्षेत्रों में से एक बना हुआ है। चीन लगभग पूरे क्षेत्र पर दावा करता है, जबकि आसियान के सदस्य फिलीपीन, वियतनाम, मलेशिया और ब्रुनेई भी तटीय क्षेत्रों पर अपना दावा जताते हैं। अमेरिका के प्रमुख सहयोगी फिलीपीन के जहाजों का चीन के समुद्री बेड़े के साथ अक्सर टकराव होता रहा है। हालांकि रविवार तड़के हेगसेथ ने एक्स पर लिखा कि उन्होंने शनिवार को चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जुन से फिर बात की। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने किसी भी समस्या पर चर्चा करने के लिए सैन्य संचार चैनल स्थापित करने पर सहमति जताई है।

सीरिया के राष्ट्रपति की मेजबानी करेंगे ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा के साथ व्हाइट हाउस में वार्ता करेंगे। एक प्रशासनिक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में किसी सीरियाई राष्ट्रपति की पहली यात्रा होगी। इस बैठक की औपचारिक घोषणा नहीं की गई है। अधिकारी ने अपनी पहचान गोपनीय रखे जाने की शर्त पर बताया कि बैठक 10 नवंबर को होने की संभावना है। ट्रंप ने मई में सऊदी अरब में अल-शरा से मुलाकात की थी, जो अमेरिका और सीरिया के नेताओं के बीच 25 वर्षों में पहली मुलाकात थी। सीरिया दशकों से जारी अंतर्राष्ट्रीय अलगाव से उबरने के लिए संघर्ष कर रहा है। ट्रंप की खाड़ी सहयोग परिषद के नेताओं के साथ बैठक के इतर हुई इस बैठक को सीरिया के लिए एक बड़े घटनाक्रम के रूप में देखा गया।

शासन परिवर्तन की अमेरिकी रणनीति अब समाप्त : तुलसी गबार्ड

मनामा। अमेरिकी खुफिया विभाग की प्रमुख तुलसी गबार्ड ने अमेरिका द्वारा दूसरे देशों में सत्ता परिवर्तन के इतिहास को स्वीकार करते हुए कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शासन काल में अब यह रणनीति खत्म हो गयी है। गबार्ड ने शनिवार को बहरीन में 21वें मनामा संवाद में दावा किया कि अपने पूर्ववर्तियों के विपरीत ट्रंप प्रशासन तख्ता पलट की बजाय कूटनीति और आपसी समझौतों को प्राथमिकता देता है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि अमेरिका की पुरानी सोच अब पीछे छूट गई है और यही हमें बहुत लंबे समय से पीछे धकेल रही है। दशकों से, हमारी विदेश नीति शासन परिवर्तन या राष्ट्र निर्माण के एक बेकारऔर अंतहीन चक्र में फँसी हुई है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका को लोकतंत्र को बढ़ावा देने या राष्ट्रीय हितों की रक्षा के नाम पर सरकारों को उखाड़ फेंकने की नीतियों को अपनाने के लिए लंबे समय से आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। वर्ष 2003 में इराक और 2011 में लीबिया से लेकर 2014 में यूक्रेन में 'रंगीन क्रांति' यानि अहिंसक तरीके से सत्ता पलटने का समर्थन करने तक अमेरिका की इस विदेश नीति की तीखी आलोचना हो रही है।

दिल्ली में यमुनोत्सव...

यमुना संसद अभियान के तहत यमुनोत्सव 2025 के पहले दिन रविवार को नई दिल्ली में यमुना के किनारे वासुदेव घाट पर पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाएं अनुष्ठान करने के लिए एकत्रित हुईं।

पाकिस्तान की इमारत में धमाका, एक की मौत

पेशावर। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को आतंकवाद निरोधक विभाग के पुलिस थाने में हुए विस्फोट में एक अधिकारी की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि विस्फोट प्रांत की राजधानी पेशावर के भीड़भाड़ वाले यूनिवर्सिटी रोड पर स्थित आतंकवाद निरोधक विभाग थाना के गोला-बारूद डिपो के अंदर हुआ। पुलिस ने बताया कि यह विस्फोट डिपो में रखे पुराने विस्फोटक पदार्थ के कारण हुआ। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल यह घटना आतंकवादी कृत्य नहीं लगती। कैपिटल सिटी पुलिस अधिकारी डॉ. मियां सईद ने बताया कि कई विस्फोटों के बाद सीटीडी भवन का एक हिस्सा ढह गया, जिसके बाद आग अन्य गोला-बारूद भंडारों तक फैल गई।

रूस ने लांच की परमाणु ड्रोन से लैस पनडुब्बी

मॉस्को, एजेंसी

- घातक हथियारों और रोबोटिक प्रणाली से लैस है खाबरोवस्क

रूस ने अपने नए परमाणु पनडुब्बी का जलावतरण किया है, जो 'पोसेइडॉन' परमाणु ड्रोन से लैस है। इसे 'डूम्सडे मिसाइल (प्रलयकारी मिसाइल)' कहा जा रहा है, जो तटीय देशों को नष्ट कर देने में सक्षम है।। रूस के रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव ने सेवमाश शिपयार्ड के सेवेरोद्विंस्क में रूसी नौसेना प्रमुख एडमिरल अलेक्जेंडर मोइसेयेव और अन्य शीर्ष जहाज निर्माण अधिकारियों की उपस्थिति में एक भव्य समारोह में परमाणु पनडुब्बी खाबरोवस्क का जलावतरण किया।

बेलौसोव ने शनिवार देर रात टेलीविजन पर प्रसारित अपने संबोधन में कहा कि आज हमारे लिए एक महत्वपूर्ण घटना है- परमाणु ऊर्जा से चालित मिसाइल क्रूजर खाबरोवस्क का प्रसिद्ध सेवमाश से जलावतरण किया जा रहा है। सेवमाश शिपयार्ड में इससे पहले भारत के लिए विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य का नवीनीकरण किया गया था। रूस की समाचार एजेंसी 'तास' के मुताबिक, रक्षा मंत्री ने रेखांकित किया कि पानी के नीचे के हथियारों और रोबोटिक प्रणाली से लैस यह पनडुब्बी रूस को अपनी समुद्री सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और दुनिया के महासागरों के विभिन्न क्षेत्रों में अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने में सक्षम बनाएगी।

यूक्रेन के ओडेसा क्षेत्र में ड्रोन हमले में दो लोगों की मौत

कीव। यूक्रेन के दक्षिण-पश्चिमी ओडेसा क्षेत्र में ड्रोन हमले में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। इसके साथ ही रूस ने देश की ऊर्जा अवसंरचना पर भी हमला करना जारी रखा।

देश के आपातकालीन सेवा विभाग के अनुसार, रविवार तड़के यूक्रेन के काला सागर तट पर ओडेसा क्षेत्र में एक कार पार्किंग पर रूसी ड्रोन ने हमला किया, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। ओडेसा के क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह किपर ने बताया कि इस हमले में तीन अन्य लोग घायल हो गए। रूस द्वारा जपोरिज्जिया क्षेत्र पर ड्रोन और मिसाइल से हमला किए जाने के बाद अनेक निवासियों को बिजली के बिना रहना पड़ा। क्षेत्रीय गवर्नर इवान फेडोरोव ने बताया कि हमलों में लगभग 60,000 लोगों को बिजली आपूर्ति के बाधित होने का सामना करना पड़ा और दो लोग घायल हुए। उन्होंने टेलीग्राम पर मलबे में बदली इमारतों की तस्वीरें पोस्ट कीं। यूक्रेन के राष्ट्रीय ऊर्जा ऑपरेटर, उक्रेनेर्गो ने कहा कि यूक्रेन की विद्युत ग्रिड पर हमलों के परिणामस्वरूप, रविवार को कई क्षेत्रों में बिजली कटौती का सामना करना पड़ा।

केंद्र सरकार को और अधिक सहनशील होने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

- ब्रिटिश प्रोफेसर के निर्वासन पर बोले कांग्रेस सांसद शशि थरूर

लंदन की प्रोफेसर फ्रांसेस्का ओरसिनी को वीजा शर्तों के कथित उल्लंघन के कारण दिल्ली हवाई अड्डे से निर्वासित किए जाने के कुछ दिनों बाद कांग्रेस नेता शशि थरूर ने रविवार को कहा कि भारत सरकार को अधिक सहनशील, व्यापक सोच और बड़ा दिल वाला होने की जरूरत है।

तिरुवनंतपुरम से सांसद ने कहा कि मामूली वीजा उल्लंघन के कारण विदेशी विद्वानों और शिक्षाविदों को निर्वासन के तहत वापस भेजने के लिए हवाई अड्डे के आव्रजन काउंटर पर असम्मानजक रवैया दिखाना देश को विदेशी शैक्षणिक पत्रिकाओं में प्रकाशित किसी भी नकारात्मक लेख से कहीं अधिक नुकसान पहुंचा रहा है।

थरूर की यह टिप्पणी भाजपा के पूर्व सांसद स्वपन दासगुप्ता के एक पोस्ट के जवाब में आई है, जिसमें उन्होंने एक अखबार में प्रकाशित अपने लेख को साझा करते हुए तर्क दिया था कि वीजा शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित करना सरकार का कर्तव्य है, लेकिन किसी प्रोफेसर की छात्रवृत्ति का मूल्यांकन करना उसका काम नहीं है।

अमेरिका ने फिर किया जहाज पर हमला, तीन तस्कर मारे गए

वेस्ट पाम बीच। अमेरिकी सेना ने कैरेबियाई सागर में मादक पदार्थों के तस्करों पर एक और घातक हमला किया है। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि जिस पोत पर हमला किया गया, उसका संचालन अमेरिका द्वारा आतंकवादी संगठन घोषित किया गया एक समूह कर रहा था, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि किस समूह को निशाना बनाया गया। उन्होंने बताया कि हमले में तीन लोग मारे गए। सितंबर की शुरुआत से कैरेबियाई या पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी सेना द्वारा किया गया यह कम से कम 15वां ऐसा हमला है।

हेगसेथ ने लिखा कि यह पोत, हर दूसरे पोत की तरह- हमारी खुफिया जानकारी के अनुसार अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल था। यह मादक पदार्थों की तस्करी के एक ज्ञात रास्ते से गुजर रहा था और मादक पदार्थ ले जा रहा था। अमेरिकी सेना के इस प्रकार के हमलों में अब तक कम से कम 64 लोग मारे गए हैं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने इस क्षेत्र में असामान्य रूप से बड़ी संख्या में युद्धपोतों की तैनाती की है।

मेक्सिको में स्टोर में आग, 23 की मौत

मेक्सिको सिटी, एजेंसी

- झुलसे 12 लोगों को छह अस्पतालों में भर्ती कराया गया

उत्तर-पश्चिमी मेक्सिको में शनिवार को एक 'डिपार्टमेंटल स्टोर' में आग लगने और विस्फोट होने से बच्चों सहित 23 लोगों की मौत हो गई और 12 घायल हो गए। सोनोरा के गवर्नर अल्फोंसो दुराजो ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में बताया कि आग सोनोरा राज्य की राजधानी हर्मोसिलो शहर में लगी।

सोनोरा के अटॉर्नी जनरल गुस्तावो सालास चावेज ने बताया कि कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई है और घायलों को हर्मोसिलो के छह अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। सालास चावेज ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि लोगों की मौत सांस के साथ जहरीली गैस शरीर में जाने के कारण हुई। उन्होंने कहा कि हमें फिलहाल ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है जिससे यह अनुमान लगाया जा सके कि आग जानबूझकर लगाई गई थी। उन्होंने यह भी बताया कि अधिकारी मामले की हर पहलू से जांच करेंगे। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरों में 'वाल्डो' के स्टोर में भीषण आग लगी हुई दिखाई दे रही है। एक वीडियो में एक जला हुआ आदमी स्टोर के प्रवेश द्वार से कुछ मीटर की दूरी पर गिरा नजर आ रहा है।

केन्या में भूस्खलन में 21 की गई जान

नैरोबी। केन्या के पश्चिमी रिफ्ट घाटी क्षेत्र में भूस्खलन के बाद कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य लोग लापता हो गए। क्षेत्र में पिछले कई दिन से भारी बारिश हो रही है। पश्चिमी केन्या की एल्गेयो मारक्वेट काउंटी में चेसोनगोच के पहाड़ी इलाके में शनिवार को हुए भूस्खलन से 1,000 से अधिक मकान तबाह हो गए। सरकार ने घायल 30 लोगों को हवाई मार्ग से एल्डोरेट शहर के अस्पताल में पहुंचाया है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 3 नवंबर, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी 4 नवंबर 02 .05 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

आज का पंचांग

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तर भाद्रपद 15 .05 तक तत्पश्चात रेवती।

मेष – आज दवाइयों पर धन खर्च हो सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखें। निरर्थक कार्यों में समय बर्बाद होगा। आपकी सोच के अनुसार काम नहीं होंगे। विद्यार्थियों को एकाग्रता में कमी महसूस होगी। माता के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है।

वृष – आज आय की स्थिति मजबूत रहेगी। पुराने मित्रों के माध्यम से आर्थिक सहयोग प्राप्त होगा। काम का दबाव कम होगा। कला जगत से जुड़े लोगों को सम्मान प्राप्त हो सकता है। काम के तरीके में परिवर्तन कर सकते हैं।

मिथुन – आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। प्रबंधन संबंधी कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार के लोगों को आप समय देंगे। स्वास्थ्य समस्याओं में सुधार होगा। वैवाहिक जीवन का तनाव दूर होगा। काम करने के तरीके में बदलाव ला सकते हैं।

कर्क – आज उधार दिया हुआ धन फंस सकता है। उच्च शिक्षा के लिए विदेश यात्रा कर सकते हैं। घरेलू खर्चों में वृद्धि होगी। कोई महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण हो सकता है। अधीनस्थ कर्मचारियों से अधिक बहसबाजी न करें। विवादित मामले उभरने की आशंका है।

सिंह – आज शत्रु पक्ष को कमजोर आंकने की गलती न करें। घर में साफ-सफाई का ध्यान रखें। बच्चों की परेशानियों को समझें। स्वास्थ्य कमजोर रहने वाला है। शाम के समय जीवनसाथी के साथ डिनर के लिए जा सकते हैं।

कन्या – आज जॉब में आपको प्रशंसा प्राप्त होगी। साझेदारी में काम करने से लाभ मिलेगा। परिवार में विवाह को लेकर चर्चा हो सकती है। आपकी आय में वृद्धि होगी। नए कार्यों की शुरुआत करने के लिए दिन शुभ है।

तुला – आज कार्यक्षेत्र में अधिकारियों की आज्ञा का पालन करना पड़ेगा। गूढ़ विषयों का अध्ययन करने में रुचि जागृत होगी। सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। समाज में आपकी ख्याति में वृद्धि होगी। विरोधियों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे।

वृश्चिक – आज विद्यार्थी कुछ नया सीखने का प्रयास करेंगे। सामाजिक कार्य में आपका मन लगेगा। आपकी सलाह से लोगों को लाभ होगा। आपकी अच्छी आदतों से लोग प्रसन्न होंगे। मित्रों से अपने प्रेम की अभिव्यक्ति कर सकते हैं।

धनु – आज शत्रुओं से आपको सावधान रहना चाहिए। शेयर मार्केट से लाभ प्राप्त होगा। व्यापार में नया प्रयोग करेंगे। परोपकार में धन खर्च करेंगे। अपनी क्षमताओं को विकसित करने का प्रयास करें। मित्र आपसे मिलने घर आ सकते हैं।

मकर – आज सरकारी कार्यों में आपको काफी अच्छा लाभ प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र में आपको उच्च पद सौंपा जा सकता है। आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। अविवाहित लोगों का विवाह तय होगा। आप पिकनिक के लिए जा सकते हैं।

कुंभ – आज अति आत्मविश्वास के कारण नुकसान हो सकता है। परिजनों के साथ संवाद बनाकर रखें। मन का तनाव दूर होगा। दांपत्य संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। अचल संपत्ति की खरीदारी कर सकते हैं। इष्ट मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

मीन – आज धर्म कार्यों में मन लगेगा। जॉब में उच्च पद प्राप्त होने की संभावना है। मनोनुकूल काम होने से आप प्रसन्न रहेंगे। कारोबार में बढ़ोतरी होने के योग बन रहे हैं। आपका मूड काफी अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है।

सुडोकू-149

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1				2		3		
	4		5			6		
	2		6					
6				3				
7								4
5				9				3
		1			7		9	
		6	2					
				1				6

सुडोकू - 148 का हल

1	5	7	8	9	2	3	4	6
8	4	2	3	5	6	1	9	7
9	6	3	7	4	1	8	2	5
7	3	6	2	8	4	5	1	9
2	9	1	5	3	7	6	8	4
5	8	4	6	1	9	7	3	2
4	2	8	1	7	5	9	6	3
6	1	5	9	2	3	4	7	8
3	7	9	4	6	8	2	5	1

> टॉस जीतना बहुत जरूरी था। हार का सिलसिला तोड़कर जीत की तरफ आकर अच्छा लगा। जिन लड़कों को आज मौका मिला वे कड़ा अभ्यास कर रहे थे। वॉशिंगटन सुंदर लचीलापन देने वाला बल्लेबाज है और बुमराह तथा अर्शदीप दोनों एक खतरनाक संयोजन है। – सूर्यकुमार यादव

स्टेडियम

कानपुर नगर, सोमवार 3 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

विदेश में हो सकती है आईपीएल नीलामी

नई दिल्ली : आईपीएल नीलामी स्थल को लेकर सोच में बदलाव होता दिख रहा है, जिसके अब विदेश में आयोजित होने की संभावना है। हालांकि फ्रेंचाइजियों को अभी तक आधिकारिक तौर पर शहर के बारे में सूचित नहीं किया गया है, लेकिन उन्हें इसके बारे में संकेत जरूर दिए गए हैं। हमेशा की तरह, संभावित स्थल खाड़ी क्षेत्र में कहीं माना जा रहा है। संयुक्त अरब अमीरात में अबू धाबी एक मजबूत संभावना है, लेकिन ओमान और कतर जैसे अन्य मध्य पूर्वी स्थानों पर भी विचार किया जा रहा है। यह घटनाक्रम पहले की योजना से बिल्कुल अलग है, जब ऐसा लग रहा था कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) भारत में ही नीलामी आयोजित करने का इच्छुक है। हालांकि, अब एक आदर्श स्थान हासिल करने में चुनौतियाँ नजर आ रही हैं, क्योंकि निर्धारित समय देश में त्योहारों और शादियों के मौसम से टकरा रहा है।

हाइलो ओपन में भारतीय चुनौती समाप्त

सारब्रूकेन (जर्मनी) : उभरती बैडमिंटन खिलाड़ी उन्नति हुड्डा को यहां 475,000 डॉलर इनामी हाइलो ओपन के महिला एकल सेमीफाइनल में इंडोनेशिया की शीर्ष वरीय पुत्री कुसुमा वर्दानी से सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा, जिससे इस टूर्नामेंट में भारत की चुनौती भी समाप्त हो गई। रोहतक की 18 वर्षीय खिलाड़ी उन्नति ने इस सप्ताह प्रभावशाली प्रदर्शन किया, लेकिन वह वर्दानी की गति और सटीकता की बराबरी नहीं कर सकी और शनिवार रात 35 मिनट तक चले मुकाबले में 7-21, 13-21 से हार गई। उन्नति उस भारतीय टीम का हिस्सा थीं जिसने पिछले महीने गुवाहाटी में बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप में अपना पहला पदक (कांस्य) जीता था।

87 रन

शेफाली वर्मा।

शेफाली और दीप्ति की बदौलत भारतीय बेटियों ने छू लिया आसमां

आईसीसी महिला विश्व कप : फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराया

नवी मुंबई, एजेंसी :

हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इतिहास रचते हुए रविवार को यहां वनडे विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 53 रन से हराकर पहली आईसीसी ट्रॉफी जीती। भारत ने शेफाली वर्मा (78 गेंद में 87 रन) और दीप्ति शर्मा (58 रन) के अर्धशतक की बदौलत सात विकेट पर 298 रन बनाए। इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम दीप्ति शर्मा के पांच झटकों के सामने कप्तान लॉरा वोल्वार्ड (101 रन) के शतक के बावजूद 45.3 ओवर में 246 रन पर सिमट गई। दीप्ति ने 39 रन देकर पांच विकेट झटके। शेफाली वर्मा ने भी दो विकेट और श्री चरणी ने एक विकेट हासिल किया। इससे पहले शेफाली ने वनडे में अपनी सर्वश्रेष्ठ पारी के दौरान सात चौके और दो छक्के लगाये। दीप्ति ने 58 गेंद में तीन चौके और एक छक्का जड़ा। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने 45 रन और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने 34 रन का योगदान दिया।

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड को आउट करने के बाद जश्न मनातीं दीप्ति शर्मा। एजेंसी

इससे पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर शेफाली ने स्मृति मंधाना (58 गेंद में 45 रन) के साथ पहले विकेट के लिए शतकीय (106 गेंद में 104 रन) और जेमिमा रॉड्रिग्स (37 गेंद में 24 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 62 गेंद में 62 रन की साझेदारी कर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। इससे पहले चार जुलाई 2022 को श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 71 रन की पारी खेलने वाली शेफाली ने 21वें ओवर में सुने लुस की गेंद पर ऐनेक बॉश से मिले जीवनदान का फायदा उठाते हुए वनडे की अपनी सर्वश्रेष्ठ पारी के दौरान सात चौके और दो छक्के लगाये। भारतीय टीम 26वें ओवर के बाद लगातार अंतराल पर विकेट गंवाते रही जिससे टीम शानदार शुरूआत के बावजूद रन गति को तेज करने में नाकाम रही। दीप्ति शर्मा इस दौरान वनडे विश्व कप में 15 विकेट और 200 रन पूरे करने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनी। उन्होंने अपनी पारी में तीन चौके और एक छक्का लगाया जबकि रिचा ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए तीन चौके और दो छक्के जड़े। दक्षिण अफ्रीका के लिए आयोबोंगा खाका सबसे सफल गेंदबाज रही। उन्होंने 58 रन देकर तीन विकेट लिये। शेफाली और मंधाना ने भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। स्मृति ने मारिजान काप के पहले ओवर में खेल परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने की कोशिश की तो वहीं शेफाली ने दूसरे ओवर में अपनी पारी का आगाज आयोबोंगा खाका की गेंद पर चौके साथ किया। मंधाना ने काप की गेंद पर प्वाइंट क्षेत्र में कट कर शानदार चौका लगाया। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड ने तेज गेंदबाजों के असरहीन दिखने के बाद आठवें ओवर में स्पिन का सहारा लेते हुए नोनकुलुलेको म्लाबा (47 रन पर एक विकेट) को गेंद थमाई लेकिन शेफाली ने उनका स्वागत भी चौके से किया। भारत ने शुरुआती 10 ओवर में बिना किसी नुकसान के 64 रन के साथ इस विश्व कप में पावरप्ले का अपना सर्वोच्च स्कोर बनाया। पावरप्ले के बाद भारत की रनगति पर थोड़ा अंकुश लगा लेकिन नाडिन डि क्लार्क (52 रन पर एक विकेट) की गेंद पर शेफाली ने अपनी पारी का पहला छक्का जड़ दबाव कम किया। मंधाना ने 18वें ओवर में क्लो ट्रायोन की गेंद पर चौके से साथ पहले विकेट के लिए 104 गेंद में शतकीय साझेदारी पूरी की।

भारत

298/7 (50 ओवर)

स्मृति मंधाना का जाफ्ता बो ट्रायोन	45
शेफाली वर्मा का लुस बो खाका	87
जेमिमा का वोल्वार्ड्ट बो खाका	24
हरमनप्रीत कौर बो म्लाबा	20
दीप्ति शर्मा रन आउट	58
अमनजोत कौर का एवं बो डि क्लार्क	12
रिचा घोष का डर्कसेन बो खाका	34
राधा यादव नाबाद	03

गेंदबाजी : काप 10-1-59-0, खाका 9-0-58-3, म्लाबा 10-0-47-1, डि क्लार्क 9-0-52-1, लुस 5-0-34-0, ट्रायोन 7-0-46-1

दक्षिण अफ्रीका

246/10 (45.3 ओवर)

लॉरा वोल्वार्ड का अमनजोत बो दीप्ति	101
ताजमिन ब्रिट्स रन आउट	23
एनेक बॉश पगबाधा श्री चरणी	00
सुने लुस का एवं बो शेफाली	25
मरिजान काप का घोष बो शेफाली	04
सिनालो जाफ्ता का राधा बो दीप्ति	16
एनेरी डर्कसन बो दीप्ति	35
क्लो ट्रायोन पगबाधा दीप्ति	09
डि क्लार्क का हरमनप्रीत बो दीप्ति	18
आयोबोंगा खाका रन आउट	01
नोनकुलुलेको म्लाबा नाबाद	00

गेंदबाजी : रेणुका 8-0-28-0, क्रांति 3-0-16-0, अमनजोत 4-0-34-0, दीप्ति 9 .3-0-39-5, श्री चरणी 9-0-48-1, राधा 5-0-45-0, शेफाली 7-0-36-2

नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में फाइनल मैच से पहले क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर आईसीसी महिला विश्व कप ट्रॉफी व अन्य लोगों के साथ फोटो सेशन कराते हुए। तिरंगा लहराकर प्रसन्नता व्यक्त करते भारतीय दर्शक। राष्ट्रगान गातीं बॉलीवुड गायिका सुनिधि चौहान। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर व दक्षिण अफ्रीकी कप्तान लॉरा वोल्वार्ड।

वाशिंगटन की तूफानी पारी से भारत ने टी-20 सीरीज में बराबरी की

- तीसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराया

होबार्ट, एजेंसी

अर्शदीप सिंह की उम्दा गेंदबाजी के बाद वाशिंगटन सुंदर की तूफानी पारी से भारत ने तीसरे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में रविवार को यहां ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर पांच मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर दी।

ऑस्ट्रेलिया के 187 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने वाशिंगटन की 23 गेंद में चार छक्कों और तीन चौकों से नाबाद 49 रन की पारी और जितेश शर्मा (13 गेंद में नाबाद 22) के साथ उनकी छठे विकेट की 25 गेंद में 43 रन की अटूट साझेदारी की बदौलत 18.3 ओवर में पांच विकेट पर 188 रन बनाकर जीत दर्ज की। तिलक वर्मा (29), अभिषेक शर्मा (25) और कप्तान सूर्यकुमार यादव (24) ने भी उपयोगी पारियां खेलीं।

वाशिंगटन को इस मैच में गेंदबाजी का मौका नहीं मिला, लेकिन उन्होंने बल्ले से एकादश में अपने चयन को सही साबित किया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाथन एलिस ने 36 रन देकर तीन विकेट चटकाए लेकिन अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाए। अर्शदीप (35 रन पर तीन विकेट) और वरुण चक्रवर्ती (33 रन पर दो विकेट) ने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया का स्कोर चार विकेट पर 74 रन कर दिया था लेकिन टिम डेविड (74) और मार्कस स्टोइनिस (64) ने ताबड़तोड़ अर्धशतक जड़कर मेजबान टीम का स्कोर छह विकेट पर 186 रन तक पहुंचाया। डेविड ने 38 गेंद का सामना करते हुए पांच छक्के और आठ चौके मारे जबकि स्टोइनिस ने 39 गेंद की पारी में दो छक्के और आठ चौके जड़े।

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने पावर प्ले में 64 रन जोड़े लेकिन फॉर्म में चल रहे अभिषेक और शुभमन गिल (15) के विकेट गंवा दिए। कप्तान सूर्यकुमार यादव (24) ने आते ही एलिस और एबट पर छक्के मारे लेकिन एलिस ने गिल को पगबाधा कर दिया। सूर्यकुमार भी स्टोइनिस की गेंद पर एलिस को आसान कैच दे बैठे। तिलक और अक्षर पटेल ने इसके बाद पारी को संभाला।

तूफानी पारी के दौरान शॉट लगाते वाशिंगटन सुंदर। एजेंसी

कुलदीप यादव को टीम से रिलीज किया गया

होबार्ट : भारतीय टीम प्रबंधन ने छह नवंबर से बेंगलुरु में भारत ए और दक्षिण अफ्रीका ए के बीच होने वाले दूसरे चार दिवसीय मैच के लिए रविवार को स्पिनर कुलदीप यादव को ऑस्ट्रेलिया में टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम से रिलीज कर दिया। यह मैच बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक बयान में कहा भारतीय टीम प्रबंधन ने कुलदीप यादव को ऑस्ट्रेलिया में चल रही टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज से रिलीज करने का अनुरोध किया है ताकि वह बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए सीरीज में भाग ले सकें।दूसरा चार दिवसीय मैच छह नवंबर से शुरू होगा।

49 रनों की अपनी नाबाद पारी के दौरान वाशिंगटन सुंदर ने तीन चौके और चार छक्के लगाए, उन्होंने 23 गेंदों का सामना किया

ऑस्ट्रेलिया

186/6 (20 ओवर)

ट्रेविस हेड का सूर्यकुमार बो अर्शदीप	06
मिचेल मार्श का वर्मा बो चक्रवर्ती	11
जोश इंग्लिस का अक्षर बो अर्शदीप	01
टिम डेविड का वर्मा बो दुबे	74
मिचेल ओवेन बो चक्रवर्ती	00
स्टोइनिस का स्थानापन्न बो अर्शदीप	64
मैथ्यू शॉर्ट नाबाद	26
जेवियर बार्टलेट नाबाद	03

गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-35-3, बुमराह 4-0-26-0, चक्रवर्ती 4-0-33-2, अक्षर 4-0-35-0, शिवम 3-0-43-1, अभिषेक 1-0-13-0

भारत

188/5 (18.3 ओवर)

अभिषेक शर्मा का इंग्लिस बो एलिस	25
शुभमन गिल पगबाधा बो इंग्लिस	15
सूर्यकुमार का एलिस बो स्टोइनिस	24
तिलक वर्मा का इंग्लिस बो बार्टलेट	29
अक्षर पटेल का बार्टलेट बो एलिस	17
वाशिंगटन सुंदर नाबाद	49
जितेश शर्मा नाबाद	22

विकेट पतन : 1-33, 2-61, 3-76, 4-111, 5-145 **गेंदबाजी :** बार्टलेट 4-0-30-1, एबट 3 .3-0-56-0, एलिस 4-0-36-3, कुहनेमन 4-0-31-0, स्टोइनिस 2-0-22-1, शॉर्ट 1-0-13-0

अर्धशतक लगाने के बाद जश्न मनाते भारत ए के कप्तान ऋषभ पंत। एजेंसी

भारत ए की रोमांचक जीत

- पंत और पुछल्ले बल्लेबाजों के सामने दक्षिण अफ्रीका ए तीन विकेट से परास्त

बेंगलुरु, एजेंसी

कप्तान ऋषभ पंत की 90 रन की शानदार पारी और निचले क्रम के बल्लेबाजों की दमदार पारियों की बदौलत भारत ए ने रविवार को यहां पहले चार दिवसीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका ए को तीन विकेट से हरा दिया। भारत ए अब दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 से आगे हो गया है। दूसरा मैच अगले गुरुवार से बीसीसीआई सीओई मैदान पर ही खेला जाएगा।

भारत ए ने मैच के चौथे और अंतिम दिन सुबह अपनी दूसरी पारी चार विकेट पर 119 रन से आगे बढ़ाई। पंत (90 रन, 113 गेंद, 11 चौके, चार छक्के) और आयुष बडोनी (34 रन, 47 गेंद) ने सुबह अच्छी शुरुआत की और 12 ओवर में 63 रन जोड़े। भारत को 275 रन के लक्ष्य के सामने अंतिम दिन 166 रन की जरूरत थी।

पंत और बडोनी ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। पंत ने दिन की दूसरी ही गेंद पर तेज गेंदबाज ओकुहले सेले पर छक्का जड़ा और उसके बाद एक हाथ से शॉट लगाकर थर्ड मैन क्षेत्र में दो चौके लगाए। सेले ने दिन के पहले ओवर में 14 रन दिए। पंत हालांकि अपना शतक पूरा नहीं कर पाए। उन्हें तियान वान वुरेन की गेंद पर पुल करने का समय नहीं मिला और गेंद हवा में लहरा गई। लेसेगो सेनोक्वाने ने दूसरी स्लिप से दौड़ते हुए कैच लपका। सेनोक्वाने के लिए यह बड़ी राहत की बात थी क्योंकि उन्होंने प्रेनेलन सुब्रायन की गेंद पर फॉरवर्ड शॉर्ट लेग पर पंत का कैच छोड़ा था। पंत तब 80 रन पर खेल रहे थे। लेकिन जिस तरह से पंत ने दूसरी पारी में बल्लेबाजी की और मैच में 139.3 ओवर तक विकेटकीपिंग की, वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए सीनियर टीम की घोषणा करने से पहले चयनकर्ताओं के लिए एक सुखद संकेत हो सकता है।

निर्णय | न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने 93 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बनाए हैं 2575 रन

केन विलियम्सन ने टी-20 क्रिकेट से लिया संन्यास

ऑकलैंड, एजेंसी

न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियम्सन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज शुरू होने से कुछ दिन पहले रविवार को टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की।

न्यूजीलैंड के लिए 93 टी-20 मैच खेलने वाले विलियम्सन को हाल ही में 2026 के सत्र के लिए आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स का रणनीतिक सलाहकार नियुक्त किया गया था। संन्यास लेने की घोषणा करने के कारण इस 35 वर्षीय बल्लेबाज को बुधवार से यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू हो रही श्रृंखला के लिए 14 सदस्यीय टी-20 टीम में शामिल नहीं किया गया। विलियम्सन ने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 2575 रन बनाए, लेकिन वह एक भी शतक नहीं लगा पाए। वह कैरेबियाई टीम के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की तैयारी के सिलसिले में आगामी एकदिवसीय श्रृंखला में भी नहीं खेलेंगे। विलियम्सनने न्यूजीलैंड की तरफ से टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाए हैं। उनका औसत 33 है और उन्होंने 18 अर्धशतक लगाए हैं। इस प्रारूप में उनका उच्चतम स्कोर 95 रन है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सभी प्रारूपों में 19,000 से अधिक रन बनाने वाले इस क्रिकेटर ने 2011 में टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था और 75 मैच में टीम का नेतृत्व किया, जिसमें 2016 और 2022 में दो टी-20 विश्व कप सेमीफाइनल और 2021 में फाइनल में कप्तानी करना शामिल है। विलियम्सन ने न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) से कहा यह (टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलना) कुछ ऐसा है जिसका हिस्सा बनना मुझे शुरू से ही पसंद था। मैं इन यादों और अनुभवों के लिए बहुत आभारी हूं।

आगामी टेस्ट सीरीज की तरफ देंगे ध्यान

विलियम्सन ने कहा इस प्रारूप को अलविदा कहने का यह टीम और मेरे लिए सही समय है। इससे टीम को आगे बढ़ाने और टी-20 विश्व कप के लिए टीम तैयार करने में मदद मिलेगी। न्यूजीलैंड की तरफ से सर्वाधिक रन बनाने वाले विलियम्सन ने कहा कि टेस्ट और वनडे को लेकर उनकी राय स्पष्ट है और उनका ध्यान अभी वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन टेस्ट मैच की सीरीज पर है जिसका पहला मैच दो दिसंबर से क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। उन्होंने कहा मुझे इस टीम की बहुत परवाह है। न्यूजीलैंड की तरफ से खेलना बहुत मायने रखता है।